* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

01 अगस्त, 2023
सावन, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा
संवत 2080
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
मंगलवार, वर्ष 08, अंक 282

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

आजाद सिपाही खास
आकाश बायजूस
जमशेदपुर सेंटर पर विशेष
देखें पेज 6-7

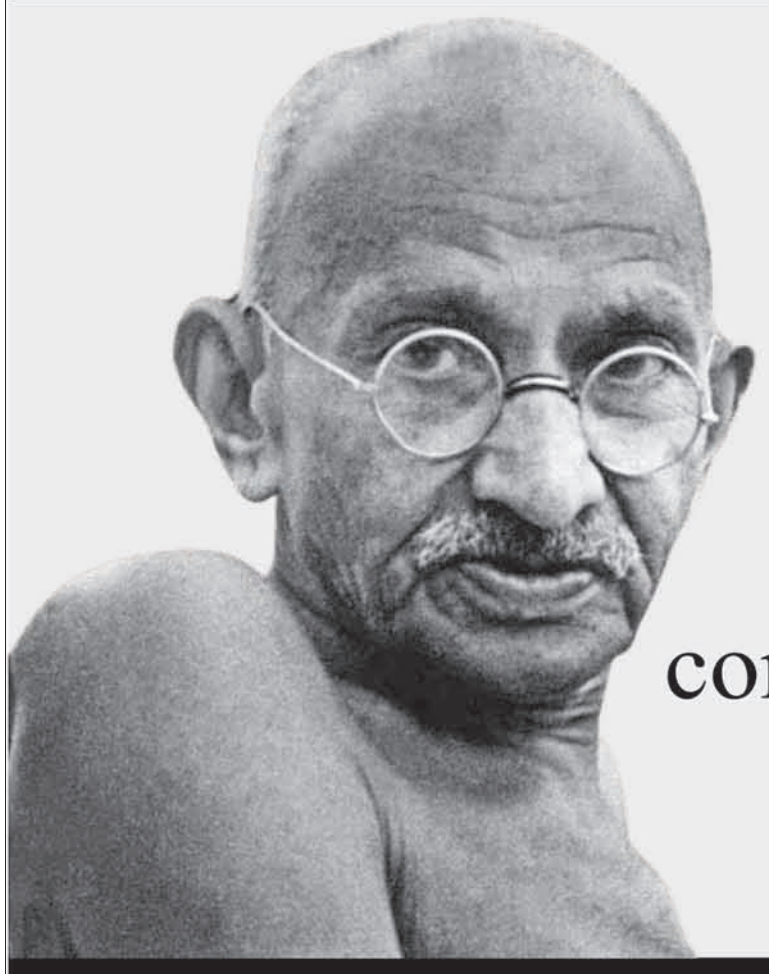

"Facts mean truth,
and once
we adhere to truth,
the law
comes to our aid naturally."

Mahatma Gandhi
"The Story of my Experiments with Truth"(1929)

Lead
Aspire
Win

BA - LL B (Hons)

B Com - LL B (Hons)

BBA - LL B (Hons)

5 Year Integrated Course

Recognised by Bar Council of India

BAR COUNCIL OF INDIA

Supported by :

ADITYA BIRLA GROUP

B K BIRLA GROUP OF COMPANIES

ADMISSIONS
= OPEN =
2023-24

SARALA BIRLA UNIVERSITY, RANCHI

Birla Knowledge City, Mahilong, Ranchi - 835103 (Jharkhand)

Toll Free No. : 1800 890 6077 | admission@sburanchi.ac.in | www.sbu.ac.in

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

सर्राफा
सोना (बिक्री) 56,000 रु./10 ग्राम
चांदी 75,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, मंगलवार, 01 अगस्त 2023
www.azadsipahi.in
02

झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र : भाजपा विधायकों ने नियोजन नीति और विधि व्यवस्था पर किया हंगामा

11988 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश, मणिपुर की घटना पर हंगामा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के मॉनसून सत्र में सोमवार को 11988 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश किया गया। इसके बाद विपक्ष के हंगामे के बीच सदन एक अगस्त तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

जब काम ही नहीं हो रहा है, तो फिर अनुपूरक बजट की जरूरत क्या : बाबूलाल मरांडी

सदन के बाहर पत्रकारों से बातचीत करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राज्य सरकार के द्वारा मणिपुर को लेकर हंगामा किया जा रहा है जबकि ऐसा नहीं है कि माणिपुर की स्थिति आज की है पूर्वोत्तर का इतिहास पुराना है अगर सब कुछ ठीक रहता तो कांग्रेस के सरकार में स्पेशल फोर्स एक्ट लाने की जरूरत नहीं होती जहां तक रही बात मणिपुर की स्थिति को नियंत्रित करने की देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं सब कुछ ठीक हो जायेगा। अनुपूरक बजट पर बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राज्य में जब काम ही नहीं हो रहा है तो फिर अनुपूरक बजट की जरूरत क्या है।

कांग्रेसी विधायकों ने हंगामा किया

सदन के बाहर कांग्रेस के विधायकों ने आइएनडीआइए के बैनर तले मणिपुर की घटना को लेकर हंगामा किया। इस दौरान केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गयी। वहीं इस बीच कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी और भाजपा विधायक समरी लाल के बीच पार्टी के चरित्र को लेकर बहस हुई।

पार्टी के चरित्र को लेकर हुई बहस

दोनों ने एक-दूसरे के ऊपर पार्टी चरित्र को लेकर आरोप लगाये। जहां समरी लाल ने आइएनडीआइए को इंदिरा की पार्टी कहा तो वहीं इरफान ने भाजपा को आदिवासी

विस के बाहर मणिपुर की घटना के विरोध में प्रदर्शन करते महागठबंधन विधायक। *फोटो : प्रदीप ठाकुर*

विरोधी बताया। सदन की शुरुआत होने से पहले अलग-अलग विधायकों ने सदन के बाहर हंगामा किया। निर्धारित समय से सदन शुरू हुआ। सदन शुरू होते ही प्रश्नकाल में विधायक प्रदीप यादव ने मणिपुर की घटना का जिक्र किया और केंद्र सरकार को संज्ञान लेने को कहा। इस दौरान भाजपा के विधायक सदन के भीतर हंगामा करते रहे।

सदन शुरू होते ही सदन के भीतर विपक्ष की ओर से हंगामा शुरू हुआ। प्रश्नकाल शुरू होते ही माले विधायक विनोद सिंह ने महिला सुरक्षा को लेकर सवाल पूछा। वहीं उन्होंने थानों में महिला दारोगा की नियुक्ति को लेकर सवाल पूछा। सरकार की ओर से आये जवाब में बताया गया कि इस दिशा में काम हो रहा है। इसके बाद सदन को 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

1 अगस्त तक के लिए सदन स्थगित

12 बजे निर्धारित समय से सदन की कार्यवाही शुरू हुई। जहां ध्यानाकर्षण के दौरान विधायक सरयू राय ने निजी स्कूलों को लेकर जारी सरकार के आदेश में संसोधन करने की बात कही गयी। इस दौरान भाजपा के विधायक वेल तक चले आये। विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने उन्हें बैठने को कहा। इसके बाद भी वे हंगामा करते रहे। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही को मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दिया।

दूसरे दिन मणिपुर की घटना पर हंगामा

रांची। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन की शुरुआत हंगामे से हुई। सत्ता पक्ष ने दूसरे दिन मणिपुर घटना पर का मुद्दा उठाया। कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने मणिपुर का मुद्दा उठाया। कांग्रेस विधायक दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि अभी मणिपुर से संबंधित केवल कुछ वीडियो ही वायरल हुए हैं। सड़कों पर बहनों-भाइयों को गाजर-मूली की तरह कटा जाता है, बहनों के साथ दुष्कर्म हो रहा है। ये बिलकुल स्वीकार्य नहीं है। इन सब की जिम्मेदार मोदी सरकार है।

प्रदीप यादव ने केंद्र के पास बकाया राशि का मुद्दा उठाया

प्रदीप यादव ने वित्त विभाग से केंद्र सरकार से राज्य के 35000 करोड़ बकाया राशि और केंद्र प्रायोजित योजनाओं की देय राशि की मांग को दोहराया और उनसे पूछना चाहा कि केंद्र सरकार से इस राशि की वसूली के लिए कोई ठोस कार्रवाई की गयी है या नहीं, इसके जवाब में वित्त मंत्री रामेश्वर रामेश्वर उरांव ने कहा कि केंद्र से बातचीत चल रही है।

बन्ना गुप्ता ने अनुपूरक बजट को वित्तीय प्रबंधन के लिए बताया जरूरी

रांची। झारखंड विधानसभा के मॉनसून सत्र में सोमवार को पेश 11988 करोड़ के अनुपूरक बजट को मंत्री बन्ना गुप्ता ने अहम बताया है। सदन के बाहर पत्रकारों से बात करते कहा पूर्व की सरकार में वित्तीय कुप्रबंधन दिखता था। अभी पेश बजट राज्य के वित्तीय सेहत के लिए बढ़िया है। भाजपा को आखिर इसे लेकर पेट में दर्द क्यों हो रहा है। भाजपा विधायक सदन का बेशकीमती समय निरर्थक विषयों पर बर्बाद करना चाह रहे। राज्य सरकार सदन में बहस के लिए तैयार है।

वहीं माले विधायक विनोद कुमार सिंह ने गृह कार्य और आपदा प्रबंधन विभाग से पूछा कि साल 2022 में महिला अत्याचार से संबंधित 2366 ट्रायल फेल हो गये हैं और 2662 आरोपित बरी हो गये। दुष्कर्म और पॉक्सो में सजा की दर 25 प्रतिशत से कम है। साथ ही उन्होंने राज्य के 90 प्रतिशत थानों में एक भी महिला दारोगा का पद स्थापित नहीं है, इस मुद्दे को भी उठाया। प्रभारी मंत्री आलमगीर आलम ने इस पर कहा कि नियमानुसार कार्य हो रहा है। इस बीच विधायक इरफान अंसारी ने कहा कि 2024 में आ गयी है आइएनडीआइए और नरेंद्र मोदी जी गये। हम बहनों को इंसाफ दिलायेंगे। इसके बाद सदन में पक्ष और विपक्ष दोनों ओर से हंगामा होने लगा।

बिजली, कानून व्यवस्था पर सरकार विफल : सुदेश महतो

सुदेश महतो ने कहा कि बिजली, कानून व्यवस्था पर सरकार विफल है। झारखंड की स्थिति ठीक करने की बजाये सरकार मणिपुर की चिंता में है। साढ़े तीन सालों में विधि व्यवस्था को लेकर सरकार के आंकड़े सब बता रहे हैं पर यहां मणिपुर के नाम पर सदन का समय बर्बाद किया जा रहा। अमर बाउरी, राज सिन्हा, समरी लाल समेत दूसरे विधायकों ने भी सरकार पर यहां की विधि व्यवस्था में विफल रहने का आरोप लगाया।

भाजपा विधायकों ने नियोजन नीति के मुद्दे पर मुख्यमंत्री से मांगा इस्तीफा

रांची (आजाद सिपाही)। भाजपा विधायकों ने विधानसभा परिसर में प्रदर्शन करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री से इस्तीफे की मांग कर दी। विधायकों ने विधानसभा परिसर में जमकर नारेबाजी की। विधायक अनंत कुमार ओझा ने कहा कि हेमंत सरकार चुनाव के वक्त राज्य के युवाओं से यह वादा करके आयी थी कि पांच लाख नौकरी देंगे। लेकिन सत्ता में बैठते ही यह सरकार अपने इस चुनावी वादे को भूल गयी। प्रदर्शन कर रहे भाजपा विधायकों में मुख्य सचेतक बिरंची नारायण, अमर कुमार बाउरी, नारायण दास, अमित मंडल, अनंत ओझा सहित कई विधायक शामिल रहे।

राजनीति करना छोड़ झारखंड की विधि व्यवस्था पर चर्चा कराये राज्य सरकार : बाबूलाल मरांडी

रांची (आजाद सिपाही)। हेमंत सोरेन मणिपुर में प्रतिनिधि भेज रहे और संथाल परगना में आदिवासियों की पहचान मिटाई जा रही। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने सोमवार को राज्य सरकार से राज्य की ध्वस्त विधि व्यवस्था पर विधानसभा में चर्चा कराने की मांग की। मॉनसून सत्र के दौरान मीडिया से बात करते हुए बाबूलाल मरांडी ने मिजोरम की घटना पर सत्ता पक्ष द्वारा चर्चा की मांग पर कहा कि सत्ता पक्ष इस मुद्दे पर केवल राजनीति कर रहा। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के गृहमंत्री अमित शाह ने स्पष्ट कहा है कि केंद्र सरकार मणिपुर पर चर्चा कराने को तैयार है तो फिर झारखंड में इस पर चर्चा की मांग का क्या औचित्य है? कहा कि आइएनडीआइए गठबंधन को राजनीति छोड़ देश के सदन में चर्चा में शामिल होना चाहिए। श्री मरांडी ने कहा कि झारखंड में चर्चा ही करानी है तो राज्य की ध्वस्त विधि व्यवस्था पर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य के हालात बद से बदतर होते जा रहे। हत्या, लूट, बलात्कार की घटनाएं आम हो गयी हैं। कहा कि जेल से अपराधी खुलेआम धमकी दे रहे, रंगदारी वसूल रहे, मौज मस्ती कर रहे और भ्रष्ट अधिकारी उनकी सेवा में लगे हैं। उनका हाल चाल पूछ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यही भ्रष्ट अधिकारी दिन रात पैसे की वसूली में लगे हैं। श्री मरांडी ने कहा कि गठबंधन सरकार को मणिपुर में अपना प्रतिनिधि भेजने की चिंता है, लेकिन आज पूरे संथाल परगना में आदिवासियों की जो दुर्गति हो रही उसकी चिंता नहीं है।

रामगढ़/चतरा

खोपड़िया बाबा मंदिर समिति ने रामगढ़ उपायुक्त कार्यालय पर दिया धरना

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। भुरकुंडा बाजार स्थित इच्छापूरण बाला जी हनुमान मंदिर सह खोपड़िया बाबा धर्मशाला समिति ने सोमवार को पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत रामगढ़ उपायुक्त कार्यालय पर धरना दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने की। धरना कार्यक्रम में समिति कमेटी के लोग भी शामिल रहे। धरना के बाद उपायुक्त को ज्ञापन सौंप मामले में हस्तक्षेप कर उचित कानूनी कार्रवाई कराने की मांग की गयी। धरना में वक्ताओं ने कहा कि कमेटी 12-13 वर्षों से इच्छा पूरण बाला जी हनुमान मंदिर सह खोपड़िया बाबा धर्मशाला का संचालन करती आ रही है। वर्षों पहले इस स्थान पर लोगों ने कचरे का अंबार कर रखा था। मंदिर, धर्मशाला और गोदाम को लेकर उठे एक विवाद के बाद तात्कालिक भुरकुंडा थाना प्रभारी एसएन सिंह के निर्देश पर कमेटी बनी। जिसके बाद भुरकुंडा बाजार के कुछ व्यवसायियों ने मंदिर और धर्मशाला के पुनरोत्थान का बीड़ा उठाया। 150 ट्रैक्टर से उपर कचरा हटवाया गया। मंदिर परिसर को साफ सुथरा किया गया। चंदे के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा में बकायदा कमेटी का अकाउंट भी खोला गया। सभी काम सर्वसम्मति से हुआ और कही भी कोई संशय की गुंजाइश नहीं रखी गयी। एक दिवसीय धरना में महेश्वर साहू, सचिव परमजीत सिंह धामी, अजय गोयल, सुखदेव राम, बिंदा साव, लखन अग्रवाल, वीरेंद्र कुमार, मानसी, प्रीति सहित अन्य शामिल थे।

डीसी से मिला चेंबर का प्रतिनिधिमंडल, जमीन रजिस्ट्री में हो रही परेशानी से कराया अवगत

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। रामगढ़ छावनी परिषद क्षेत्र में हो रहे जमीन की रजिस्ट्री की परेशानी को लेकर सोमवार को चेंबर अध्यक्ष विनय अग्रवाल के नेतृत्व में चेंबर का एक प्रतिनिधिमंडल डीसी से मिलकर अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल में चेंबर के पूर्व अध्यक्ष पंकज प्रसाद तिवारी, कार्यकारिणी समिति के सदस्य विष्णु पोद्दार शामिल थे। चेंबर अध्यक्ष विनय अग्रवाल और निवर्तमान अध्यक्ष पंकज प्रसाद तिवारी ने बताया कि वर्तमान समय में रामगढ़ छावनी परिषद क्षेत्र में जमीन की रजिस्ट्री पर पूर्ण रोक है, जिसकी वजह से कई लोग जमीन की खरीद बिक्री नहीं कर पा रहे हैं और उनका आवश्यक कार्य बाधित है। जबकि कई लोग शादी विवाह शिक्षण कार्य और अन्य जरूरी कार्यों की वजह से जमीन की खरीद बिक्री करते हैं। जमीन की रजिस्ट्री पर रोक होने की वजह से यह लोग काफी परेशान है, इसका असर व्यवसाई गतिविधियों पर भी पड़ रहा है, यही नहीं सरकार को भी राजस्व का बड़ा नुकसान हो रहा है। इन सारी समस्याओं को लेकर डीसी और रजिस्ट्रार को पत्र के माध्यम से अवगत करा। इस पर डीसी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि बहुत जल्द छावनी परिषद क्षेत्र में रहने वाले लोगों की जमीन की खरीद बिक्री के लिए रजिस्ट्री का कार्य आरंभ कर दिया जायेगा।

रोटरी रामगढ़ सिटी का छठे पदस्थापना समारोह का आयोजन, नये अध्यक्ष का शपथ ग्रहण

रोटरी क्लब विश्व की सबसे पुरानी और विश्वसनीय संस्था है: खेमका

संस्था के सदस्यों का सहयोग उल्लेखनीय: हरीश चौधरी

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। रोटरी रामगढ़ सिटी का छठवां पदस्थापना समारोह का आयोजन सोमवार रांची रोड स्थित होटल सिद्धि विनायक मैरिज हॉल के सभागार में किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व जिला पाल संजय खेमका तथा विशिष्ट अतिथि विवेक अजमेरा, पूर्व जिला पाल अजय छाबड़ा और रेखा सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

स्वागत भाषण हरीश चौधरी ने दिया: समारोह में निवर्तमान अध्यक्ष हरीश चौधरी ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए अपने कार्यकाल की उपलब्धि को रखा। वही बेहतर सहयोग देने के लिए क्लब के

सदस्यों का आभार जताते हुए उन्हें पुरस्कृत किया। निवर्तमान सचिव अनिल गोयल ने अपने कार्यकाल में किये गये कार्यों की जानकारी दी। जिसके बाद निवर्तमान अध्यक्ष व सचिव ने वर्तमान अध्यक्ष और सचिव को कॉलर एक्सचेंज करके पदभार सौंपा।

अध्यक्ष रवि अग्रवाल ने रखी बात: अध्यक्ष रवि अग्रवाल ने कहा कि वह अपने कार्यकाल में महिला सशक्तिकरण, स्वस्थ, शिक्षा और पर्यावरण के क्षेत्र में उनका पूरा फोकस रहेगा। साथ ही सचिव दीपक अग्रवाल ने कहा कि क्लब के सभी सदस्यों का सहयोग से रोटरी रामगढ़ सिटी सत्र 23-24 में नया आयाम लिखेगा। रवि अग्रवाल व उनकी पूरी टीम को मुख्य अतिथि पूर्व जिला पाल संजय खेमका के द्वारा ने शपथ ग्रहण करवाया गया। क्लब में नए सदस्य के रूप में डॉ राहुल बरेलिया को सदस्यता ग्रहण कराया गया।

महिलाओं को मिला प्रमाण पत्र: रोटरी रामगढ़ सिटी के द्वारा संचालित सहेली सेंटर से प्रशिक्षित महिलाओं को सर्टिफिकेट दिया गया। उसके बाद विशिष्ट अतिथि विवेक अजमेरा ने अपने संबोधन में कहा कि रोटरी रामगढ़ सिटी समाज के लिए बहुत ही अच्छा काम कर रही है।

मुख्य अतिथि में रखी बात: मुख्य अतिथि संजय खेमका अपने संबोधन में कहा कि रोटरी क्लब विश्व की सबसे पुरानी और विश्वसनीय संस्था है। इसका सदस्य बनना अपने आप में गौरव की बात है। कार्यक्रम का प्रोजेक्ट चेयरमैन पूर्व अध्यक्ष रूपेश गुप्ता और विकास अग्रवाल थे। मंच संचालन भरत गोयल ने किया और धन्यवाद ज्ञापन चार्टर प्रेसिडेंट उमेश राजगढ़िया ने किया।

कार्यक्रम में सूरज अग्रवाल, दीपक खंडेलवाल, वरुण बगड़िया, विशाल अग्रवाल, राजू अग्रवाल, प्रकाश अग्रवाल, आदर्श चौधरी, रोहित पंसारी, सुरेश अग्रवाल, आयुष बजाज का भरपूर योगदान रहा, कार्यक्रम में यह थे मौजूद रोटरी हजारीबाग जागृति की अध्यक्ष रीता लाल, रोटरी भुरकुंडा के अध्यक्ष अशोक शर्मा, रोटरी रामगढ़ सेंट्रल के अध्यक्ष विकास बंसल, रामगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष विनय कुमार अग्रवाल, मुक्तिधाम के अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल, लघु उद्योग भारती के प्रांतीय महामंत्री विजय मेवाड़, मुक्तिधाम के अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल, गुरुद्वारा प्रबंधक के अध्यक्ष परमजीत सिंह कालरा, समाजसेवी कमल बगड़िया और संतु मानिक उपस्थित।

नये डीसी से मिले सांसद और विधायक प्रतिनिधि, किया स्वागत

कुजू (आजाद सिपाही)। रामगढ़ के नये डीसी चंदन कुमार से मांडू प्रखंड सांसद प्रतिनिधि जगेश्वर प्रजापति व विधायक प्रतिनिधि संजय शाह की संयुक्त नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल ने डीसी को बूके भेंटकर स्वागत किया। वही, जगेश्वर प्रजापति ने क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया। साथ ही, जिले में अधूरे पड़े विकास कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने का आग्रह किया। जिस पर डीसी ने जल्द से जल्द अधूरे पड़े विकास कार्यों को पूरा कराने का आश्वासन दिया मौके पर ओबीसी मोर्चा के युवा नेता संजय साव, छोटन प्रजापति शामिल रहे।

विधायक ने शिव मंदिर प्रांगण के निर्माण का किया शिलान्यास

आजाद सिपाही संवाददाता

भुरकुंडा। भुरकुंडा पंचायत अंतर्गत हॉस्पिटल कॉलोनी स्थित शिव मंदिर प्रांगण में स्थानीय विधायक अंबा प्रसाद का आगमन हुआ। जहां विधायक अंबा प्रसाद ने पूजा-अर्चना व नारियल फोड़कर 2 लाख रुपए की लागत से शिव मंदिर प्रांगण का सुंदरीकरण और चबूतरा निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इसके पूर्व क्षेत्रवासियों ने विधायक अंबा प्रसाद को बुके देकर जोरदार स्वागत किया। मौके पर विधायक प्रतिनिधि राज किशोर पांडेय, चमन लाल, लखन राम, नित्यानंद पाठक, जयंत तुरी, राजेश कुमार सिंह, भुरकुंडा पंचायत के पंचायत समिति सदस्य दीपक भुंइया, संजय मिश्रा, विक्रम कुमार, अभिषेक सोनी, बागेश्वर करमाली, सुरेश यादव, चंदन साव, डब्लू सिंह, शंकर मांझी, अभय दुबे, जयश्री, रूपा देवी, सुनीता देवी, आरती देवी, कमला देवी, मोनिका देवी, सविता देवी, चिंता देवी सहित कई लोग मौजूद थें।

झोलाछाप ने दो गर्भवती का किया ऑपरेशन, दोनों नवजात की मौत

जिले में अवैध रूप से संचालित नर्सिंग होम के खिलाफ करें कार्रवाई : उपायुक्त अबु इमरान

प्रवीण रस्तोगी

चतरा (आजाद सिपाही)। जिले में कुकरमुत्ते की तरह संचालित झोलाछाप डॉक्टरों के अवैध नर्सिंग होम पर लगाम कसने के लिए उपायुक्त ने सख्त कदम उठाया है। कुंदा प्रखंड क्षेत्र में ममता नर्सिंग होम के नाम से अवैध नर्सिंग होम का संचालन करने का मामला प्रकाश में आया है। जिसमें गर्भवती महिलाओं को प्रसव कराया जाता है। दो दिन के अंदर प्रसव के लिए आयी दो अलग-अलग घटनाओं में दो मृत बच्चे के जन्म की घटना सामने आई है। यह खबर मिलने के पश्चात उपायुक्त अबु इमरान सिविल सर्जन चतरा को जांच कर क्लिनिकल इस्टेबलीस्टमेन्ट एक्ट

का उलंघन करने वाले व अवैध रूप से जिले में संचालित नर्सिंग होम के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। उपायुक्त अबु इमरान के निर्देशानुसार प्रभारी चिकत्सा पदाधिकारी प्रतापपुर और प्रखंड विकास पदाधिकारी कुंदा द्वारा ममता नर्सिंग होम के घटना की जांच की गयी। जांच के पश्चात कुंदा प्रखंड विकास पदाधिकारी खगेस कुमार द्वारा जानकारी दी गयी कि दिनांक 24 जुलाई को मानती देवी पति-ब्रजेश गंझू उम्र 20 वर्ष और दिनांक 25 जुलाई को किरण देवी पति- विश्वनाथ गंझू उम्र 28 वर्ष दोनो ग्राम- हेसातू थाना- कुंदा के रहने वाली हैं। इन दोनो गर्भवती महिलाओं को प्रसव कराने के नाम पर ममता नर्सिंग होम में भर्ती किया गया था। सफल प्रसव हेतु मानती देवी का ऑपरेशन 24 जुलाई को किया गया था जिसमें मृत बच्चे का जन्म हुआ था। वहीं किरण देवी का ऑपरेशन 25 जुलाई को किया गया और इनका भी बच्चा मृत जन्म लिया था। जांच के क्रम में पता चला है कि ममता नर्सिंग होम झारखंड क्लिनिकल इस्टेबलीस्टमेन्ट एक्ट के तहत निर्बंधित नहीं है। अवैध रूप से नर्सिंग होम संचालक व झोलाछाप डॉक्टर जितेंद्र कुमार यादव के विरुद्ध कुंदा थाना में प्राथमिकी दर्ज कर नियमानुसार आगे की भी कार्रवाई की जा रही है। ज्ञात हो कि जिले में हजारों अवैध नर्सिंग होम चल रहे हैं। केवल नगर परिषद क्षेत्र में जहां जिले के सभी पदाधिकारियों के साथ -साथ स्वास्थ्य विभाग के सिविल सर्जन के नजर के सामने सैकड़ों अवैध नर्सिंग होम चल रहे हैं, जहां समय - समय पर मरीजों के मरने की खबर या परिजनो से पैसा ऐंठने की खबर अखबार की सुर्खियां बनी रहती है। लेकिन स्वास्थ्य विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं होने से नर्सिंग होम के संचालकों का मनोबल हमेशा बढ़ा रहता है। कभी-कभार अधिक हंगामा होने पर सिविल सर्जन द्वारा जांच के नाम पर सौदेबाजी कर लिया जाता है। अब लोगों की नजर उपायुक्त पर टिकी है। उपायुक्त के सख्त निर्देश पर सिविल सर्जन द्वारा अवैध नर्सिंग होम संचालकों पर कितनी कार्रवाई होती है और कितने का ताला बंद होता है।

www.epaper.azadsipahi.in

01 अगस्त, 2023
सावन, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा
संवत 2080
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
मंगलवार, वर्ष 08, अंक 282

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

अप्रैल-मई में 14,302 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी का खुलासा

न्यूज रील्स

हरियाणा में विहिप की ब्रजमंडल यात्रा पर पथराव, बवाल

नूंह। हरियाणा के नूंह में सोमवार को विश्व हिंदू परिषद और मातृशक्ति दुर्गा वाहिनी की तरफ से निकाली जा रही ब्रजमंडल यात्रा के दौरान बवाल हो गया। दो गुटों में हुए टकराव के बाद तीन दर्जन से ज्यादा गाड़ियों को आग लगा दी गयी। दो लोगों की गोली लगने से मौत की भी खबर है।

लालू परिवार की छह करोड़ की संपत्ति अटैच

पटना। आइआरसीटीसी घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने राजद सुप्रीमो लालू यादव और उनके परिवार की 6 करोड़ 2 लाख रुपये की संपत्ति अटैच की है। इसमें गाजियाबाद और बिहार की सभी संपत्ति शामिल हैं।

ज्ञानवापी को मस्जिद कहेंगे तो विवाद होगा: योगी

वाराणसी। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यदि हम ज्ञानवापी को मस्जिद कहेंगे तो विवाद होगा। मुझे लगता है कि भगवान ने जिसको दृष्टि दी है, वह देखे ना। त्रिशूल आखिर मस्जिद के अंदर क्या कर रहा है। हमने तो नहीं रखे हैं ना, ज्योतिर्लिंग हैं और देव प्रतिमाएं हैं।

रांची जमीन घोटाला मामले में इडी की बड़ी कार्रवाई

छह घंटे तक पूछताछ के बाद चर्चित कारोबारी विष्णु अग्रवाल गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची जमीन घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने सोमवार को एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की। इडी ने राजधानी के चर्चित कारोबारी विष्णु अग्रवाल को गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी करीब छह घंटे की पूछताछ के बाद रात साढ़े 10 बजे हुई। इससे पहले पूछताछ के दौरान वह कई सवालों पर उलझते रहे। उन्हें मंगलवार को अदालत में पेश किया जायेगा।

कौन हैं कारोबारी विष्णु अग्रवाल : कारोबारी विष्णु अग्रवाल मूल रूप से पुरुलिया के रहने वाले हैं। वह रांची में कई सालों से रह रहे हैं। रांची के सर्कुलर रोड का चर्चित न्यूक्लियस मॉल इन्हीं का है। न्यूक्लियस मॉल का फेज टू कांके रोड चांदनी चौक में है। वह भी इन्हीं का है। वह रांची में पांच सौ करोड़ रुपये से ज्यादा के जमीन का मालिक भी हैं। बताया जाता है कि कई मंत्री और विधायकों से विष्णु अग्रवाल के अच्छे संबंध हैं।

शाम सवा चार बजे पहुंचे थे इडी कार्यालय : विष्णु अग्रवाल सोमवार की शाम सवा चार बजे हिनू एयरपोर्ट रोड स्थित इडी के जोनल कार्यालय पहुंचे थे। इसके बाद इडी के अधिकारियों ने उनसे पूछताछ शुरू की। इससे पहले इडी ने विष्णु अग्रवाल को बीते 26 जुलाई को उपस्थित होने को कहा था, लेकिन वह पेश नहीं हुए थे।

एक दर्जन से अधिक सवाल पूछे गये : इडी की टीम ने अग्रवाल से जमीन खरीद-फरोख्त मामले, अधिकारियों से उनके संबंध समेत एक दर्जन से अधिक सवाल पूछे। सूत्रों के मुताबिक जमीन खरीद से संबंधित सवाल पर अग्रवाल ने कहा कि वह व्यवसायी हैं। सारी जमीन उन्होंने व्हाइट मनी से खरीदी है। उन्हें किस आरोप में पूछताछ के लिए बुलाया गया। अग्रवाल ने कुछ सवालों का सही जवाब दिया, जबकि कई सवालों में वह उलझे। उनके जवाब से इडी के अधिकारी संतुष्ट नहीं हुए।

दस्तावेज में कोई हेराफेरी नहीं की : सूत्रों के मुताबिक विष्णु अग्रवाल ने कहा कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। कुछ भी ब्लैक नहीं है। सब कुछ व्हाइट है। किसी जमीन की खरीद के लिए कागजात में उन्होंने कोई हेराफेरी नहीं करायी। रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन को गोवा टूर कराने संबंधित सवाल पर उन्होंने कहा कि छवि रंजन उनके मित्र हैं। एक बार वह गोवा गये। इसके लिए टूर फाइनांस किया। इसके अलावा उनसे कोई संबंध नहीं है।

क्या है पूरा मामला: विष्णु अग्रवाल से चेशायर होम रोड स्थित एक एकड़ जमीन की खरीद-बिक्री के सिलसिले में पूछताछ हुई। आरोप है कि इस जमीन की खरीद-बिक्री कोलकाता के रजिस्ट्री कार्यालय में रखे गये मूल दस्तावेज में छेड़छाड़ कर तैयार किये गये फर्जी कागजात के आधार पर की गयी है। जमीन की इस खरीद-बिक्री में पावर ब्रोकर प्रेम प्रकाश और जालसाजी कर जमीन की खरीद-बिक्री करनेवाले गिरोह के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका है। फोरेंसिक जांच में इस जमीन के दस्तावेज में छेड़छाड़ किये जाने की पुष्टि हो चुकी है। इसके अलावा सेना की जमीन समेत कई अन्य जमीन के खरीद-फरोख्त का मामला भी है।

विधानसभा परिसर में आयोजित वन महोत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री

प्रकृति से छेड़छाड़ है जलवायु परिवर्तन का कारण : हेमंत

स्पीकर और मुख्यमंत्री समेत अन्य लोगों ने परिसर में लगाया पौधा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि प्रदेश में वन महोत्सव का राज्यव्यापी कार्यक्रम चल रहा है। यह कार्यक्रम राज्य के अलग-अलग जगहों पर निरंतर मनाया जा रहा है। इसी क्रम में हमसभी लोग झारखंड विधानसभा परिसर में पूर्व की भांति इस वर्ष भी पौधरोपण कार्यक्रम में उपस्थित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन को लेकर देश और दुनिया में तेजी से चिंतन और मंथन किया जा रहा है। कहीं न कहीं प्राकृतिक व्यवस्थाओं के साथ बड़े पैमाने पर छेड़-छाड़ किया जाना अथवा दोहन होना जलवायु परिवर्तन का मूल कारण है। बता दें कि विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो की अध्यक्षता में सोमवार को विधानसभा परिसर में '74वां राज्यव्यापी वन महोत्सव 2023' कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि थे। इसके अलावा मंत्री आलमगीर आलम, चंपई सोरेन, जोबा मांझी, मथिलेश ठाकुर और बादल पत्रलेख समेत कई विधायकों ने पौधरपण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में यह जरूरी है कि पर्यावरण संतुलन को लेकर सिर्फ महोत्सव में ही नहीं बल्कि आम जीवन में भी प्रत्येक व्यक्ति को व्यक्तिगत तथा नीतिगत रूप से प्रभावी कदम उठानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने लोगों से एक-एक वृक्ष लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि हम सभी लोग जलवायु परिवर्तन में सुधार के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे तभी सकारात्मक प्रभाव दिखेगा।

पौधरोपण बहुत जरूरी है: रवींद्रनाथ

अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने कहा कि वर्तमान समय में प्रदेश के वैसे भूखंड जहां पौधा नहीं है, वहां पर पौधरोपण करने की जरूरत है। पर्यावरण की रक्षा के लिए पौधरोपण बहुत जरूरी है। पेड़ की जो कटाई हुई है उसकी भरपाई आज तक नहीं हो पायी है। सिर्फ सरकार के भरोसे नहीं आम लोगों को भी पौधरोपण करना होगा। उन्होंने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का संदेश है की प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम पांच पौधे लगाने की जरूरत है। जंगल से अच्छादित क्षेत्रों में पेड़ों की संख्या कम हुई है,यह चिंता का विषय है।

पेड़ की कटाई पर रोक लगे: आलमगीर

ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि पौधरोपण के प्रति लोगों को जागरूक करने की जरूरत है। पेड़ की कटाई पर रोक लगानी होगी। वहीं कृषि मंत्री बादल ने कहा सिर्फ सरकार भरोसे अभियान की सफल नहीं होगा, सभी को पौधरोपण के प्रति आगे आना पड़ेगा। वहीं कांग्रेस विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि पर्यावरण संतुलन के लिए पौधरोपण जरूरी है।

आजाद सिपाही
रांची, मंगलवार, 01 अगस्त 2023
www.azadsipahi.in
04

सरला बिरला विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय ऑनलाइन शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम

230 प्राध्यापक एवं रिसर्चर शामिल हो रहे हैं कार्यक्रम में

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय के मैकेनिकल, सिविल एंड इन्वायरमेंटल इंजीनियरिंग द्वारा पांच दिवसीय ऑनलाइन शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की गयी। जिसका शीर्षक साइंटिफिक राइटिंग एंड पब्लिकेशन है। इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में कुल 230 प्राध्यापक एवं रिसर्चर प्रतिभागियों ने रजिस्ट्रेशन कर सहभागिता कर रहे हैं। इस शार्ट ट्रेनिंग प्रोग्राम में रिसर्च राइटिंग एवं पब्लिकेशन के विभिन्न बिंदुओं पर अलग-अलग एक्सपर्ट द्वारा महत्वपूर्ण विचार रखे जायेंगे।

उद्घाटन सत्र के पश्चात प्रथम सत्र में एसबीयू के सिविल एंड एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग के सहायक प्राध्यापक डॉ एस जीवा चिदंबरम ने इंट्रोडक्शन टू रिसर्च राइटिंग शीर्षक पर विस्तृत व्याख्यान देकर सभी को रिसर्च के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। विदित हो कि पांच दिनों तक चलने वाले इस शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम के दूसरे दिन फंडामेंटल्स ऑफ रिसर्च वर्क शीर्षक पर श्रीमाता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय कतार के सिविल एंड एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग के सहायक प्राध्यापक डॉ राहुल शर्मा, टूल्स फॉर डाटा कलेक्शन एंड एनालिसिस शीर्षक पर डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट के सहायक प्राध्यापक डॉ अतुल कुमार कर्ण द्वारा व्याख्यान दिये जायेंगे तथा तृतीय दिवस फाइंडिंग, अपॉर्चुनिटी एंड फंडामेंटल, ऑब्जेक्टिव ऑफ साइंटिफिक राइटिंगपर एनआइटी राउरकेला डॉ बी किरण नायक द्वारा व्याख्यान दिये जायेंगे। चौथे दिन टूल्स फॉर रिसर्च राइटिंग एंड एथिक्स इन पब्लिकेशन शीर्षक पर ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी के डिपार्टमेंट ऑफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ मिथिलेश साहू एवं इलेक्ट्रिकल इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के सहायक अध्यापक डॉ सोनल द्वारा महत्वपूर्ण जानकारियां दी जायेंगी।

साथ ही पंचम दिवस समापन सत्र के दिन इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स टॉपिक पर एसबीयू के आइक्यूएसी कोऑर्डिनेटर डॉ मनोज कुमार पांडे द्वारा व्याख्यान दिये जायेंगे। मैकेनिकल, सिविल एंड एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग के द्वारा किये जा रहे शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर गोपाल पाठक एवं मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने प्रशंसा करते हुए शुभकामनाएं दी है।

शॉर्ट टर्म ट्रेडिंग प्रोग्राम के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर विजय कुमार सिंह, इंजीनियरिंग के डीन प्रोफेसर एस बी डंडिन, डीन कॉमर्स एंड मैनेजमेंट डॉ संदीप कुमार, उप कुलसचिव प्रोफेसर अमित गुप्ता, डीएसडब्ल्यू डॉ अशोक कुमार अस्थाना, एनएसएस कोऑर्डिनेटर डॉ एस के सिन्हा, डॉ नित्या गर्ग, डॉ वीएन लक्ष्मी दुर्गा, प्रो राजीव रंजन, डॉ सागर सारंगी, उमंग उत्सव सहित अन्य उपस्थित थे।

यूजी नीट 2023 की झारखंड टॉपर राखी ने एम्स दिल्ली में बनायी जगह

बायोम इंस्टीट्यूट के ज्यादातर विद्यार्थियों ने पहले चरण की काउंसिलिंग में सरकारी मेडिकल कॉलेजों में बनायी जगह

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बायोम इंस्टीट्यूट रांची के विद्यार्थियों ने पहले चरण की काउंसिलिंग में ही विद्यार्थियों ने विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस कोर्स में नामांकन हासिल कर लिया है। यूजी नीट 2023 में झारखंड टॉपर छात्रा राखी कुमारी ने एम्स दिल्ली में अपनी जगह बनायी है। राखी को यूजी नीट के 720 अंक की परीक्षा में 705 अंक हासिल हुए थे। जिससे राखी को ऑल इंडिया रैंक 149 और कैटेगरी रैंक 26 हासिल हुआ था। अन्य सफल छात्र-छात्राओं में शामिल माहिया महेश्वरी ने एम्स ऋषिकेश, आदित्य अस्थाना ने एम्स पटना, प्रिया घोष ने बीएचयू वाराणसी, अभय कुमार, हिमांशु रंजन व ज्योतिरमोय ने एम्स कल्यानी, श्रेया राज ने लेडी हार्डिंग, तंजील ने एम्स देवघर, अमरेंद्र कुमार ने पीएमसीएच पटना में एमबीबीएस कोर्स के लिए चिह्नित हुए हैं। इसके अलावा संस्था के अन्य विद्यार्थियों को देश के प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेज में जगह मिली है। विद्यार्थियों की सफलता पर बायोम इंस्टीट्यूट के एमडी सह निदेशक पंकज सिंह ने शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि प्रवेश परीक्षा में विद्यार्थियों ने बेहतरीन अंक हासिल किया था। इससे पहले चरण की काउंसिलिंग में ही देश के प्रमुख एम्स संस्थान व अन्य मेडिकल कॉलेज में चुने गये हैं। संस्था से सफल हुए 900 से अधिक विद्यार्थी काउंसिलिंग प्रक्रिया में शामिल हो रहे हैं। विद्यार्थियों को लगातार काउंसिलिंग प्रक्रिया में सहयोग किया जा रहा है, ताकि अंक के आधार पर बेहतर मेडिकल कॉलेज मिल सके। वहीं, सफल हुए विद्यार्थियों में से 178 ऐसे विद्यार्थी हैं, जिन्हें आने वाले दिनों में सरकारी मेडिकल कॉलेज में दाखिला मिलेगा।

संस्था विद्यार्थियों को यूजी नीट प्रवेश परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए मार्गदर्शन देने का काम कर रही है। विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक माहौल देने के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है। इसके लिए उच्च स्तरीय स्टडी मटेरियल उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं, समय-समय पर विद्यार्थियों का मूल्यांकन हो इसके लिए नियमित रूप से क्लासरूम टेस्ट सीरीज और ऑल इंडिया लेवल टेस्ट सीरीज का आयोजन किया जाता है। संस्था से जुड़ने वाले विद्यार्थियों को फुडिंग एंड लॉजिंग की सुविधा दी जाती है, जिससे बच्चे लगातार शिक्षकों के संपर्क में रह कर अपनी तैयारी कर सकें।

प्रेमचंद की कृतियां अमर हैं: डॉ तपन कुमार शांडिल्य

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची के सभागार में विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के द्वारा मुंशी प्रेमचंद जयंती समारोह का आयोजन किया गया। पूर्वाह्न 11 बजे प्रारंभ हुए इस समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य ने प्रेमचंद को आज के संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक बताते हुए उनकी कृतियों को समाज के सबसे निम्न वर्ग, दलित, महिलाओं और किसानों का प्रतीक बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने संबोधन में उनके व्यक्तित्व की चर्चा करते हुए बताया कि प्रारंभ में प्रेमचंद ने नवाब राय के नाम से लेखन की शुरुआत की और हिंदी तथा उर्दू में अपनी रचनाएं लिखी। कुलपति तपन कुमार शांडिल्य ने प्रेमचंद की कल्पना शीलता का श्रेष्ठ उदाहरण उनके द्वारा रचित निर्मला को बताते हुए कहा कि इस पुस्तक में उन्होंने बेमेल विवाह की समस्या को अपनी कहानी का मुख्य बिंदु बनाया जो आज के

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची में मुंशी प्रेमचंद जयंती समारोह का आयोजन

सामाजिक विषमता का एक ज्वलंत मुद्दा है। प्रेमचंद की कहानी और उपन्यासों ने आनेवाली पीढ़ियों के लिए एक मार्गदर्शक की भूमिका निभायी। विशिष्ट अतिथि के तौर मानविकी संकाय के अध्यक्ष डॉ मोहम्मद अयूब ने कहा कि प्रेमचंद की रचनाओं का अध्ययन प्रत्येक व्यक्ति को करना चाहिए, चाहे वो किसी भी संकाय का हो, क्योंकि उनकी रचनाओं में मानवता का संदेश निहित है। विषय प्रवेश हिंदी के विभागाध्यक्ष डॉ जिंदर सिंह मुंडा और मंच संचालन हिंदी के सहायक प्राध्यापक प्रियांश कुमार ने किया। इस अवसर पर डॉ मृत्युंजय कोयरी, डॉ जितेंद्र सिंह सहित हिंदी और उर्दू विभाग के विद्यार्थियों ने भी प्रेमचंद से संबंधित अपने विचार रखे। मौके पर डॉ विनोद कुमार, डॉ रामदास उरांव, डॉ पीपी महतो सहित अन्य विद्यार्थी मौजूद थे। यह जानकारी पीआरओ प्रो राजेश कुमार सिंह ने दी।

गोस्सनर कॉलेज में पौधरोपण समारोह

रांची (आजाद सिपाही)। इंडियन ओवरसीज बैंक ने गोस्सनर कॉलेज में पौधरोपण समारोह का आयोजन किया। जिसमें मुख्य अतिथि सर्वेश कुमार राज्य प्रमुख इंडियन ओवरसीज बैंक व इलानी पूर्ती गोस्सनर कॉलेज प्रधान अध्यापिका मौजूद थे। सर्वेश कुमार ने वृक्षों के लिए पर्यावरण संबंधित उपयोगिता बताते हुए कहा कि आज के छात्र ही कल के भविष्य हैं और किसी भी देश की सफलता उसके छात्रों के उज्जवल भविष्य में निहित है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि इंडियन ओवरसीज बैंक के पास जनमानस की सभी वित्तीय समस्याओं का समाधान है जिसे नागरिक आइओबी की 3200 शाखाओं में से किसी भी शाखा से जुड़ कर इनका लाभ उठा सकते हैं।

पहल : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दी स्वीकृति

परगनैत को प्रति माह तीन हजार रुपये सम्मान राशि दी जायेगी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आदेश के बाद आदिवासी सामाजिक व्यवस्था को गांव-पंचायत स्तर पर नेतृत्व प्रदान करने वाले संथाल परगना के परगनैत को मानकी की तरह प्रति माह तीन हजार रुपये सम्मान राशि प्रदान की जायेगी। मुख्यमंत्री ने उपायुक्त एवं आयुक्त दुमका की अनुशंसा के आलोक में संथाल परगना के विभिन्न जिले के परगनैत को मानकी के अनुमान्य मानदेय देने के विषय पर अपना अनुमोदन दे दिया है।

सम्मान राशि में तीन गुना वृद्धि

वर्तमान में मानकी को प्रतिमाह तीन हजार रुपये, मुंडा एवं ग्राम प्रधान को प्रतिमाह दो हजार रुपये तथा डकुआ, परगणौत, पराणिक, जोग मांझी, कुडाम नायकी, नायकी, गोडैत, मूल रैयत, पड़हा राजा, ग्रामसभा का प्रधान, घाटवाल, तावेदार तथा ग्रामीण दिउरी (पुजारी) को प्रतिमाह एक हजार रुपये सम्मान राशि का भुगतान किया जा रहा है।

पूर्व में भी सम्मान राशि देने का दिया है आदेश

मुख्यमंत्री ने इससे पहले फरवरी 2022 में गिरिडीह जिला के पीरटांड़ में निवास करने वाले मांझी हडाम, जोग मांझी, पराणिक, नायके बाबा, कुड़ाम नायके को राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा प्रतिमाह एक हजार रुपये सम्मान राशि के रूप में भुगतान करने का आदेश दिया था। राज्य सरकार से स्वीकृति मिलने के उपरांत पीरटांड़ के 177 मांझी हडाम, 179 जोग मांझी, 143 पराणिक, 78 एवं 120 कुड़ाम नायके को सम्मान राशि प्राप्त हो रही है। मालूम हो कि उपरोक्त सभी 697 लोगों का नाम पूर्व में छूट गया था। मामले की जानकारी के बाद मुख्यमंत्री ने उन्हें सम्मान राशि प्रदान करने का आदेश दिया था।

मुख्यमंत्री से मिले योगदा सत्संग आश्रम के स्वामी ईश्वरानंद

रांची (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सोमवार को झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में योगदा सत्संग आश्रम रांची के स्वामी ईश्वरानंद ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी। मौके पर मुख्यमंत्री को स्वामी ईश्वरानंद ने स्मृति चिह्न भेंट की। इस अवसर पर स्वामी निश्चलानंद एवं स्वामी आदित्यानंद उपस्थित थे।

सीएम से मिला झारखंड स्टेट किक बॉक्सिंग एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल

रांची (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में सोमवार को झारखंड स्टेट किक बॉक्सिंग एसोसिएशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को एसोसिएशन के अध्यक्ष बीसी ठाकुर ने आगामी 23 अगस्त से 27 अगस्त तक खेलगांव (होटवार) में आयोजित हो रहे राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता के समापन समारोह में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया। मौके पर स्वर्ण पदक विजेता किक बॉक्सिंग खिलाड़ी प्रवीण कुमार ने मुख्यमंत्री को राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में उनके द्वारा किये गये प्रदर्शन एवं मेडल प्राप्त करने के संबंध में अवगत कराया। इस अवसर पर विधायक मथुरा महतो, झारखंड स्टेट किक बॉक्सिंग एसोसिएशन के महासचिव विपुल मिश्र सहित अन्य उपस्थित थे।

भारतीय जनतंत्र मोर्चा ने चार जिलाध्यक्ष नियुक्त किये

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भारतीय जनतंत्र मोर्चा का संगठनात्मक विकास करते हुए मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी के निर्देश पर केंद्रीय महामंत्री आशीष शीतल मुंडा ने चार जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की है। सोमवार को यहां जारी बयान के अनुसार मोर्चा ने दिलीप पांडे को पलामू का जिलाध्यक्ष, सुयश पांडे को गढ़वा का जिलाध्यक्ष, सुनील सिंह को रामगढ़ का जिलाध्यक्ष तथा अशोक ठाकुर को रांची का जिलाध्यक्ष बनाया गया है। केंद्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय महामंत्री ने इन चारों से उम्मीद

जतायी है कि ये अपने-अपने जिलों में मोर्चा को गतिशील बनायेंगे और जन सामान्य के मुद्दों को बेहद त्वरित गति से उठायेंगे।

सीसीएल में सेवानिवृत्त कर्मियों को दी गयी विदाई

रांची (आजाद सिपाही)। सीसीएल से मुख्यालय के विभिन्न विभागों में कार्यरत कुल 3 कर्मी- पार्थो भट्टाचार्जी, महाप्रबंधक (एचआरडी/विधि), एचआरडी/विधि विभाग; बोध कृष्णा झा, महाप्रबंधक (उत्खनन), सीसीएमसी विभाग; अविजीत गोस्वामी, मुख्य प्रबंधक (वित्त), आइएडी विभाग को आज सीसीएल परिवार की ओर से मुख्यालय में सम्मान समारोह का आयोजन कर उनके सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई दी गयी। जुलाई माह में मुख्यालय सहित पूरे सीसीएल से 83 कर्मी सेवानिवृत्त हुए जिन्हें आज ससम्मान विदाई दी गयी। सेवानिवृत कर्मियों ने कंपनी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि वे कंपनी निरंतर नयी उंचाईयों को छू रही है और हम इसके उत्तरोत्तर विकास की कामना करते हैं। निदेशक (कार्मिक), हर्ष नाथ मिश्र ने कहा कि कंपनी की सफलता में आप सभी का योगदान सराहनीय है। श्री मिश्र ने सभी सेवानिवृत हो रहे कर्मियों के जीवन के दूसरी पाली के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ जीवन की कामना की। मुख्य सतर्कता अधिकारी, पंकज कुमार ने कर्मियों के योगदानों की सराहना करते हुए कहा कि रिटायरमेंट के बाद आप सभी अपने आप को सामाजिक एवं अच्छे कार्यों में व्यस्त रखें। इस अवसर पर सीसीएल मुख्यालय के विभिन्न विभागों के महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष एवं सेवानिवृत कर्मियों के परिजन उपस्थित थे। मंच का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष (कल्याण) रेखा पांडेय ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कल्याण विभाग के कर्मियों एवं अन्य विभागों का विशेष योगदान रहा।

प्रो डॉ विजय सिंह हुए सेवानिवृत्त

रांची (आजाद सिपाही)। सीनियर प्रो (डॉ) विजय सिंह जियोलॉजी के एचओडी और इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज के डायरेक्टर,रांची विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज में उन्हें विदाई दी गयी। डॉ मोहम्मद जाकिर ने उन्हें गुलदस्ता, कोऑर्डिनेटर प्रो नितेश राज शॉल, प्रो निशीकांत प्रसाद, डॉ हैप्पी भाटिया और डॉ प्रिंस पांडे ने मोमेंटो देकर उन्हें सम्मानित किया । प्रो नितेश राज ने डायरेक्टर सर द्वारा की गयी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और उन्हें शुभकामनाएं दी। आइएलएस के अन्य प्रोफेसरों ने अपने अपने विचार रखे। सभी ने उनके कार्यकाल में हुई उपलब्धियों की सराहना की। इस अवसर पर प्रो नितेश राज, प्रो निशिकांत प्रसाद, प्रो उदय प्रताप सिंह, प्रो आफताब, प्रो अजीत, डॉ शालिनी साबू, डॉ हैप्पी भाटिया, मैडम रिमझिम, डॉ प्रिंस पांडे, प्रकाश, अनिल गोस्वामी, सुरभि, हुसैन तथा डॉ मोहम्मद जाकर उपस्थित थे ।

टेरर फंडिंग केस: सोनू अग्रवाल, महेश अग्रवाल और अजय सिंह के खिलाफ चार्जफ्रेम

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी की विशेष कोर्ट ने टेरर फंडिंग केस के आरोपियों सोनू अग्रवाल, महेश अग्रवाल और अजय सिंह के खिलाफ चार्जफ्रेम (आरोप गठित) कर दिया है। अब इन सभी अभियुक्तों के खिलाफ ट्रायल शुरू होगा। एनआइए कोर्ट के स्पेशल जज एमसी वर्मा की कोर्ट ने इस केस की अगली सुनवाई के लिए 9 अगस्त की तिथि निर्धारित की है। दरअसल, चतरा जिले के टंडवा थाने में दर्ज प्राथमिकी 22/18 को एनआइए ने टेकओवर करते हुए जांच शुरू की गयी थी। यह मामला सीसीएल, पुलिस, उग्रवादी और शांति समिति के बीच समन्वय को लेकर लेवी वसूली से संबंधित है। एनआइए ने सीसीएल कर्मी सुभान खान सहित 14 आरोपियों के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल की थी। चार्जशीट में लिखा था कि टीएसपीसी को लेवी देने के लिए ऊंची दर पर मगध और आम्रपाली कोल परियोजना से कोयला ढुलाई का ठेका लिया गया था। इसमें टीएसपीसी उग्रवादी आक्रमण जी ने अनुशंसा की थी और ट्रांसपोर्टर सुधांशु रंजन उर्फ छोटू सिंह को ठेका मिला था। इसमें मिली राशि का बड़ा हिस्सा टीपीसी को जाता था। इन पर उग्रवादी संगठन टीएसपीसी को फंड देने का आरोप लगाया गया है। कोर्ट में एनआइए की ओर से कहा कि उक्त सभी आरोपितों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं और कोर्ट ने इनके मामले में जो संज्ञान लिया है वो भी बिल्कुल सही है। बता दें कि टंडवा के मगध आम्रपाली कोल प्रोजेक्ट में लोडिंग एवं खनन के लिए कार्य कर रही कंपनियों पर उग्रवादी संगठन टीएसपीसी को आर्थिक मदद पहुंचाने समेत कई गंभीर आरोप लगे हैं। इस मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी कर रही।

कृष्णा साहा की जमानत पर अदालत ने इडी से मांगा जवाब

रांची। मुख्यमंत्री के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा के सहयोगी और साहिबगंज के खनन व्यापारी कृष्णा साहा की जमानत याचिका पर सोमवार को ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने ईडी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। अब कृष्णा की जमानत पर अगली सुनवाई की तिथि 10 अगस्त को होगी। ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक आतिश कुमार ने बहस की। कृष्णा साहा की ओर से अधिवक्ता विनीत बोरिस एक्का ने बहस की। उल्लेखनीय है कि ईडी ने एक हजार करोड़ के अवैध खनन से जुड़े केस में साहिबगंज के पत्थर कारोबारी कृष्णा साहा को छह जून को गिरफ्तार किया था। इसके बाद से वह न्यायिक हिरासत में हैं।

अफसर अली की जमानत पर हुई सुनवाई

रांची। सेना के कब्जे वाली जमीन और रांची के अन्य भूखंडों की फर्जी दस्तावेजों के सहारे खरीद-बिक्री से जुड़े जमीन घोटाले के आरोपित अफसर अली की जमानत पर इडी कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। इडी के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय की अदालत में सुनवाई के दौरान अफसर अली की ओर से उपस्थित अधिवक्ता ने कहा कि अफसर अली पर मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल होने का आरोप है। लेकिन उसके पास से एक रुपये की भी बरामदगी नहीं हुई है। इस पर इडी के अधिवक्ता ने कहा कि लैंड स्कैम में अफसर अली की भूमिका सबसे बड़ी है। उन्होंने कहा कि छापेमारी के दौरान उसके पास से 26 अलग-अलग भूमि की डीड बरामद हुई है, जो फर्जी है।

इडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक शिव कुमार ने बहस की। अफसर अली की ओर से अधिवक्ता शंभु अग्रवाल ने बहस की। दोनों पक्षों की ओर से बहस सुनने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।

पवार क्या करेंगे

अगर आखिरी पलों में कोई अप्रत्याशित बदलाव न हुआ तो मंगलवार को पुणे में राजनीति अपनी एक दिलचस्प तस्वीर पेश करेगी। उस दिन वहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लोकमान्य तिलक पुरस्कार दिया जाना है। तय कार्यक्रम के मुताबिक, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस तो मौजूद रहेंगे ही, सरकार का हिस्सा बन जाने के बाद उपमुख्यमंत्री अजित पवार भी स्वाभाविक ही इसमें प्रमुखता से शिरकत करेंगे। यही नहीं, जिन चाचा से अलग होकर अजित पवार सरकार में गये हैं और जो शरद पवार लाख मनाने के बाद भी अपना खेमा बदलने को अभी तक तैयार नहीं दिख रहे, वह भी इस कार्यक्रम में पीएम मोदी के साथ मंच पर बैठे नजर आयेंगे। मजे की बात यह कि कई सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों ने प्रधानमंत्री के पुणे आगमन का विरोध करने और उन्हें काले झंडे दिखाने का भी कार्यक्रम रखा है, जिसमें एनसीपी के शरद पवार धड़े के लोग भी होंगे। यानी कार्यकर्ता विरोध में और नेता मंच पर। विपक्षी खेमे के किसी नेता ने अब तक इस मसले पर कोई औपचारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन मीडियाकर्मियों से बातचीत में वे अपनी चिंता सामने रख रहे हैं। वे कह रहे हैं कि ऐसा करने से लोगों में विपक्षी एकता को लेकर गलत संदेश जा सकता है। सीनियर पवार की ओर से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गयी है, लेकिन कार्यक्रम में किसी बदलाव का संकेत भी नहीं दिया गया है। देखना होगा कि विपक्षी खेमा इस मसले से कैसे निपटता है, लेकिन इसका एक और पहलू गौर करने लायक है। अगर प्रदेश राजनीति के संदर्भ में देखें तो अपनी पार्टी में टूट-फूट के बाद खुद शरद पवार के लिए यह जरूरी हो गया है कि वे अपने संभावित रुख को लेकर किसी तरह का संदेह न रहने दें। खासकर इसलिए भी कि भतीजे अजित पवार और उनके सहयोगी आम लोगों के बीच यह संदेश देने की हर संभव कोशिश कर रहे हैं कि सीनियर पवार की सहानुभूति वास्तव में उनके साथ है। उन्हें लगता है कि ऐसा करने से पार्टी कार्यकर्ताओं और वोटरों का अधिकाधिक हिस्सा उनके साथ बना रह जायेगा। दूसरी तरफ शरद पवार हैं कि अजित के साथ अपने पारिवारिक रिश्तों के मद्देनजर उनके खिलाफ कोई सख्त बयान तक नहीं दे रहे। तो क्या अब भी वह बीच की कोई राह निकालने की कोशिश में हैं, जिससे पार्टी में दिख रही फूट दूर हो जाये? अगर ऐसा हुआ तो खुद शरद पवार उस तरफ चले जायेंगे या अपने लोगों को इस तरफ खींचेंगे? राजनीति खास कर सीनियर पवार की राजनीति के लिए दोनों में से किसी भी संभावना को खारिज नहीं किया जा सकता। इस शैली के अपने नुकसान भी हैं, लेकिन जब सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच संवाद के तमाम पुल एक-एक कर ध्वस्त हो रहे हैं, शरद पवार अपनी इसी राजनीति के बूते सभी पक्षों में प्रासंगिक बने हुए हैं।

अगर प्रदेश राजनीति के संदर्भ में देखें तो अपनी पार्टी में टूट-फूट के बाद खुद शरद पवार के लिए यह जरूरी हो गया है कि वे अपने संभावित रुख को लेकर किसी तरह का संदेह न रहने दें। खास कर इसलिए भी कि भतीजे अजित पवार और उनके सहयोगी आम लोगों के बीच यह संदेश देने की हर संभव कोशिश कर रहे हैं कि सीनियर पवार की सहानुभूति वास्तव में उनके साथ है।

अभिमत आजाद सिपाही

मेटावर्स अभी भी अपनी प्रारंभिक अवस्था में है, लेकिन उपभोक्ताओं को उन सुरक्षा और गोपनीयता उपायों को समझने की आवश्यकता है, जो प्लेटफॉर्म एनेबलर प्रदान करते हैं। साइबर खतरे के परिदृश्य की जटिलता बढ़ गयी है और क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहलों के माध्यम से उद्योगों, शिक्षा जगत और सरकार के बीच उच्च स्तरीय सहयोग की आवश्यकता है।

एनएफटी, एआइ और मेटावर्स के युग में अपराध और सुरक्षा : उभरती चुनौतियों का समाधान

डॉ जेएम व्यास

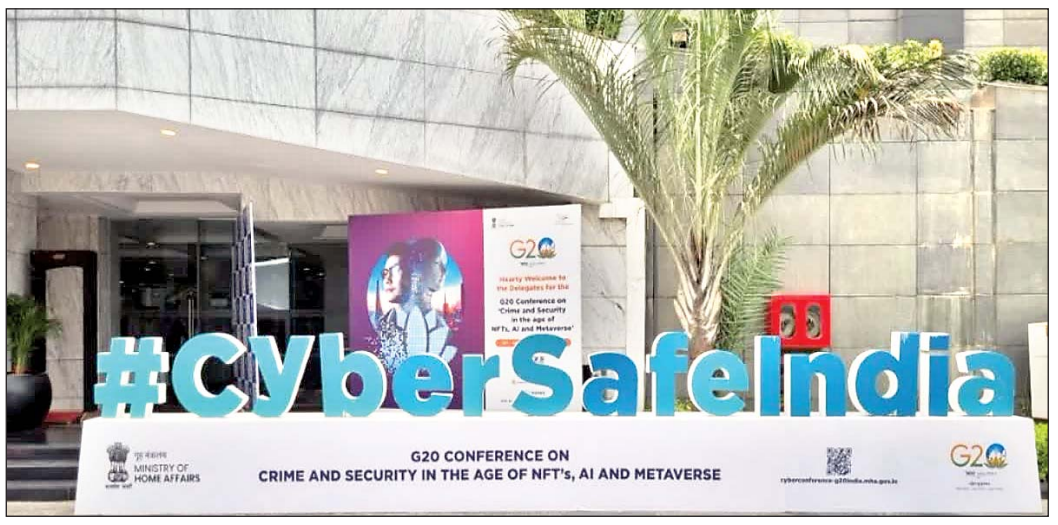

जैसे-जैसे दुनिया तेजी से डिजिटल युग में अपना विस्तार कर रही है, नॉन फंजीबल टोकंस (एनएफटी), कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) और मेटावर्स जैसी तकनीकों की प्रगति ने कला और संग्रहणीय बाजार, वाणिज्य और संचार सहित समाज के विभिन्न पहलुओं में क्रांति ला दी है। जहां ये नवाचार अपार अवसर और लाभ पहुंचा रहे हैं, वहीं यह अपराध और सुरक्षा के संदर्भ में अत्याधिक चुनौतियां भी पेश कर रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म बड़ी मात्रा में डेटा एकत्र और तैयार कर रहे हैं, जिससे गोपनीयता संबंधी गंभीर चिंताएं पैदा हो रही हैं। नॉन फंजीबल टोकंस (एनएफटी) के आसमान छूते उपयोग के साथ, उपयोगकर्ताओं को ठगने और उनके डिजिटल वॉलेट से धन की चोरी करने के उद्देश्य से द्वेषपूर्ण एनएफटी घोटालों में वृद्धि देखने को मिल रही है।

मेटावर्स अभी भी अपनी प्रारंभिक अवस्था में है, लेकिन उपभोक्ताओं को उन सुरक्षा और गोपनीयता उपायों को समझने की आवश्यकता है, जो प्लेटफॉर्म एनेबलर प्रदान करते हैं। साइबर खतरे के परिदृश्य की जटिलता बढ़ गयी है और क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहलों के माध्यम से उद्योगों, शिक्षा जगत और सरकार के बीच उच्च स्तरीय सहयोग की आवश्यकता है। एक सुरक्षित और भरोसेमंद साइबर स्पेस को बढ़ावा देने के लिए इन उभरती चुनौतियों का समाधान करने के लिए गृह मंत्रालय 13-14 जुलाई को गुरुग्राम, हरियाणा में एनएफटी, एआइ और मेटावर्स के युग में अपराध और सुरक्षा पर जी20 सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है।

वर्चुअल पहचान की चोरी, फि शिंग घोटाले और वर्चुअल संपत्ति की चोरी इस तल्लीन वातावरण में संभावित खतरे हैं।

एनएफटी : बाजार में बदलाव और आपराधिक संभावनाओं का विस्तार

नॉन फंजीबल टोकंसने 2014 के बाद से कला बाजार में क्रांति ला दी है, जिससे डिजिटल संपत्ति के लिए डिजिटल स्वामित्व और उत्पत्ति स्थान सत्यापन सक्षम हो गया है। एनएफटी बाजार 2028 तक लगभग 20 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान लगाया गया है। हालांकि यह क्रांतिकारी तकनीक आपराधिक गतिविधियों के लिए नये द्वार भी प्रस्तुत करती है। नकली एनएफटी, अनधिकृत नकल और कॉपीराइट का उल्लंघन डिजिटल आर्ट के क्षेत्र में प्रमुख चिंताएं बन चुकी हैं। इसके अलावा, एनएफटी लेनदेन में उपयोग की जाने वाली क्रिप्टोकरेंसी से जुड़ी गुमनामी मनी लॉन्ड्रिंग, कर चोरी और अवैध वित्तपोषण की सुविधा प्रदान कर सकती है। इसके अलावा, एनएफटी प्लेटफॉर्म में मौजूद प्रतिभूतियों के मुद्दे और अतिसंवदेनशीलता एक परिष्कृत साइबर हमले का कारण बन सकती हैं, जिससे भारी वित्तीय और साथ ही प्रतिष्ठा की हानि हो सकती है। हितधारकों के हितों की रक्षा करते हुए एनएफटी लेनदेन की प्रामाणिकता और वैधता सुनिश्चित करने के लिए मजबूत नियामक ढांचे स्थापित करने, कानून प्रवर्तन एजेंसियों को मजबूत करने और जी20 देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय संबंध और सहयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस : अपराध और सुरक्षा की एक दुधारी तलवार

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) के प्रसार ने विभिन्न उद्योगों में परिवर्तनकारी संभावनाओं को खोल दिया है। साइबर सुरक्षा, कानून प्रवर्तन एजेंसियों और भविष्य सूचक बाजार/मौसम विश्लेषण सहित विभिन्न क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में उभरी है। हालांकि, साइबर अपराधीजटिल साइबर हमलों को अंजाम देने और एआइ-संचालित फर्जी योजनाएं शुरू करने के लिए एआइ का उपयोग कर सकते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रभाव सकारात्मक प्रगति के साथ, नकारात्मक परिणामों को भी शामिल करता है। अपराधियों के बीच जटिल साइबर हमलों को अंजाम देने, पहचान की चोरी करने और दुष्प्रचार करने के लिए एआइ का उपयोग करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। एआइ-पावर्ड मैलवेयर, एपीटी, डीडीओएस, डीप फेक तकनीक आदि एआइ आधारित साइबर सुरक्षा हमलों के कुछ ऐसे ही उदाहरण हैं, जो निश्चित रूप से व्यक्ति की गोपनीयता, विश्वास और डिजिटल सामग्री की अखंडता के लिए एक गंभीर खतरे पैदा करते हैं। एआइ के इस युग में जी20 देशों के लिए साइबर सुरक्षा उपायों को तरजीह देना, वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देना और उभरते खतरों का अति सक्रिय होकर समाधान करने के लिए अनुसंधान के लिए संसाधन आवंटित करना अनिवार्य है। एआइ के विकास और कार्यान्वयन के लिए नैतिक ढांचे की स्थापना जिम्मेदार उपयोग की गारंटी देगा और एआइ-सक्षम आपराधिक कार्यों से जुड़े जोखिम कम होंगे।

एआइ शासन को मजबूत करना, जिम्मेदार एआइ विकास को प्रोत्साहित करना और एआइ-संचालित खतरे का पता लगाने वाले तंत्र को बढ़ाना एक सुरक्षित डिजिटल इकोसिस्टम सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम हैं।

मेटावर्स : एक विस्तारित वर्चुअल परिदृश्य और इसकी सुरक्षा का आशय मेटावर्स एक परस्पर जुड़ी वर्चुअल दुनिया का प्रतिनिधित्व करता है इसमें लोग वास्तविक नहीं बल्कि वर्चुअल रूप से मौजूद रहते हैं। यह वास्तविक और डिजिटल सच्चाइयों के बीच की सीमाओं को धुंधला कर देता है। यह व्यवसायों, सामाजिक संस्कृति और बातचीत और मनोरंजन के लिए बड़ी संभावनाएं प्रदान करता है, लेकिन हर चीज कीमत चुकाने और उससे जुड़े जोखिमों से मुकाबला करने के बाद ही मिलती है।

वर्चुअल पहचान की चोरी, फि शिंग घोटाले और वर्चुअल संपत्ति की चोरी इस तल्लीन वातावरण में संभावित खतरे हैं। इसके अलावा, मेटावर्स की विकेंद्रीकृत प्रकृति कानून प्रवर्तन प्रयासों को जटिल बना सकती है, जिससे सरकारों, प्रौद्योगिकी कंपनियों और साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों के बीच सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता होगी। मजबूत सुरक्षा मानकों को विकसित करना, उपयोगकर्ता शिक्षा को बढ़ावा देना और प्रभावी नियामक ढांचे को लागू करना साइबर अपराध को रोकने और एक सुरक्षित मेटावर्स अनुभव सुनिश्चित करने में सहायक होगा।

निष्कर्ष : जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी हमारी दुनिया को नया आकार दे रही है, जी20 देशों को उद्योग, शिक्षा, सरकार और विषय वस्तु विशेषज्ञों के सहयोग से अपराध और सुरक्षा के संदर्भ में एनएफटी, एआइ और मेटावर्स द्वारा उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए सक्रिय रूप से काम करने की आवश्यकता है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग, मजबूत नियामक उपायों, तकनीकी नवाचारों और जन जागरूकता अभियानों के माध्यम से, बड़े पैमाने पर व्यक्तियों, व्यवसायों और समाजों के हितों की रक्षा करते हुए एनएफटी, एआइ और मेटावर्स की परिवर्तनकारी शक्ति का उपयोग किया जा सकता है। नियामक ढांचे के अनुरूप इन उभरती प्रौद्योगिकियों के साइबर सुरक्षा वर्टिकल पर एक केंद्रित अनुसंधान और विकास दृष्टिकोण साइबर-सुरक्षित इकोसिस्टम बनाने और हर स्तर पर इन प्रौद्योगिकियों को अपनाने को बढ़ावा देने में काफी मदद करेगा। असली उद्देश्य समाज को उभरते खतरों से सुरक्षित रखते हुए इन पथप्रदर्शक प्रौद्योगिकियों की विशाल संभावना का दोहन करना होना चाहिए।

(लेखक कुलपति, एनएफएसयू और डॉ नवीन कुमार चौधरी, डीन, स्कूल ऑफ साइबर सिक्योरिटी एंड डिजिटल फोरेंसिक, गांधीनगर, गुजरात हैं एवं व्यक्त किये गये विचार व्यक्तिगत हैं।)

रांची का खबरें

पासवा ने सरयू राय का आभार जताया

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड के सभी छोटे निजी विद्यालयों की ओर से वर्तमान मानसून सत्र में विधानसभा में निजी विद्यालयों की आरटीइ और मान्यता संबंधी कठिन शर्तों को निरस्त करने की मांग विधानसभा में उठाने के लिए पासवा का एक प्रतिनिधिमंडल विधायक सरयू राय के आवास पर जाकर उनका आभार जताया और अभिनंदन किया। सोमवार को पासवा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक दुबे ने कहा कि सरयू राय बहुत ही सशक्त तरीके से मानसून सत्र में निजी विद्यालयों के प्रश्न को तीन तीन बार रखा। इस प्रश्न पर सरकार की ओर से पेयजल व स्वच्छता मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने सरकार की ओर से जवाब देते हुए निश्चित रूप से निजी विद्यालयों को राहत देने की बात की और जमीन की बाध्यता और एक लाख रुपये के फिक्स्ड डिपॉजिट पर बहुत सहानुभूति पूर्ण तरीके से विचार करने का आश्वासन दिया। बता दें कि 26 जुलाई को पासवा का एक प्रतिनिधिमंडल पासवा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे के नेतृत्व में वरिष्ठ विधायक सरयू राय जी से मुलाकात कर झारखंड के निजी विद्यालयों के मसले को उनके सामने रखा। इस प्रतिनिधिमंडल में रांची महानगर पासवा अध्यक्ष डॉ सुषमा केर-केट्टा, पूर्वी सिंहभूम जिला अध्यक्ष रमण झा, प्रदेश महासचिव सुभाष उपाध्याय, सचिव संजय प्रसाद, संयुक्त सचिव अल्ताफ अंसारी, रांची जिला महासचिव राशीद अंसारी, आलोक विपिन टोप्पो, राहुल प्रसाद, संजीत यादव, फिरोज रिजवी मुन्ना, कुमुद रंजन मुख्य रूप से मौजूद थे।

हरिनाथ साहू आरटीएसएम के पुनः कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष बने

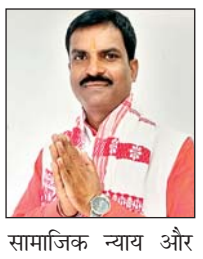

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय तेली साहू महा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मान्यवर साहू मुरारी गुप्ता के द्वारा झारखंड प्रदेश पदाधिकारियों का पहली सूची जारी किया गया। सुनील साहू जी को प्रदेश अध्यक्ष और कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष के रूप में समाजिक न्याय के योद्धा हरिनाथ साहू जी को मनोनीत किया गया है। पिछले दो वर्षों से सामाजिक न्याय और राजनीतिक भागीदारी के लिए समाजिक जन जागरण अभियान के लिए निरंतर प्रयास को देखते हुए 3 वर्षों के लिए पुनः मनोनयन किया गया। नये दायित्व मिलने पर समाज के उत्साहित लो नियुक्त रांची जिला अध्यक्ष कुंज बिहारी साहू, बेनी साहू, कांके जिला परिषद सदस्य श्रीमती किरण देवी, दीपक कुमार, बुढ़मू से मीडिया प्रभारी संजय साहू, कार्यवाहक कार्यकारी जिला अध्यक्ष अजीत साहू, मुरारी गुप्ता, रामविलास साहू, शत्रुघ्न साहू, महामंत्री हीरालाल साहू, आशीष कुमार, डॉ दानेश्वर साहू, उप मुखिया जितेंद्र साहू, कांके प्रखंड के कार्यवाहक अध्यक्ष पंकज साहू, बलदेव साहू, धनकू साहू, अरुण साहू, मनोज साहू, संदीप साहू, अनिल साहू, युवा नाई समाज के प्रखंड अध्यक्ष प्रदीप ठाकुर, रामानंद ठाकुर, कांके विधानसभा दलित युवा संघ के मुकुल नायक, रेखा देवी, झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहू कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष हीरा नाथ साहू, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती रेनू साहू, कुर्मी विकास परिषद के केंद्रीय महासचिव राजेंद्र महतो, जिला अध्यक्ष श्री राजकुमार महतो, आदिवासी लोहरा विकास परिषद के गणेश लोहरा कुम्हार विकास समिति के केंद्रीय नेता जनक प्रजापति, मुकेश प्रजापति, उप मुखिया गौरी शंकर प्रजापति सहित विभिन्न सामाजिक संगठन के लोगों ने अपना शुभकामना और बधाई संप्रेषित किये।

जरूरतमंद के बीच व्हीलचेयर बांटा

रांची (आजाद सिपाही)। इनरव्हील क्लब ऑफ स्वर्णरेखा रांची डिस्ट्रिक्ट 325 के द्वारा जरूरतमंद को व्हीलचेयर दिया गया। अध्यक्ष माला श्रीवास्तव और सचिव सोमा भादुड़ी के नेतृत्व में डिस्ट्रिक्ट से मिले गोल ट्रेलब्लेजर के तहत चेशायर होम के एक पोलियो ग्रसित बच्चे को दिया गया। क्लब की पीपी एंड सीजीआर नीता नारायण के द्वारा व्हीलचेयर दिया गया।

गर्लफ्रेंड के हत्यारे कांटी को उम्रकैद

रांची। रांची के चर्चित सिल्की और अनुराग विश्वकर्मा हत्याकांड के दोषी अनमोल उर्फ कांटी को उम्रकैद की सजा सुनायी गयी है। सिविल कोर्ट ने उसे 27 जुलाई को दोषी करार दिया था।

सरला बिरला विश्वविद्यालय के कुलपति गोपाल पाठक अमेरिका में हुए सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय के कुलपति गोपाल पाठक को अमेरिका में बजाना-बिहार और झारखंड एसोसिएशन ऑफ अमेरिका तथा मितमा- इंटरनेशनल के द्वारा सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर बजाना और मितमा-इंटरनेशनल के सदस्यों को संबोधित करते हुए उन्होंने बिहार झारखंड की खूबियों और समस्याओं के बारे में अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने वैश्विक स्तर पर पर्यावरणीय समस्या पर चिंता व्यक्त करते हुए जल प्रदूषण और रोकथाम के बारे में विस्तृत चर्चा की तथा पलामू प्रमंडल की समस्याओं यथा और ऑर्सेनिन और फ्लोराइड के कारणों और रोकथाम पर अपने परियोजना कार्यों की भी चर्चा की। विदित हो कि सरला बिरला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर गोपाल पाठक शैक्षणिक भ्रमण हेतु अमेरिका, यूएसए के दौरे पर हैं।

रांची को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा तहत मान्यता दी गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य खुला विश्वविद्यालय, रांची को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा तहत मान्यता प्रदान की गयी है और इस विश्वविद्यालय का नाम आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों की सूची में सम्मिलित कर लिया गया है। ज्ञातव्य है कि झारखंड राज्य खुला विश्वविद्यालय, रांची की स्थापना झारखंड विधान मंडल द्वारा पारित और अनुमोदित झारखण्ड राज्य खुला विश्वविद्यालय अधिनियम, 2021 के तहत की गयी है। यह विश्वविद्यालय स्थापना के बाद से ही उद्देश्यों की पूर्ति हेतु सतत प्रयत्नशील रहा है । परिणामस्वरूप झारखंड के वैसे वंचित समूह के ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में रहने वाले उच्च शिक्षा से वंचित युवक-युवतियों, कामकाजी लोगों, गृहणियों और उच्च शिक्षा प्राप्त कराने हेतु राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में अबतक 137 अध्ययन केन्द्रों की स्थापना की जा चुकी है। जिसमें 31 सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा और स्नात्कोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। झारखंड राज्य खुला विश्वविद्यालय की विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त हो जाने के अब आयोग के अधिनियम 1956 की धारा - 22 के तहत अनुमोदित स्नातक और स्नात्कोत्तर पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 से दूरस्थ और ऑनलाईन माध्यम से शिक्षा प्रदान किया जा सकेगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से सेक्शन - 2 फिट के तहत मान्यता प्राप्त किये जाने पर विश्वविद्यालय के कुलपति ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अब यह विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के उद्देश्यों की पूर्ति बहुत जल्द करने में समर्थ होगा और झारखण्ड के सुदूर ग्रामीण और आदिवासी बहुल क्षेत्रों में निवास करने वाले वंचित लोगों को उच्च शिक्षा आसानी से उपलब्ध कराते हुए उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान करेगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से मान्यता प्राप्त होने पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव, प्रो (डॉ) घनश्याम कुमार सिंह, वित्त पदाधिकारी डॉ बरूण कुमार मंडल, डॉ मोहन लाला साहु और डॉ शिव विलास साह ने हर्ष व्यक्त करते हुए इसके विकास में अपना पूरा योगदान देने की बात कही ।

तिरंगे के साथ छेड़छाड़ मामले में केस दर्ज

रांची। रांची में तिरंगे के साथ छेड़छाड़ करने वाले मामले में केस दर्ज किया गया है। मोहर्रम जुलूस में प्रतिनियुक्ति मजिस्ट्रेट राणा बड़ाइक ने डेली मार्केट थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है। आइपीसी की धारा 147, 153(ए), 153(बी), 120 (बी), 2 और राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज हुआ है। इसके बाद पुलिस सभी अखाड़ा संचालक को नोटिस जारी करेगी। वहीं पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर लोगों को चिह्नित करने का प्रयास कर रही है। वायरल वीडियो में देखा गया कि मोहर्रम जुलूस के दौरान राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगे) के साथ छेड़छाड़ की गयी। राष्ट्रीय ध्वज का रंग तो वही था। लेकिन तिरंगे के बीच से अशोक चक्र को हटाकर वहां कुछ और लिखा हुआ था। लोगों ने जब तिरंगे में बदलाव देखा, तो उसका वीडियो बना लिया और उसे सोशल मीडिया में वायरल कर दिया।

आयुषी मीडिया ने रजत जयंती वर्ष हर्षोल्लास से मनाया

रांची (आजाद सिपाही)। आयुषी मीडिया कंसल्टेंट्स ने अपने स्थापना की 25वां रजत जयंती वर्ष बड़े धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर कार्यालय में आयुषी मीडिया के पाटर्नर मनोज कुमार और कंचन कुमार द्वारा पूजा-अर्चना की गयी। आयुषी मीडिया के पाटर्नर मनोज कुमार और कंचन कुमार ने एजेंसी की उपलब्धियों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि आयुषी मीडिया की स्थापना वर्ष 1998 में मात्र तीन कर्मियों के साथ एक छोटे से आवास में प्रारंभ की गयी और आज अपने क्लाईन्ट्स के बीच लोकप्रियता के साथ इस शिखर तक पहुंची है। इसने बहुत ही अल्प समय में अपनी कर्मठता और निष्ठा से विज्ञापन के क्षेत्र में बिहार और झारखंड में अपना एक मुकाम स्थापित किया है। आयुषी मीडिया कंसल्टेंट्स इस बात पर गर्व महसूस करती है कि अपने सम्मानित क्लाईंट्स और मीडिया पार्टनर्स के विश्वास, सहयोग और पूर्ण समर्थन से वर्ष 2005 में आई एन एस (इंडियन न्यूज पेपर सोसाइटी) की सदस्यता हासिल की। आयुषी मीडिया आज अपने 200 से अधिक क्लाईंट्स के साथ बिहार और झारखंड का एक जाना पहचाना प्रतिष्ठित नाम बन चुका है। पिछले 25 वर्ष के दौरान आयुषी मीडिया ने अपने कामों में सदा पारदर्शिता बरती है जिससे अपने क्लाईंट्स और मीडिया पार्टनर्स के बीच सदा एक भरोसा बनाया है। आयुषी मीडिया को गर्व है कि पिछले 25 वर्षों के कार्यकाल में उसके समर्पित कार्य के प्रति कोई धब्बा नहीं लगा है और अपने मान-सम्मान को बरकरार रखा है। आयुषी मीडिया ने राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बनायी है तथा राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनी के कार्यों में भी व्यापारिक सहयोग किया है। इसके अंतर्गत कंपनियों के प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, रेडियो के माध्यम से राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर अनेक इंवेन्ट्स का भी सफल आयोजन किया है।

इंडियन बैंक ने बच्चों को राशन सामग्री दी

रांची (आजाद सिपाही)। इंडियन बैंक, अंचल कार्यालय, रांची के तत्वावधान में इंडियन बैंक के 117वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके तहत इंडियन बैंक, अंचल कार्यालय, रांची द्वारा दिनांक 31 जुलाई 2023 को करुणा एनएमओ, आरोग्य भवन-1, बरियातु रोड, रांची में बच्चों को लैक्टोजेन पैकेट, शुद्ध घी, फल और राशन सामग्री वितरित की गयी। इस अवसर पर इंडियन बैंक, अंचल कार्यालय, रांची के अंचल प्रबंधक एफ आर बोखारी; मुख्य प्रबंधक बी एन बिस्वाल, वरिष्ठ प्रबंधक ओम प्रकाश वर्मा और प्रबंधक स्वदीप सौरभ मौजूद रहे।

आकाश एक सिस्टम और मिशन है, जो बच्चों के भविष्य को सही दिशा देता है

■ आकाश एक ऐसा जौहरी है, जो बच्चों को तराश उन्हें भारत की मजबूत नींव के लिए तैयार करता है

■ कैसे आकाश से निकला बच्चा अपने परिवार और आनेवाली पीढ़ियों को मजबूती प्रदान कर रहा है

■ एक टैक्सी चालक की बेटी आज रिम्स में एमबीबीएस कर रही है, शहीदों के बच्चे भी मुफ्त में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं

आजाद सिपाही की टीम जब आकाश प्लस बाइजूस जमशेदपुर ब्रांच पहुंची, तो देखा कि वहां के सभी स्टाफ अपने काम में लगे हुए हैं। कोई सिस्टम पर बैठा काम कर रहा है, तो कोई इंटरव्यूज कंडक्ट कर रहा है। कहीं क्लास रूम में बच्चों की पढ़ाई चल रही है, तो बहुत से लोग जानकारी लेने के लिए भी वहां आये हुए थे। यहां तक कि वहां का प्यून भी वेल ड्रेस्ड था और अपनी जिमेदारियों को बखूबी निभा रहा था। वहां का वर्क कल्चर देख कर मजा आ गया। लगा, सच में आकाश का नाम आकाश यूं ही नहीं है। मैं भी आकाश इंस्टिट्यूट को समझना चाहता था। आखिर आकाश इंस्टिट्यूट कैसे बच्चों को तैयार करता है। कैसे पढ़ाई के क्षेत्र में उनका संपूर्ण विकास करता है। कैसे आकाश टॉपर्स देता है। आकाश कोचिंग

आजाद सिपाही विशेष

जमशेदपुर में प्रवेश करते ही मुझे ज्ञात हो गया कि यह संस्थान बहुत प्रोफेशनल है। वेल बिहेव्ड स्टाफ, अपने काम में परिपूर्ण। उनमें संस्थान के प्रति जिमेदारी साफ दिखायी पड़ रही थी। मेरी नजर आकाश के नोटिस बोर्ड पर भी पड़ी। वहां टैलेंट हंट एग्जाम का पोस्टर लगा था। देख कर लगा कि इस टैलेंट हंट के जरिये उन बच्चों को भी स्कॉलरशिप मिल सकता है,आकाश में पढ़ने का सपना पूरा हो सकता है, जो प्रतिभाशाली तो हैं, जो टैलेंटेड तो हैं, लेकिन कहीं खो से रहे हैं। आकाश कोचिंग उन प्रतिभाओं को पहचानता है, उन्हें निखारता है और आकाश जैसी ऊंचाई हासिल करने के लिए माध्यम बनता है। आकाश की एक और बात मुझे बहुत प्रभावित कर गयी कि आकाश शहीदों के बच्चों को फ्री में कोचिंग देता है। पुलिस जवानों के बच्चों के लिए भी स्पेशल स्कॉलरशिप मुहैया करवाता है। यह बहुत ही नेक सोच है। आकाश अपने टैग लाइन 'थिंक बिग थिंक डिफरेंट' पर खरा उतरना की पूरी कोशिश करता है। मेरी मुलाकात आकाश इंस्टिट्यूट जमशेदपुर के डिप्टी डायरेक्टर रमन प्रसाद से हुई। ऊर्जा से भरे हुए और एक प्राउड आकाशियन। बिजी थे, लेकिन उन्होंने हमारे लिए अपना महत्वपूर्ण समय निकाला। मैंने उनका इंटरव्यू किया। कई सवाल किये, कुछ कड़े सवाल भी थे, लेकिन रमन ने खुल कर सभी सवालों का बेबाक जवाब दिया। प्रस्तुत है आकाश इंस्टिट्यूट को समझने वाला चैप्टर, जिसे जाना और समझा आजाद सिपाही के **विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

● **सवाल: 'थिंक बिग थिंक डिफरेंट' आकाश इंस्टिट्यूट क्या है ?**

● **जवाब:** आकाश जैसा नाम है, वैसा ही उसका काम है। आकाश कोचिंग इंस्टिट्यूट बच्चों को आकाश जैसी ऊंचाई को हासिल कराने का एक स्रोत है। एक जरिया है, एक रास्ता है। आकाश बाइजूस के भारत भर में जितने भी कोचिंग सेंटर हैं, उनका मकसद है भारत वर्ष के बच्चों को नेशनल कंपीटीशंस में और साइंस के क्षेत्र में अच्छा परफॉर्म करने के लिए प्रेरित करना और उन्हें तैयार भी करना। जैसा कि आकाश का टैग लाइन है 'थिंक बिग थिंक डिफरेंट'। अगर बच्चे बड़ी सोच रखेंगे, हट कर सोचेंगे, तभी उनका भी ग्रोथ होगा और देश का ग्रोथ होगा। इस सोच से बच्चे भीड़ का हिस्सा नहीं बनेंगे। वे सफलतापूर्वक अपने लक्ष्य की ओर अपना मार्ग प्रशस्त करेंगे। आकाश एक सिस्टम है, जिस सिस्टम के तहत आकाश से जुड़ा हर व्यक्ति काम कर रहा है, चाहे वे छात्र हों, टीचर्स हों, एडमिनिस्ट्रेटिव या एकेडेमिक्स स्टाफ हों। यह एक ऐसा सेटअप है, जो पर्सन सेंट्रिक नहीं है। सब अपनी-अपनी जगह पर पहले से ही डिफाइन किये हुए हैं। पढ़ने से लेकर पढ़ाने तक का सिस्टम बना हुआ है। इस सिस्टम की संरचना कुछ इस तरह की गयी है, जिससे बच्चों के सफल होने की संभावना बहुत बढ़ जाती है। इस सिस्टम के तहत ही टेस्ट होता है, चाहे वह वीकली टेस्ट हो या टर्म टेस्ट हो या आकाश का ऑल इंडिया टेस्ट सीरीज हो, जहां सारे आकाशियंस को मिलाकर रैंकिंग दी जाती है। इससे बच्चों में एक कानफिडेंस डेवलप होता है। शिक्षक को भी पता चलता है कि जो वह पढ़ा रहे हैं, वह सही तरीके से बच्चों के लिए काम कर रहा है या नहीं। बहुत ही रिसर्च और तजुर्बा के बाद आकाश ने अपना सिस्टम इजाद किया है।

● **सवाल: आकाश इंस्टीट्यूट खुद को बेस्ट कहता है। क्यों और कैसे?**

● **जवाब:** देखिये मैं पर्सनली कहता हूं कि आकाश बेस्ट है। मैं खुद एक आकाशियन रह चुका हूं। कक्षा नौ से 12 मैंने खुद आकाश कोचिंग से ही पढ़ाई की। उसके बाद जेइइ में मेरा अच्छा रैंक आया। फिर मुझे स्कॉलरशिप भी मिला। देखिये, पिछले 10 सालों में शिक्षा के क्षेत्र में बहुत ज्यादा परिवर्तन आया है। आकाश ने भी सही समय पर उस परिवर्तन को पहचाना और समय के साथ कदमताल कर उसने अपने में बहुत से पॉजिटिव चेंज किये हैं। उसको मैंने बहुत नजदीक से देखा है। चूंकि मैं आकाश से कक्षा नौ से ही जुड़ा था, उस वक्त की किताबों और स्टडी मेटेरियल को मैंने पढ़ा है। आज की किताबों और स्टडी मेटेरियल को मैं जब देखता हूं, तो उसमें बहुत परिवर्तन नजर आता है। इस परिवर्तन को देख कर यही लगता है कि हम लोग सही दिशा में जा रहे हैं। आज का वर्ल्ड डिजिटल हो चुका है। ये तो अभी शुरुआत मात्र है। आकाश भी इस परिवर्तन के साथ बखूबी आगे बढ़ रहा है। एक उदाहरण देना चाहूंगा यहां पर। जब मैं आकाश में पढ़ाई करता था, यहां का स्टडी मेटेरियल बहुत ही अच्छा था, लेकिन उस वक्त कोई भी डिजिटल चीज नहीं थी। लेकिन आज मैं जब आकाश को देखता हूं, तो आकाश ने अपने स्टडी मेटेरियल तक को फिजिटल कर दिया है, मतलब फिजिकल प्लस डिजिटल। आज आपको आकाश के बुक्स और स्टडी मेटेरियल में क्यूआर कोड मिलेंगे। साथ में उसके सॉल्यूशंस भी मिलेंगे। इन सब चीजों से बच्चों को बहुत मदद मिल जाती है। एक और उदाहरण यहां मैं देना चाहूंगा। जब मैं जेइइ की तैयारी कर रहा था, तो उस वक्त अगर मुझे कोई डाउट होता था, कोई सवाल अगर समझ में नहीं आता था, तो मुझे उस वक्त रुकना पड़ता था। इंतजार करना पड़ता था कि कब मैं आकाश जाऊंगा और टीचर से अपना डाउट क्लीयर करूंगा। लेकिन आज के दौर में अगर रात के बारह बजे भी बच्चों को कोई डाउट होता है, तो बस उसे अपने फोन से क्यूआर कोड को स्कैन करना है और उसे वहीं पर उसी वक्त सॉल्यूशन मिल जाता है। ये जो ट्रांसफॉर्मेशन है आकाश का कि समय के साथ परिवर्तन को अपनाना और उसके साथ सकारात्मक तरीके से चलना, यही आकाश कोचिंग इंस्टिट्यूट की खूबसूरती है। यही इसके बेस्ट होने का फार्मूला है। आकाश एक काम और करता है। आकाश शहीदों के बच्चों को फ्री में कोचिंग देता है। आकाश ने जितने भी पुलिस जवान हैं, सीआरपीएफ के जवान हैं, उनके बच्चों के लिए भी स्पेशल स्कॉलरशिप की फैसिलिटी दी है। आकाश का मानना है कि जो जवान बॉर्डर पर खड़े रहकर हमारी सुरक्षा करते हैं, पुलिस वाले राज्यों में हमारी सुरक्षा करते हैं, उन्हें भी हम उतना ही सम्मान दें। आकाश बेस्ट इसीलिए है, क्योंकि आकाश बड़ा सोचता है अलग सोचता है।

> "आकाश एक सिस्टम है, जिस सिस्टम के तहत आकाश से जुड़ा हर व्यक्ति काम कर रहा है, चाहे वे छात्र हों, टीचर्स हों, एडमिनिस्ट्रेटिव या एकेडेमिक्स स्टाफ हों। यह एक ऐसा सेटअप है, जो पर्सन सेंट्रिक नहीं है। सब अपनी-अपनी जगह पर पहले से ही डिफाइन किये हुए हैं। पढ़ने से लेकर पढ़ाने तक का सिस्टम बना हुआ है। इस सिस्टम की संरचना कुछ इस तरह की गयी है, जिससे बच्चों के सफल होने की संभावना बहुत बढ़ जाती है। इस सिस्टम के तहत ही टेस्ट होता है, चाहे वह वीकली टेस्ट हो या टर्म टेस्ट हो या आकाश का ऑल इंडिया टेस्ट सीरीज हो, जहां सारे आकाशियंस को मिलाकर रैंकिंग दी जाती है। इससे बच्चों में एक कानफिडेंस डेवलप होता है। शिक्षक को भी पता चलता है कि जो वह पढ़ा रहे हैं, वह सही तरीके से बच्चों के लिए काम कर रहा है या नहीं। बहुत ही रिसर्च और तजुर्बा के बाद आकाश ने अपना सिस्टम इजाद किया है।

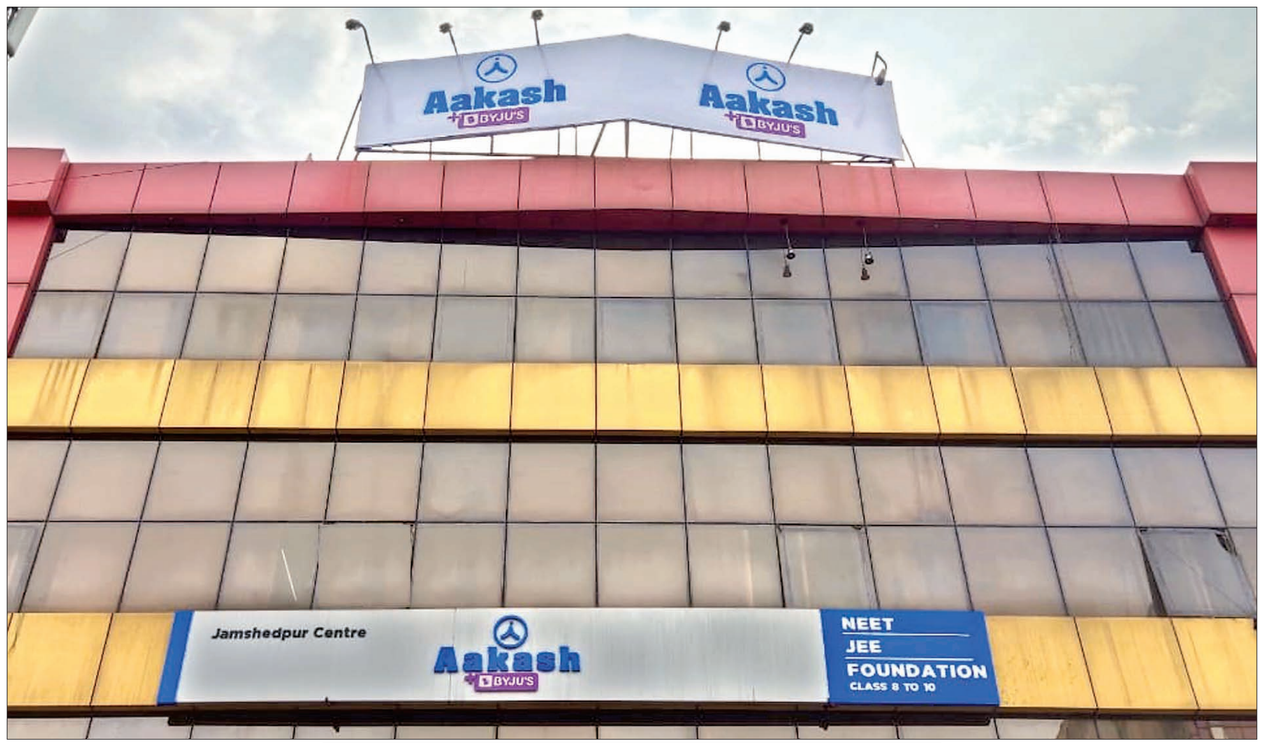

● **सवाल: आकाश का एक टैलेंट हंट एग्जाम होता है, जिसे एंधे के नाम से भी जाना जाता है, जिससे बच्चों को स्कॉलरशिप मिलती है। उसके बारे में बतायें।**

● **जवाब:** आकाश टैलेंट हंट एग्जामिनेशन, जिसे पिछले 14 सालों से कंडक्ट किया जा रहा है। आकाश कोचिंग के फाउंडर और चेयरमैन जेसी चौधरी का विजन था इस एग्जाम के जरिये देश के कोने-कोने से टैलेंट को पहचानना और उन बच्चों को स्कॉलरशिप के जरिये फाइनेंशियल सपोर्ट देना। इसके पीछे मुख्या उद्देश्य यही था कि देश का कोई भी टैलेंटेड बच्चा पैसों के अभाव में पढ़ाई से वंचित न रह पाये। आज आकाश का टैलेंट हंट एग्जाम बहुत ही बड़ा रूप ले चुका है। इस एग्जाम को सातवीं कक्षा से लेकर 12वीं कक्षा के छात्र देते हैं। इस परीक्षा के जरिये बच्चे एक सौ प्रतिशत तक का स्कॉलरशिप भी हासिल कर सकते हैं। इसमें कैश अवार्ड भी मिलता है, स्टेट रैंक भी मिलता है, इंडिया रैंक भी मिलता है और भी बहुत सारे पर्क्स भी बच्चों को मिलता है। उदाहरण के तौर पर एक सौ बच्चों का पांच दिन के लिए नेशनल साइंस एक्सपेडिशन का कंप्लीट स्टे। ये सारी चीजें बच्चों को प्रेरित भी करती हैं कि वे अपने अभिभावक को एक गिफ्ट दे सकें। आकाश के इस एग्जाम से वे बच्चे, जो सुदूरवर्ती गांव में भी बैठा है और पढ़ना चाहता है, टैलेंटेड है, जिनके पैरेंट्स पढ़ाई को अफोर्ड नहीं कर पा रहे हैं, उनके लिए यह परीक्षा बहुत बड़ा मौका होता है। यह सिर्फ बच्चों के लिए ही मौका नहीं होता, आकाश के लिए भी मौका होता है कि उसके साथ सही टैलेंट जुड़ रहा है।

● **सवाल: आकाश ऊंची उड़ान के लिए बच्चों को तैयार कैसे करता है?**

● **जवाब:** आकाश कोचिंग के तीन विंग्स हैं। फाउंडेशन, इंजीनियरिंग और मेडिकल। फाउंडेशन विंग कक्षा आठवीं से लेकर दसवीं तक के छात्रों के लिए है। इसके माध्यम से बच्चों की नींव को मजबूत किया जाता है। फाउंडेशन विंग बच्चों को बिलकुल क्लीयर पिक्चर दे देता है कि उसे आगे चलकर किस क्षेत्र में जाना है। उसे डॉक्टर बनना है, इंजीनियर बनना है, लॉयर बनना है, आइएएस बनना है। फाउंडेशन विंग उन बच्चों के कांसेप्ट को क्लीयर करता है, समझ को मजबूती प्रदान करता है। आज के दौर में बच्चे ज्यादातर किताबी ज्ञान पर आश्रित रहते हैं। उसे ही अपना आधार मान आगे बढ़ने की कोशिश करते हैं। लेकिन किताबों से आगे भी एक दुनिया है, जिससे परिचित होना सही समय पर बहुत जरूरी है। आकाश अपने फाउंडेशन कोर्स के माध्यम से उन बच्चों को सही दिशा देने की कोशिश करता है।

● **सवाल: आज के बच्चे बहुत ज्यादा कंप्यूज रहते हैं कि उन्हें लाइफ में करना क्या है। कभी उन्हें इंजीनियर बनना होता है, कभी डॉक्टर बनना होता है। अगर बनना है, तो क्यों बनना है, उन्हें शुरुआती दौर में लक्ष्य की क्लैरिटी नहीं होती। अगर सही समय पर उन्हें गाइड कर दिया जाये, तो वे अपना मार्ग सही समय पर चुन सकते हैं। इसके बारे में कुछ बतायें?**

● **जवाब:** आपने बिलकुल सही बात बोली है। देखिये आधे से ज्यादा बच्चों को जो मैंने देखा है इतने सालों में, वे अपने पेरेंट्स के प्रेशर में आकर निर्णय लेने को मजबूर हो जाते हैं। जैसे अगर डॉक्टर के बच्चे हैं, तो शुरू से उन बच्चों का माइंडसेट रहता है कि उन्हें डॉक्टर ही बनना है। लेकिन क्यों, यह क्लीयर होना चाहिए। पेरेंट्स ने कहा है, दबाव बनाया है, तो यह नहीं होना चाहिए। बच्चों के अंदर से आवाज आनी चाहिए कि वह यह कर सकता है। बच्चों को अपने करियर के सही चुनाव का हक होना चाहिए। उन पर प्रेशर नहीं थोपना चाहिए। देखिये आज कंपीटीशन का जमाना है। कंपिटिटिव एग्जामिनेशन का जमाना है। पेरेंट्स भी इस रेस में शामिल हैं। यहां समझने वाली बात यह है कि कोई भी बच्चा अगर पॉजिटिव नोट पर दिल से कंपिटिटिव एग्जाम की तैयारी में लगा हुआ है, तो उसके वह कंपीटीशन आसान लगने लगेगा। लेकिन जैसे ही वह प्रेशर लेने लगेगा, तो वही चीजें उसके लिए पहाड़ जैसी लगने लगेंगी।

● **सवाल: प्रेशर की बात करें, तो आज की तारीख में बहुत से अभिभावक बच्चों पर पढ़ाई के लिए बहुत प्रेशर डालते हैं, इसमें कोई दो राय नहीं है। बच्चे स्कूल जाते हैं। छह घंटे की पढ़ाई के बाद मेंटली और फिजिकली बहुत थक जाते होंगे, उसके बाद कोचिंग का प्रेशर, तो आकाश क्यों आयें बच्चे?**

● **जवाब:** देखिये आकाश में आने का कारण है। स्कूल की कुछ लिमिटेशंस होती हैं। मैं किसी को ब्लेम नहीं कर रहा, लेकिन स्कूल की लिमिटेशंस यह है कि उन्हें सारे सब्जेक्ट्स एक निर्धारित समय सीमा के अनुसार पढ़ाना है। साथ में वेकेशंस भी होते हैं। टीचर्स चाह कर भी पर्टिकुलर सब्जेक्ट के टॉपिक को बहुत ज्यादा एक्सप्लेन नहीं कर पाते, क्योंकि समय उनके पास उतना ही है, जहां उन्हें सिलेबस सही समय पर कंपलीट करवाना है, क्योंकि वे टाइम से बंधे हुए होते हैं। हमारे यहां आकाश में फाउंडेशन कोर्स में मैथ्स, साइंस और इंग्लिश पर ही फोकस किया जाता है, तो हमें पर्टिकुलर टॉपिक को पढ़ाने का पर्याप्त समय मिलता है। उस टॉपिक पर ज्यादा से ज्यादा समय दिया जा सकता है। यहां हम सिर्फ किताबी ज्ञान पर फोकस नहीं करते। किताब से बाहर भी दुनिया है, जो बहुत ही प्रैक्टिकल है, उसे भी हम डिस्कस करते हैं।

● **सवाल: आकाश में कितने घंटे का क्लास होता है? क्या बच्चों की पढ़ाई के दौरान पनपते प्रेशर को कम करने के लिए आकाश कोई एक्टिविटी में भी पार्टिसिपेट करता है?**

● **जवाब:** आकाश में शाम चार बजे से आठ बजे तक क्लासेज चलते हैं। कुल चार घंटे, जिसमें बच्चों को 15 -15 मिनट का ब्रेक भी दिया जाता है, ताकि वे रिलैक्स हो पायें। प्रेशर की बात करें, तो आकाश बच्चों के लिए मोटिवेशन टॉक अर्गेनाइज करवाता है। बच्चों को वहां फ्रेंडली वातावरण में रखा जाता है। बच्चों के लिए वातारण फ्रेंडली हो, उसके लिए हमारी एकेडेमिक टीम बहुत मेहनत करती है। नये-नये आइडियाज का इजाद करती है।

● **सवाल: आकाश का नीट और जेइइ के एग्जामिनेशन में पिछले पांच सालों में कैसा परफॉरमेंस रहा ?**

● **जवाब:** अभी रीसेंट की बात करें तो लास्ट इयर स्टेट रैंक वन हमने दिया था नीट में। इस वर्ष भी सिटी में रैंक वन हमने दिया है। स्टेट की बात करें, तो टॉप थ्री में हमारे बच्चे रहते ही हैं। पिछले पांच सालों में हमने नीट एग्जाम में सिटी रैंक वन तो कनफर्म दिया है। स्टेट की बात करें, तो आकाश की बोकारो और जमशेदपुर शाखा में कंपीटीशन रहता है कि स्टेट रैंक वन कौन दे रहा है। जेइइ में भी हमारा रिजल्ट बेहतरीन रहा है। जेइइ मेन हो या एडवांस्ड, इसमें हमारा रिजल्ट परसेंटेज सबसे ज्यादा रहा है।

● **सवाल: आकश का बेहतर रिजल्ट होता कैसा है। जरा अपने टीचिंग स्टाइल के बारे में बतायें?**

● **जवाब:** सबसे पहले पर्सनल अटेंशन, जो वहां के टीचर्स हर स्टूडेंट को देते हैं। उसके बाद फिक्स्ड डाउट सेशंस होते हैं। आकाश एक सिस्टम है, जिसके तहत आकाश से जुड़ा हर व्यक्ति काम कर रहा है। यह सिस्टम इस कदर डिफाइन किया हुआ है, जिससे बच्चों का सक्सेसफुल होना तय है। इसी सिस्टम को वहां के टीचर्स भी फॉलो करते हैं। एक-एक स्टाफ फॉलो करता है। टीचिंग मेटेरियल्स से लेकर टीचिंग स्टाइल भी उस सिस्टम का हिस्सा है। शिक्षकों की बहाली से लेकर छात्रों का सेलेक्शन, उन्हें पढ़ाने का पैटर्न और एग्जामिनेशन भी उसी सिस्टम का हिस्सा है।

● **सवाल: आकाश कोचिंग में आप फैकल्टी का चुनाव कैसे करते हैं?**

● **जवाब:** आकाश में जो फैकल्टी का चुनाव होता है, उसका एक सिस्टेमैटिक प्रोसेस है। एक प्रॉपर सिस्टम डिफाइन किया हुआ है हायरिंग का, जिसमें अलग-अलग पड़ाव हैं, जो सारी चीजों को टेस्ट करते हैं। एक-एक प्वाइंट पर लोगों को टेस्ट किया जाता है, छोटी-छोटी चीजों पर टीचर्स का जजमेंट होता है। जो हर पड़ाव में निखर कर आते हैं, वे ही आकाश के फैकल्टी हो सकते हैं या आकाश के साथ जुड़ सकते हैं।

● **सवाल : कुछ स्टूडेंट्स की सक्सेस स्टोरीज आप शेयर करना चाहेंगे, जिन पर संस्थान भी गर्व महसूस करता हो ?**

● **जवाब:** *बहुत दूर नहीं, अभी हाल की एक सक्सेस स्टोरी को मैं आपसे शेयर करना चाहूंगा। हमारे लास्ट इयर के स्टेट टॉपर, जिनका नाम आयुष कुमार झा है। उन्होंने आकाश के साथ कक्षा आठवीं से कक्षा बारहवीं तक पढ़ाई की। वह बहुत ही हंबल बैकग्राउंड से आते हैं। यहां हंबल का तात्पर्य है कि बहुत ही सामान्य परिवार से आते हैं। उनके पिता और माता बहुत ही सिंपल हैं। चाहे बारिश हो, बहुत गर्मी हो, क्लास में एसी कभी नहीं चल रहा हो, उस बच्चे को कभी कोई फर्क नहीं पड़ा। अगर 15 टेस्ट हैं, तो उसने सारे टेस्ट में हिस्सा लिया। आज वह बच्चा एम्स दिल्ली में पढ़ रहा है। एम्स दिल्ली इंडिया का बेस्ट मेडिकल कॉलेज है। जब आयुष वहां से एमबीबीएस ग्रेजुएट करेगा, आगे पीजी करेगा, तब वह अपने सामान्य से परिवार को और आने वाली पीढ़ी को कितनी मजबूती प्रदान करेगा, समझा जा सकता है।*

एक और घटना का जिक्र मैं करूंगा। मैं रांची एयरपोर्ट से जमशेदपुर आ रहा था। रात का समय था। मैंने टैक्सी ली। टैक्सी में बैठ कर मैं लगातार फोन पर बात कर रहा था। चुकी काम का फोन आते ही रहता है तो मैं कॉल पर लगा था। जब गाड़ी आधे रास्ते पहुंची, तो ड्राइवर ने मुझसे पूछा कि सर आप आकाश से हैं क्या? मैंने कहा, हां मैं आकाश से हूं। मुझे लगा कि वह ऐसा क्यों पूछ रहा है। फिर मैंने टैक्सी वाले से पूछा, क्या हुआ बताइये। फिर टैक्सी वाले ने जवाब दिया और उसका जवाब सुन कर मैं दंग रह गया। मुझे बड़ा गर्व महसूस हुआ। टैक्सी वाले ने कहा कि सर, मैंने भी अपनी बेटी को आकाश जमशेदपुर में पढ़ाया था। मैंने कहा वह तो बहुत अच्छी बात है। फिर मैंने पूछा, अभी आपकी बेटी कहां पढ़ाई कर रही है। उस टैक्सी वाले ने कहा कि सर अभी वह रांची के रिम्स (राजेंद्र इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस) में एमबीबीएस कर रही है। वह सुनते ही जो खुशी मुझे मिली, वह अकल्पनीय थी। देखिये, जो भी बच्चा सामान्य से परिवार से आकर जिंदगी में अच्छा करता है, वह समाज को बहुत बड़ा मैसेज देता है। मैसेज यह कि चाहे कोई भी परिस्थिति हो, अगर किसी को सफल होना है, तो वह सफल होता ही है। उस टैक्सी वाले ने कहा कि उसके और तीन बच्चे हैं। उन्हें भी मैं आकाश में ही पढ़ाऊंगा। यह सब सुनकर मुझे बहुत सैटिस्फैक्शन मिला कि हम भी किसी की जिंदगी को बेहतर बनाने में कुछ कंट्रीब्यूट कर रहे हैं।

> "आकाश टैलेंट हंट एग्जामिनेशन, जिसे पिछले 14 सालों से कंडक्ट किया जा रहा है। आकाश कोचिंग के फाउंडर और चेयरमैन जेसी चौधरी का विजन था इस एग्जाम के जरिये देश के कोने-कोने से टैलेंट को पहचानना और उन बच्चों को स्कॉलरशिप के जरिये फाइनेंशियल सपोर्ट देना। इसके पीछे मुख्या उद्देश्य यही था कि देश का कोई भी टैलेंटेड बच्चा पैसों के अभाव में पढ़ाई से वंचित न रह पाये। आज आकाश का टैलेंट हंट एग्जाम बहुत ही बड़ा रूप ले चुका है। इस एग्जाम को सातवीं कक्षा से लेकर 12वीं कक्षा के छात्र देते हैं। इस परीक्षा के जरिये बच्चे एक सौ प्रतिशत तक का स्कॉलरशिप भी हासिल कर सकते हैं।

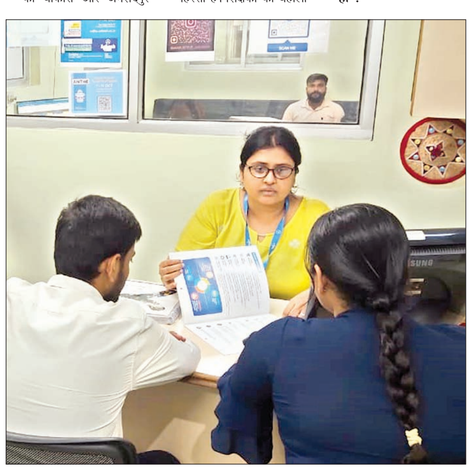

आकाश इंस्टीट्यूट जमशेदपुर के डिप्टी डायरेक्टर रमन प्रसाद।

आजाद सिपाही
रांची, मंगलवार, 01 अगस्त, 2023
www.azadsipahi.in

रांची-टाटा रोड के टोल पर आजसू नेताओं ने शुरू की भूख हड़ताल

मांग पूरी नहीं होते तक धरना जारी रखने की चेतावनी

रांची-टाटा रोड टोल प्लाजा पर 20 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले बुंडू, अड़की, तमाड़, सोनाहातू व राहे के लोगों के लिए वाहन प्रवेश नि:शुल्क करने की मांग को लेकर दूसरे दिन भी धरना जारी

आजाद सिपाही संवाददाता

बुंडू टोल प्लाजा पर हर घंटे हो रहा 60-70 हजार का नुकसान : प्रबंधन

बुंडू टोल प्लाजा के प्रबंधक नितिन भरद्वाज ने कहा कि बताया कि धरना के कारण टोल टैक्स की वसूली ठप है। इससे हर घंटे 60 से 70 हजार रुपए का नुकसान कंपनी को हो रही है। दूसरी ओर, बुंडू एसडीओ ने धरना पर बैठे आजसू नेताओं से वार्ता की। कहा कि कई बिंदुओं पर सहमति बनी है। स्थानीय निजी वाहनों से टोल टैक्स नहीं लेने की मांग एनएचआई के नीतिगत फैसलों के अंदर आता है। प्रबंधन से कहा गया है कि वे अपने उच्च पदाधिकारियों से बात करें।

बुंडू। रांची-टाटा रोड अंतर्गत राष्ट्रीट राजमार्ग-33 पर स्थित टोल प्लाजा में बुंडू, तमाड़, अड़की, सोनाहातु और राहे के 20 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले स्थानीय लोगों के सभी वाहनों का टोल टैक्स माफ करने, और स्थानीय लोगों को टोल प्लाजा में बहाल करने की मांग को लेकर आजसू की ओर से शुरू हुआ अनिश्चितकालीन धरना सोमवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। राष्ट्रीय राजमार्ग के पदाधिकारियों की उदासीन रवैया को देखते हुए आजसू की ओर से इस दिन बुंडू एसडीएम को एक ज्ञापन भी सौंपा गया, जिसमें कहा गया कि अगर मांगों को नहीं माना गया तो भूख हड़ताल शुरू किया किया जाएगा। पर वहां से सकारात्मक पहन नहीं होता देख आजसू के रांची जिला समिति उपाध्यक्ष राज किशोर कुशवाहा, केंद्रीय सचिव सह बुंडू प्रभारी संजय महतो, जिला परिषद सदस्य परमेश्वरी शांडिल, जिला सचिव जगदीश गुप्ता, दिलीप चंद्र कोइरी और मोहम्मद सैराज ने भूख हड़ताल शुरू कर दिया। इसके बावजूद टोल प्रबंधन की ओर से किसी तरह का सकारात्मक वार्ता नहीं की जा रही है। भूख हड़ताल पर बैठे नेताओं का कहना है कि तमाड़, अड़की, सोनाहातू और राहे की सीमा बुंडू से सात किलोमीटर के दायरे में आती है। जिससे तमाड़, अड़की, सोनाहातू और राहे के लोगों को रांची आने-जाने के लिए 330 रुपये का पास बनाना पड़ता है। इससे पहले आजसू के रांची जिला समिति के उपाध्यक्ष राज किशोर कुशवाहा ने राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्रालय को एक ज्ञापन देकर रांची के ओरमांझी एवं चांडिल की तर्ज पर 20 किलोमीटर के दायरे के वाहनों को टोल टैक्स फ्री करने की मांग की थी। साथ ही चेतावनी दी थी कि अगर उनकी मांगों को नहीं माना गया तो 30 जुलाई से टोल प्लाजा में अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा। यही नहीं, सभी वाहनों को टोल फ्री भी किया जाएगा। हालांकि टोल प्लाजा के प्रबंधक ने इस तरह की किसी भी मांग को मानने में असमर्थता जताई थी। कहा कि उन्होंने इसकी जानकारी अपने पदाधिकारियों को दे दिया है। यह भी बताया कि आजसू के धरना से अब तक टोल प्रबंधन को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। उधर, टोल प्लाजा में धरना प्रदर्शन को लेकर बुंडू एसडीओ अजय कुमार साव, डीएसपी अजय कुमार, बीडीओ संध्या मुदु, बुंडू सीओ राजेश डुंगडुंग एवं थाना प्रभारी संजीव कुमार धरना स्थल पर जाकर वार्ता करने की कोशिश की जो विफल रहा। समाचार लिखे जाने तक धरना जारी था। कार्यक्रम में आजसू के केंद्रीय सचिव सह बुंडू प्रभारी संजय महतो, तमाड़ प्रभारी श्याम महतो, पूर्व तमाड़ प्रत्याशी सह उलगुलान फाउंडेशन के उपाध्यक्ष राम दुर्लभ सिंह मुंडा, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष सुकरा मुंडा, जिला परिषद सदस्य विजय मानकी, जिला परिषद सदस्य परमेश्वरी शांडिल, जगदीश गुप्ता, महाबीर सेठ, उमेश नायक, हरिहर महतो, गोवर्धन मछुआ, शुभम कुमार, संजय बड़ाईक, महिला अध्यक्ष राधिका देवी, सुख सारण महतो, मोहम्मद सिराज, भीम महतो, प्रदीप नारायण पांडे, मिहिर सिंह मुंडा, नीतीश सिंह, आकाश महतो, आकाश बिट, संजय महतो, कैलाश महतो, सुनील महतो, उमेश महतो, अजय सिंह, रंजन महतो, रवि महतो, उपेंद्र महतो, प्रदीप महतो, प्रीति कुमारी, सुमित्रा देवी, आशा देवी, बसंती देवी , सिद्धार्थ मुंडा, सुषेन प्रमाणिक, सावना महली आदि उपस्थित थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

नहीं रहे खूंटी के वरिष्ठ अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा
सांसद- विधायक सहित लोगों ने जतायी संवेदना

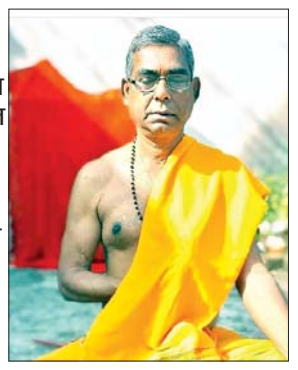

खूंटी (आजाद सिपाही)। जानेमाने अधिवक्ता और नॉटरी पब्लिक लक्ष्मीकांत शर्मा का रविवार की रात उनके खूंटी स्थित आवास पर निधन हो गया। उनके आकस्मिक निधन की खबर से खूंटी और कचहरी परिसर में शोक की लहर दौड़ गई। सहसा किसी को विश्वास ही नहीं हो रहा था कि हमेशा हंसमुख रहनेवाले मिलनसार अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा हमारे बीच नहीं रहे। लक्ष्मीकांत खूंटी के प्रख्यात चिकित्सक डॉ मन्मथ नाथ शर्मा के पुत्र और डॉ श्रीकांत शर्मा के अनुज थे। वे मूलरूप से कर्रा प्रखंड के बिकुवादाग के रहने वाले थे। 67 वर्षीय लक्ष्मीकांत शर्मा पिछले 35 वर्षों से खूंटी कोर्ट में अधिवक्ता के रूप में कार्यरत थे। वे अपने पीछे दो पुत्र व एक पुत्री छोड़ गए हैं। सोमवार को तजना मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया।। उनके कनिष्ठ पुत्र अवनी मोहन शर्मा ने मुखाग्नि दी। उनकी अंतिम यात्रा में लोगों की भारी भीड़ उमडी पड़ी। अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा के निधन पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, पद्मभूषण कड़िया मुंडा, विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, विधायक कोचे मुंडा, डॉ निर्मल सिंह, सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार, विधायक प्रतिनिधि काशीनाथ महतो, अनूप कुमार साहू, अधिवक्ता भोलानन्द तिवारी, रामानंद तिवारी, रमेश मांझी, महेंद्र भगत, दिलीप मिश्र, देवजीत देवघरिया, अरुण चौधरी, वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश जयसवाल, खूंटी बार एसोसिएशन के सचिव शैलेंद्र श्रीवास्तव, वरुण कंठ, अधिवक्ता लाल रूपेंद्र नाथ शाहदेव, आशुतोष भगत आदि ने गहरी संवेदना व्यक्त की है।

वज्रपात से तमाड़ में एक की मौत

तमाड़ (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के दुलमी गांव में सोमवार अपराह्न तीन बजे वज्रपात की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत होने का मामला प्रकाश में आया है। मृतक की पहचान मंगल सिंह मुंडा के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक मंगल सिंह मुंडा इस दिन अपने खेत में काम करने के बाद वापस घर लौट रहा था, तभी दुलमी व सोसोडीह के बीच तेज बारिश शुरू हो गयी। इसी बीच अचानक वज्रपात हो गया, जिसकी चपेट में आकर घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गयी। जिला परिषद सदस्य दिलीप सेठ ने घटना का सूचना तुरंत पुलिस को दी। कुछ समय बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद अपने साथ थाना ले गयी। मंगलवार की सुबह शव को पोस्टमाटम के लिए भेजा जायेगा। बतातें चलें कि मंगल के पिता बहादुर सिंह मुंडा की पहले ही मौत हो चुकी है।

बाल ट्रैफिकिंग को समाप्त करने के लिए देश में कड़े एंटी ट्रैफिकिंग कानून की है जरूरत

खूंटी (आजाद सिपाही)। कुंजला स्थित शैलेश्वरी सेवा भवन में सोमवार को कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन के सहयोग से झारखंड महिला उत्थान की ओर से बच्चों की ट्रैफिकिंग के खिलाफ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य सुशांति कोंगाड़ी के अलावा पंचायत जनप्रतिनिधि अजय तोपनो शामिल हुए। कार्यशाला में झारखंड महिला उत्थान के संस्थापक नीलम मिश्रा ने देश में बच्चों की ट्रैफिकिंग के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त किया। कहा कि झारखंड महिला उत्थान लंबे अर्से से स्कूलों, आंगनबाड़ियों, पंचायतों के अलावा घर-घर जाकर बच्चों की ट्रैफिकिंग और बाल मजदूरी के खिलाफ जागरूकता अभियान चला रहा है। इन सतत प्रयासों का उद्देश्य बच्चों की ट्रैफिकिंग और बाल श्रम के खिलाफ लोगों में जागरूकता के स्तर को बढ़ाना और इसकी बुराइयों से अवगत कराना है। हालांकि सरकारें और कानून प्रवर्तन एजेंसियां पूरी मुस्तैदी से बच्चों की ट्रैफिकिंग रोकने के प्रयासों में जुटी हुई हैं, लेकिन इस संगठित अपराध को देश से पूरी तरह खत्म करने के लिए एक कड़े एंटी-ट्रैफिकिंग कानून की सख्त जरूरत है। इसलिए सरकार संसद में एंटी- ट्रैफिकिंग बिल शीघ्र पास कराए। मुख्य अतिथि ने कहा कि हमें मिलकर बाल ट्रैफिकिंग, बाल विवाह व बाल शोषण के खिलाफ आवाज उठानी होगी, तभी समाज में बदलाव लाया जा सकता है। इनके अतिरिक्त कार्यशाला में प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर नवीन गौंझू, काउंसलर निशि गुड़िया, ब्लॉक कॉर्डिनेटर गुंजन तोपनो, महादेव टूटी, सरस्वती देवी, पवन केरकेट्टा, उषा देवी, चिंता तिग्गा, शाहिना खातून, पलक कुमारी, मुस्कान कुमारी व रानी कुमारी ने भी अपने अनुभवों और विचारों को सबके सामने रखा।

तमाड़ इंटर महाविद्यालय में एक दिवसीय शैक्षणिक हड़ताल

तमाड़ (आजाद सिपाही)। झारखंड राज्य वित्त रहित शिक्षक संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर सोमवार को तमाड़ इंटर महाविद्यालय सालगाडीह में एक दिवसीय शैक्षणिक हड़ताल किया गया। जिसमें मुख्य मांगे वित्त रहित शिक्षा नीति समाप्त करो, घाटा अनुदान लागू करो, लंबित अनुदान के भुगतान करो आदि मांग की गयी। हड़ताल में कॉलेज के प्राचार्य कृष्णा सिंह मुंडा, शिक्षक प्रतिनिधि प्रोफेसर रंजीत कुमार मोदक, प्रोफेसर घनश्याम महतो, प्रोफेसर रमाकांत महतो, प्रोफेसर गोविंद चंद्र महतो, प्रोफेसर इंदिरा कुमारी, डॉ वंदना बनर्जी, प्रोफेसर देवनंदन सिंह मुंडा, प्रधान सहायक सुरेश महतो, अर्जुन मुंडा, सैनाथ सिंह मुंडा, विधान चंद्र गोराई, हरि नारायण महतो, हलधर महतो, अस्थमा सेट बीरबल मुंडा, लाल सिंह मुंडा और अशोक कुंडू आदि उपस्थित थे।

कार्तिक चंद्र महतो बने कांग्रेस सिल्ली प्रखंड अध्यक्ष

सिल्ली (आजाद सिपाही)। प्रखंड कांग्रेस कार्याल में रविवार को पार्टी के प्रखंड कमेटी की विस्तारित समिति की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के वरीय उपाध्यक्ष सह अनुशासन समिति के अध्यक्ष नगेंद्र नाथ गोस्वामी ने किया। बैठक में प्रखंड कांग्रेस की मजबूती पर विस्तार से चर्चा की गई। वहीं बैठक में रांची जिला कांग्रेस द्वारा प्रखंड कमेटी को पुनर्गठित करने के निर्देश पर नये प्रखण्ड अध्यक्ष एवं कार्यकारी अध्यक्ष का चयन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से कार्तिक चंद्र महतो को प्रखंड अध्यक्ष और उर्मिला देवी एवं निशाकर महतो को कार्यकारी अध्यक्ष चुना गया। नव नियुक्त पदाधिकारियों ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने क्षेत्रीय स्तर पर प्रखंड की बड़ी और महत्वपूर्ण जिम्मेदार दी है। हम क्षेत्र में पार्टी का सम्मान बढ़ाने के लिए कर्तव्य निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करेंगे। उपस्थित सभी कांग्रेस जनों ने नवनियुक्त तीनों पदाधिकारियों का माला पहनाकर स्वागत किया। बैठक में रांची जिला सचिव नागेश्वर महतो, विकास, सफिरुद्दिन अंसारी, अरुण कुमार धान, सुधीर कुमार हजाम आदि उपस्थित थे।

पुलिस व सीआइएसएफ की निगरानी में शुरू हुआ केडीएच का रोड सेल

खलारी (आजाद सिपाही)। एनके एरिया अंतर्गत केडीएच परियोजना का रोड सेल सोमवार को पुलिस व सीआइएसएफ की निगरानी में शुरू हो गया। इससे पूर्व रविवार को रोड सेल चालू करने पर महाप्रबंधक के साथ हुई सकारात्मक वार्ता के बाद रैयत विस्थापित मोर्चा ने बंदी वापस ले लिया था। सोमवार को ई आक्सन का कोयला लेकर 15 ट्रक बिना किसी व्यवधान के विभिन्न गंतव्यों के लिए निकला। निकला। इधर, एकता मंच द्वारा मंगलवार को कांटा बंद करने की सूचना की जानकारी केडीएच प्रबंधन ने सोमवार देर शाम खलारी थाना पुलिस को दे दिया है।

बाबा भोलेनाथ पर जलाभिषेक के लिए रात से ही पहुंचने लगे थे श्रद्धालु

बाबा आम्रेश्वर धाम में बोल बम की गूंज

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। वर्षों बाद पवित्र सावन महीने के मध्य में लगे पुरुषोत्तम मास की दूसरी सोमवारी को क्षेत्र के प्रसिद्ध बाबा आम्रेश्वर धाम अंगराबारी के पवित्र स्वयंभू शिवलिंग का हजारों भक्तों ने जलाभिषेक किया। बाबा आम्रेश्वर धाम में जलाभिषेक और पूजन-अर्चन के लिए रविवार रात से ही श्रद्धालु यहां पहुंचने लगे थे। सोमवार तड़के 3.30 बजे जैसे ही मुख्य मंदिर और अन्य मंदिरों के पट खुले, पूरा वातावरण बोल बम और हर-हर महादेव के नारों से गुंजायमान हो उठा। इस दौरान घंटों कतार में खड़े भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। मंदिर परिसर में शांति और सुरक्षा के लिए तैनात पुलिस के जवान, प्रबंध समिति के सदस्य और एनसीसी कैडेट व्यवस्था को संभालते हुए भक्तों को कतारबद्ध मंदिर में प्रवेश कराते रहे। पुलिस प्रशासन के साथ ही बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति के अधिकारी व सदस्य भी दिन भर सक्रिय रहे। पूजा-अर्चना के बाद दूरदराज क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने धाम परिसर में लगे श्रावणी मेले का आनंद उठाया। मेला परिसर में सुरक्षा व्यवस्था के लिए दंडाधिकारियों के साथ महिला और पुरुष बल के जवान मंदिर परिसर सहित पूरे मेले परिसर में तैनात थे। साथ ही धाम परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे से हर छोटी-बड़ी घटना पर नजर रखी जा रही थी। जलाभिषेक के लिए आनेवाले भक्तों को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो, इसे ध्यान में रख बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति के अध्यक्ष लाल ज्ञानेंद्र नाथ शाहदेव, महामंत्री मनोज कुमार, सत्यजीत कुंडू के अलावा अन्य पदाधिकारी और सदस्य पूरे दिन धाम परिसर में मौजूद रहकर व्यवस्था की निगरानी करते रहे।दूसरी ओर शहर के पुरातन महादेव मंडा सहित अन्य शिवालयों में भी जलाभिषेक व पूजन अर्चन के लिए सोमवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। शहर के पुरातन महादेव मंडा में देर शाम आयोजित पारंपरिक श्रृंगार पूजन आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिला-पुरुष शामिल हुए। तोरपा के बाबा आगेश्वर धाम पिपराटोली स्थित शिवालय, नामकोम शिव मंदिर सहित अन्य मंदिरों में भी दूसरी सोमवारी को भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी।

बाला अम्रेश्वर धाम में भोले बाबा को जलाभिषेक के लिए कतार में खड़े श्रद्धालु।

पिपरवार में इन्मोसा के क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन

पिपरवार (आजाद सिपाही)। बचरा में सोमवार को इन्मोसा के क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन हुआ। पिपरवार पहुंचे इन्मोसा के केंद्रीय पदाधिकारियों का बुके व शाल देकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथियों ने कार्यालय का उद्घाटन किया। वक्ताओं ने कहा कि संगठन में शक्ति है। पिपरवार में कार्यालय खुल जाने से संगठन और मजबूत होगा जिससे कोयला क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों को इसका फायदा मिलेगा। इस अवसर पर इनमोसा के केन्द्रीय महामंत्री पीएन मिश्रा, कार्यकारी अध्यक्ष विजय सिंह, सीसीएल अध्यक्ष रामराज सिंह, डीपी मौर्य, अनिल कुमार सिंह, समीर चक्रवर्ती, डीके पांडेय, क्षेत्रीय कमेटी की ओर से अनिल कुंवर, एसडी राम, इकबाल हुसैन, मनोज सिंह, रुपलाल महतो, जोधन प्रसाद, सुरेश कुमार, सिद्धनाथ सिंह, उमेश उरांव, मोजहिद इमाम, सुबोध कुमार, देवेंद्र कुमार आदि उपस्थित थे।

कल्याणपुर में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय विजेन कल्याणपुर में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर नई दिल्ली एम्स के एमडी सह सह चतरा लोकसभा क्षेत्र भावी सांसद प्रत्याशी डॉ अभिषेक कुमार सिंह की ओर से लगाया गया था, जिसमें पिपरवार के सैकडों लोगों शामिल हुए। उनके नेत्र की जांच कर निशुल्क दवा दी गई। जानकारी के अनुसार पेशे से चिकित्सक डॉ अभिषेक की राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं है, लेकिन नक्सलवाद प्रभावित अति पिछड़े क्षेत्र के विकास कायाकल्प करने को तैयार है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र मे बुनियादि सुविधा का घोर अभाव है। जिसके समाधान के लिए वह प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि चतरा संसदीय क्षेत्र के सुदूरवर्ती इलाको में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन कर आम लोगों को चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है।

बिरसा कॉलेज के अंग्रेजी विभागाध्यक्ष को दी गयी विदाई

खूंटी (आजाद सिपाही)। बिरसा कॉलेज के अंग्रेजी के विभागाध्यक्ष डॉ एसएसएन हैदर की सेवानिवृत्ति पर सोमवार को कॉलेज परिसर में समारोह आयोजित कर भावभीनी विदाई दी गई। कॉलेज की प्रभारी प्राचार्या प्रो जीके कीड़ो ने शॉल और बुके देकर विदाई की।

आइपीएस सहदेव साव ने सपरिवार की देवड़ी मंदिर में पूजा

तमाड़ (आजाद सिपाही)। नव पदस्थापित आइपीएस अधिकारी सहदेव साव मूल रूप से झारखंड के गिरिडीह रहने वाले हैं। जो पूर्व में रांची जोन के सिमडेगा में डीएसपी के पद पर कार्यरत थे। वे सोमवार को सावन की सोमवारी पर प्राचीन कालीन देवडी मंदिर में मुख्य पुजारी मनोज पंडा द्वारा सहपरिवार पूजा अर्चना की। उनके साथ में उनके मित्र आखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा युवा के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर मनीष सिंह भी अपने परिवार के साथ उपस्थित थे। इसके अलावा तमाड़ क्षत्रिय समाज के अध्यक्ष युवराज सिंह के व तमाड़ थाना के अनेको प्रशासनिक अधिकारी भी थे।

उर्सुलाइन कॉन्वेंट स्कूल में मनायी गयी सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती

मुंशी प्रेमचंद की रचनाएं समाज की प्रतिबिंब हैं : सिस्टर जयंती

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। उर्सुलाइन कॉन्वेंट स्कूल में सोमवार को कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती मनायी गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या सिस्टर जयंती द्वारा मुंशी प्रेमचंद के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। वहीं विद्यालय की उप-प्राचार्या सिस्टर नेली, हिंदी की वरिष्ठ शिक्षिका मिस अनिमा कांसीर, शिक्षिका सरोज किस्पोट्टा, मैडम रोजालिया और शिक्षक मुकेश कुमार सिंह ने भी मुंशी प्रेमचंद के चित्र पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम के दौरान कक्षा सात के विद्यार्थियों नें मुंशी प्रेमचंद की जीवनी पर प्रकाश डाला और उनके द्वारा रचित कुछ प्रसिद्ध उपन्यासों के प्रमुख अंशों का वाचन किया। इस मौके पर प्राचार्य सिस्टर जयंती ने कहा कि प्रेमचंद जैसे साहित्यकार विरले ही पैदा होते हैं। उनकी रचनायें समाज का प्रतिबिंब हैं। उनके द्वारा रचित उपन्यास आज के परिदृश्य में बिलकुल उचित बैठती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा की आज की पीढ़ी पढ़ाई छोड़कर मोबाइल में व्यस्त हो गई है। वे अपना खाली समय ऐसे ही मोबाइल में बिता देते हैं, जबकि ऐसे खाली समय का उपयोग साहित्यिक रचनाओं को पढ़ने में करना चाहिए। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों से विद्यालय के पुस्तकालय का भी लाभ लेने को कहा। उन्होंने बताया कि विद्यालय के पुस्तकालय में विभिन्न प्रकार की किताबें हैं जिन्हें समय-समय पर जारी कर-के पढ़ने से ज्ञान वृद्धि तो होती ही है। किताबें पढ़ने की आदत भी बनती है। कार्यक्रम में कमलजीत की अहम भूमिका दिखी। वहीं आदित्य गोस्वामी और आनंद कुमार ने मुंशी प्रेमचंद के जीवन परिचय, अनन्य कुमारी ने परीक्षा कहानी का वाचन एवं कविता पाठ खुशबू कुमारी ने किया। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन कोमल कुमारी और अदिति कुमारी ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक, शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

मुंशी प्रेमचंद के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित करती सिस्टर जयंती।

बहेरा में मुहर्रम मेला सह लाठी खेल प्रतियोगिता का आयोजन

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बहेरा मुर्हरम कमेटी और मुहर्रम नवयुवक कमेटी कल्याणपुर के संयुक्त तत्वाधान में मुहर्रम लाठी खेल प्रतियोगिता सह सद्भावना मेला का आयोजन किया गया। इस दौरान मातमी जुलूस बहेरा अखाड़ा से कल्याणपुर अखाडा तक निकाला गया। जो विभिन्न रास्तों का भ्रमण करते हुए वापस बहेरा मेला टांड पहुंचा। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में अशोका परियोजना पदाधिकारी संजय कुमार के अलावा टंडवा बीडीओ रंथु महतो, इंस्पेक्टर विजय कुमार सिंह, पिपरवार थाना प्रभारी गोविंद कुमार, अवर निरीक्षक रूपेश महतो, टण्डवा मध्य जिला परिषद सदस्य सह बीस सूत्री अध्यक्ष सुभाष यादव मौजूद थे। मेला सह लाठी खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन सामूहिक रूप से किया गया। जिसके बाद विभिन्न इलाकों से आए टीमों द्वारा एक से बढ़कर एक हैरतअंगेज खेल दिखाया गया। प्रतियोगिता में यादे हुसैन कमेटी कसियाडीह, हुसैन कमेटी गर्री, यादे हुसैन कण्डाबेर, यादे हुसैन राहम, कुरसे गरीब नवाज लोहरदगा, नवयुवक कमेटी सराढु ने हिस्सा लिया। समारोह की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष कासिम उर्फ मुन्ना और संचालन सलीम जावेद ने किया। इस मौके पर बहेरा मुखिया रेखा कुमारी, मोहम्मद असलम, हाजी कमालुद्दीन, इस्लाम अंसारी, विद्यापति सिंह, सुभान मियां, अब्दुल अंसारी, आशिक अली, तस्दीक अंसारी, मंजुर आलम, मोहम्मद अली, मोहम्मद इरफान, क्यूम अंसारी, इदरीस अंसारी, मोहम्मद जुल्फान कुद्दुस अंसारी, शकील अंसारी, जाहिद आलम, हाजी शहनवाज, लियाकत अंसारी आदि उपस्थित थे।

अनगड़ा में प्रमंडल स्तरीय प्री सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग झारखंड सरकार के द्वारा झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद रांची के तत्वावधान में सोमवार से प्रमंडल स्तरीय 62वीं सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू हुई। इस प्रतियोगिता में दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के सभी पांच जिले रांची, खूंटी, लोहरदगा, गुमला और सिमडेगा की अंडर 14 बालक, अंडर 17 बालक एवं अंडर 17 बालिका कुल तीन वर्गों में 15 टीमें भाग ले रही हैं। सोमवार 31 जुलाई से 2 अगस्त 2023 तक बिरसा मुण्डा फुटबॉल स्टेडियम रांची में चलने वाली इस प्रतियोगिता का उदघाटन मुख्य अतिथि दक्षिणी छोटानागपुर की क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक अलका जायसवाल ने किया। मौके पर अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी दीप्ति कुमारी, अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी कौशल किशोर, सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी विनय बंधु कच्छप आदि ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उदघाटन मैच शुरू कराया। पहला मैच अंडर 17 बालक में एसएस प्लस टू उवि सिमडेगा ने उवि कर्रा खूंटी को 2-0 से पराजित किया। दूसरे मैच में संत पीएस उवि रामपूर गुमला ने अंडर 17 बालिका में केजीबीवी मुरहू खूंटी को 1-0 से हराया। संत इग्नियसस उवि गुमला ने आरसीएम उवि सिमडेगा को 6-0 से पराजित किया। प्रतियोगिता का समापन 2 अगस्त को होगा। प्रतियोगिता को सफल बनाने में आनंद कुमार, जयंत कुमार, निर्मल बड़ाईक, मनोज कुमार, पंकज तिर्की, मो इम्तियाज, जफर इमाम, समीर चैधरी, देवचरण कच्छप, प्रदीप महतो आदि का योगदान रहा।

आजसू पार्टी ने पंचायत स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट का किया आयोजन, बानपुर की टीम बनी विजेता

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। आजसू पार्टी द्वारा सोमवार को बोंगईबेड़ा पंचायत स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पंचायत के गंगाघाट मैदान में आयोजित इस टूर्नामेंट में छह टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल मुकाबला बानपुर और बोंगईबेड़ा की टीम के बीच खेला गया। जिसमें बानपुर की टीम ने पेनाल्टी शुटआउट में बोंगईबेड़ा की टीम को 1-0 से पराजित कर पंचायत की विजेता बनी। इस अवसर पर आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि आजसू के पूर्व प्रत्याशी पारसनाथ उरांव ने विजेता, उपविजेता सहित प्रतिभागी सभी टीमों को नकद राशि एवं जर्सी व फुटबॉल देकर पुरस्कृत किया। मौके पर पारसनाथ उरांव ने कहा कि आजसू पार्टी ग्रामीण क्षेत्र में खेल को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए प्रयासरत है। इस क्रम में गांव-गांव में पार्टी द्वारा फुटबॉल एकडेमी एवं तिरंदाजी केन्द्र खोला जा रहा है ताकि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाएं उभरकर देश का नाम रौशन कर सकें। मौके पर आजसू के जिला उपाध्यक्ष जलनाथ चौधरी, प्रखंड अध्यक्ष जगरनाथ महतो, अर्जुन राम, सुरेन्द्र महतो, गणेश उरांव, देवकी देवी, मनोज उरांव, सुनील उरांव, बिरसा उरांव, आकाश उरांव, पवन महतो, चेतलाल महतो, लीलावती देवी, ज्योति मुण्डा, पुनम देवी, बासुदेव उरांव, राजेश तिर्की, संदीप उरांव, प्रदीप महतो, संदीप तिर्की, प्रकाश तिर्की आदि मौजूद थे।

सोहोवती देवी पब्लिक स्कूल चिलदाग में महान साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की जयंती मनायी गयी

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। सोहोवती देवी पब्लिक स्कूल चिलदाग में सोमवार को महान साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर प्रेमचंद के जीवन और साहित्य पर चर्चा की गई। बताया गया कि मुंशी प्रेचंद ने तीन सौ तेरह कहानियां, चौदह उपन्यास और चार नाटक लिखकर हिन्दी और उर्दू साहित्य के क्षेत्र में असीम सफलता हासिल की। अपनी लेखनी में उन्होंने गरीबो, शोषितों, पीड़ितों, दलितों और महिलाओं की पीड़ा को बयां किया है। मौके पर शिक्षकों के मार्गदर्शन में बच्चों ने प्रेमचंद की कहानियों को स्मरण किया।

उकरीद से लापता व्यक्ति छह दिन बाद घर लौटा

ओरमाझी (आजाद सिपाही)। ओरमांझी के उकरीद से घर से लापता व्यक्ति रामानंद चौधरी छह दिनों बाद सोमवार शाम को अपने घर ओरमांझी लौट आया। रामानंद चौधरी को देख परिजनों की खुशी का ठिकाना न रहा। पूछे जाने पर कहां गये थे कुछ नहीं बता रहे हैं। रामानंद चौधरी को घर पहुंचाने वाला व्यक्ति खटंगा के रामसाय उरांव हैं। वह व्यक्ति रामसाय को कहां से लेकर आया, यह बताने से परिजन बचते दिखे।

कार्यक्रम : मुख्यमंत्री के प्रतिनिधिमंडल ने दिवंगत सुभाष मुंडा के परिजनों से की मुलाकात

परिजनों को अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी और कड़ी सजा दिलाने का दिया आश्वासन

प्रतिनिधिमंडल ने दिवंगत सीपीएम नेता के चित्र पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

रातू/पिस्कानगड़ी। मुख्यमंत्री का प्रतिनधि मंडल सोमवार की दोपहर स्व. सुभाष मुंडा के घर दलादिली पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने स्व. सुभाष मुण्डा के चित्र पर माल्यार्पण किया एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रतिनिधिमंडल में पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश ठाकुर, खिजरी विधायक राजेश कच्छप एवं तमाड़ विधायक विकास मुंडा शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने स्व. सुभाष मुण्डा के पिता ललित मुण्डा, माता व भाइयों से मिलकर उन्हें ढाढ़स बंधाया।

इस दौरान मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने परिजनों को अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी व कड़ी सजा देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि स्व. सुभाष मुंडा सौम्य, सरल और जनता के सुख दुख में हमेशा साथ रहने वाले व्यक्ति थे। सुभाष मुंडा के निधन को समाज और राज्य के लिए बड़ा नुकसान बताते हुए कहा कि हमने एक ऐसा व्यक्ति को खो दिया जिनकी समाजसेवा के क्षेत्र में भूमिका हमेशा रहती थी। सीपीएम नेता सुभाष मुंडा की हत्या से पूरा झारखंड मर्माहत है। सरकार ने एसआईटी का गठन कर दिया है। जल्द ही हत्यारे पुलिस की गिरफ्त में होंगे। इस दौरान सुभाष मुंडा के पिता ललित मुंडा ने मुख्यमंत्री से मिलकर अपनी बातों को रखने की इच्छा जताई व अपराधियों को फांसी देने व सीबीआई जांच की मांग रखी। उन्होंने दलादिली चौक में सीसीटीवी कैमरा लगाने की भी मांग की।

मौके पर मंत्री मिथिलेश ठाकुर के अलावा तमाड़ विधायक विकास मुंडा, खिजरी विधायक राजेश कच्छप, पूर्व डिप्टी मेयर अजय नाथ शाहदेव, पूर्व सांसद रामटहल चौधरी, झामुमो जिला अध्यक्ष मुस्ताक आलम, उपाध्यक्ष कलाम आजाद, अब्दुल कलाम, सरना समिति के अध्यक्ष व पूर्व जिप सदस्य अमर उरांव, झामुमो रातू प्रखंड अध्यक्ष बेलाल अंसारी, असलम अंसारी, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष कुशल उरांव, विनोद तिर्की, सोमनाथ उरांव, झामुमो नगड़ी प्रखंड अध्यक्ष विनोद तिर्की, राखी देवी, रमेश लाल शाहदेव, अख्तर अंसारी, ग्रामीण एसपी हारिस बीन जमां, डीएसपी प्रवीण कुमार सिंह, नगड़ी थाना प्रभारी रोहित कुमार के अलावा अन्य लोग मौजूद थे।

सांसद प्रतिनिधि ने मनातू पंचायत के टेंडर बस्ती में 150 धुआंरहित लकड़ी चूल्हों का किया वितरण

कहा- खिजरी और कांके विधानसभा क्षेत्र के बीपीएल परिवार को चिन्हित कर 10 हजार धुआंरहित चूल्हे बाटने का लक्ष्य है

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम। भाजपा अनुसूचित जाति एसी मोर्चा ग्रामीण जिला मंत्री, सांसद प्रतिनिधि खिजरी सह नामकुम समाजसेवी अशोक नायक ने सोमवार को कांके प्रखंड अंतर्गत मनातू पंचायत के टेंडर बस्ती में 250 धुआंरहित (कोर कार्बन चूल्हा) का निशुल्क वितरण किया।

इस मौके पर अशोक ने कहा खिजरी और कांके विधानसभा क्षेत्र के बीपीएल परिवार को चिन्हित कर 10 हजार धुआंरहित चूल्हे बाटने का मेरा लक्ष्य है। बताया कि कोर कार्बन के इस चूल्हे से महिलाओं को पर्यावरण एवं स्वास्थ्य सुरक्षा में लाभ मिलेगा। इसमें अन्य चूल्हे की अपेक्षा 50 प्रतिशत लकड़ी कम लगेगी, चूल्हा धुआंरहित होगा और खाना भी जल्दी तैयार हो जायेगा।

मौके पर मुख्य रुप से जिला मीडिया प्रभारी रामकुमार दुबे, मनातू मुखिया पुनम देवी, पूर्व मुखिया सह सांसद प्रतिनिधि कांके थानों मुंडा, पुस्मति देवी, तुलसी गोप, अनील कुमार महतो, पंकज कुमार, श्याम प्रकाश, मनोज कुमार, आरती देवी, सीता लकड़ा, मंजू देवी, सुषमा नाग, सबिता देवी, रीता देवी, पुनम देवी, संकुंतला देवी, रीमा देवी, अनिता देवी, आरती देवी, सीता देवी, गुंजन देवी के साथ सैकड़ों महिला-पुरुष उपस्थित थे।

केसीबी कॉलेज बेड़ो में विदाई समारोह आयोजित

शिक्षकों, विद्यार्थियों व कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त प्राचार्य को शॉल ओढ़ाकर और पुष्प गुच्छ देकर किया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। करमचंद भगत महाविद्यालय बेड़ो में संस्थान के प्राचार्य डा. राजा अजीत कुमार की सेवानिवृत्ति पर सोमवार को विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का उद्घाटन प्राचार्य व अन्य शिक्षकों ने मां सरस्वती व स्वामी विवेकानंद की तस्वीर के समीप दीप जलाकर किया। वहीं समारोह में शिक्षकों, विद्यार्थियों व कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त प्राचार्य को शॉल ओढ़ाकर व पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। स्वागत भाषण डा. आशा रानी लकड़ा ने किया। समारोह में शिक्षकों में डा. बीरेन्द्र प्रसाद, डा. डेलोमयी हंसदा, डा. अरूण नाथ देवघरिया, डा. अब्दुल अइयुब, डा. मगदली खलखो, डा. सुजाता बाला, डा. स्मिता गुप्ता व प्रो. प्रदीप अधिकारी आदि ने अपने विचार रखे। वहीं समारोह को सफल बनाने में शिक्षकों में नीरू कुमारी, पुष्पा केरकेट्टा, दीपशिखा, अंजू गुप्ता, ब्रह्मानंद साहू, रितेश कुमार सिंह, अविनीत तिर्की, नितेश पासवान, निरंजन कुमार व विद्यार्थियों में आकाश रक्षित, सोनम कुमारी, श्रीमंत चटर्जी, विक्रम कुमार ने सराहनीय योगदान दिया। धन्यवाद ज्ञापन डा. विंध्याचल राम ने किया।

विधायक ने विस में लापुंग के तीन गांवों को बेड़ो में मिलाने की मांग रखी

बेड़ो/लापुंग (आजाद सिपाही)। मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने लापुंग प्रखंड के तीन गांव- सहेदा, ताबेरकला व ताबेरखुर्द को बेड़ो प्रखंड से जोड़ने की मांग की है। उन्होंने झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान सोमवार को शून्यकाल में विधायक ने सदन में मांग रखी है। उक्त तीनों गांवों की लापुंग प्रखंड मुख्यालय से लगभग 29 किलोमीटर की दूरी है। इसके कारण ग्रामीणों को प्रखंड मुख्यलय आने जाने में बहुत अधिक असुविधा होती है। वहीं बेड़ो प्रखंड से उक्त गांवों की दूरी मात्र 6 किलो मीटर ही है। इन तीनों गांवों को बेड़ो प्रखंड में शामिल कर देने से उक्त तीनों गांव के ग्रामीणों को काफी सुविधा होगी। ज्ञात हो कि तीनों गांव के ग्रामीण वर्षों से बेड़ो प्रखंड में शामिल करने की मांग करते आ रहे हैं।

नगड़ी में बाइक की चोरी

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। नगड़ी थाना क्षेत्र के चेकपोस्ट स्थित दास फुटवेयर दुकान के समीप से नारो महतो टोली निवासी किसान दिनेश महतो की ब्लू रंग की स्पेलेंडर प्लस -ँ 0 2 उट - 8772) को अज्ञात चोर लेकर भाग गये। इस संबंध में बाइक मालिक किसान दिनेश महतो और आसपास के दुकानदार काफी खोजबीन किये। नहीं मिलने पर किसान दिनेश महतो ने नगड़ी थाना पहुंच कर इस संबंध में प्रथामिकी दर्ज करायी है।

कार्यक्रम : राज्यपाल ने कांके और ओरमांझी में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का किया दौरा

राज्यपाल ने बातचीत के क्रम में छात्राओं को दिये जीवन में सफलता के मूल मंत्र

राज्यपाल का विद्यालय की छात्राओ ने पारंपरिक नृत्य और बैंड ग्रुप से स्वागत किया

आजाद सिपाही संवाददाता

कांके में कस्तूरबा आवासीय विद्यालय के शिक्षकों के साथ और ओरमांझी में विद्यालय की छात्राओं से मिलते राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन।

कांके/ओरमांझी। झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कांके और ओरमांझी में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय कांके का दौरा किया।

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय कांके में राज्यपाल के आने से विद्यालय के शिक्षकों सहित छात्राओं में काफी खुशी देखी गई। छात्राओं द्वारा पांरपारिक नृत्य और बैंड ग्रुप द्वारा उनका स्वागत किया गया। राज्यपाल ने छात्राओं से बातचीत के क्रम में उन्हें जीवन में सफलता का मूल मंत्र दिया। कहा कि हम कैसे जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इसके लिए दिमाग में एक साथ बहुत चीजों के बारे में नहीं सोचें। अगर आप किसी विषय को पढ़ रहे हैं और कुछ समझ में नहीं आ रहा है, तो ऐसी स्थिति में उस विषय को पढ़ना छोड़ देना चाहिए। जो आसान विषय है उसे ही पढ़ें। अगर आप एक विषय में अट-के रहेंगे तो बाकी सिलेबस पूरा करना संभव नहीं होगा। इसलिए शिक्षकों से पूछिए उनका मार्गदर्शन प्राप्त कीजिए और कठिनाइयों को हल कीजिए। कठिनाइयों से डरना नहीं चाहिए। राज्यपाल ने दसवीं परीक्षा जैक बोर्ड से राज्य के सभी कस्तूरबा विद्यालय में टॉप करने वाली अंशु मुंडा को मोमेंटो देकर सम्मानित भी किया। राज्यपाल विद्यालय के विज्ञान लैब, आईटीसी कमरों, डायनिंग हॉल, महावारी प्रबंधन कक्ष, रसोई, उद्यान शाखा, खेलकूद ग्राउंड, छात्रावास, जीम, विज्ञान कक्ष, स्मार्ट क्लासेस को भी देखा और इसके बारे में जानकारी प्राप्त की। विज्ञान प्रदर्शनी में दर्जनों स्टॉलों की बारी बारी से जानकारी ली। 11वीं की छात्रा द्वारा प्रश्न किया गया कि हम कैसे जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे, इस पर राज्यपाल ने छात्रा को सफलता का मूल मंत्र समझाया। इससे पहले राज्यपाल ने बाल संसद की चॉकलेट का भी वितरण किया। राज्यपाल को विद्यालय परिवार द्वारा सोहराय पेंटिंग्स और शॉल देकर सम्मानित किया गया। राज्यपाल ने शिक्षकों और छात्राओं के साथ ग्रुप फोटोग्राफी भी करायी। इस दौरान कांके बीडीओ शीलवंत भट्ट, वार्डन अंजली गांगुली, शिक्षिका रेशमा परवीन, रशमी कुमारी, सरिता तिर्की, बिंदु, सुष्मिता, अंशु, प्रतिमा, सुमन, सरिता कुमारी व विनोद उपस्थित थे।

वहीं राज्यपाल ने दौरा के क्रम में ओरमांझी प्रखंड के चेतनबारी स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय की बालिकाओं का कुशल क्षेम जाना। कस्तूरबा गांधी विद्यालय की बालिकाओं के द्वारा राज्यपाल का बैंड की धुन पर भव्य स्वागत किया गया। राज्यपाल ने प्रथम से बारह कक्षा की बच्चियों से उनके कक्षा में जाकर पढ़ाई-लिखाई के बारे में जाना। छात्रावास में भोजन और रख रखाव की जानकारी भी बालिकाओं से ली। सभी कक्षा की बालिकाओं के बीच राज्यपाल ने उपहार स्वरूप चॉकलेट भेंट किया। दो घंटे बच्चियों के साथ बिताने के बाद महामहिम राजभवन लौटे।

राज्यपाल के स्वागत में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका, बीईओ, डीएसइ मिथिलेश केर-केट्टा, डीएसपी क्रिस्टोफर केर-केट्टा, सीओ विजय केरकेट्टा, बीडीओ विजय कुमार सोनी, थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह समेत पूरा प्रखंड प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद दिखा।

महत्वपूर्ण न्यूज

बुढ़मू के बिंजा गांव में झारखंड मुक्ति मोर्चा का सदस्यता अभियान सह जनसभा आयोजित

बुढ़मू (आजाद सिपाही)। बुढ़मू प्रखंड के अंतिम गांव बिंजा में झारखंड मुक्ति मोर्चा का एक दिवसीय सदस्यता अभियान सह जन सभा का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष भुनेश्वर साहू ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष मुश्ताक आलम, विशिष्ट अतिथि जिला सचिव हेमलाल मेहता, जिला उपाध्यक्ष अश्विनी शर्मा एवं बतौर अतिथि शमीम बड़ेहार, लाला महली, जावेद अख्तर, आरती देवी, मालती देवी, सुनीता देवी एवं अन्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मुस्लिम लाल मांझी ने किया। इस दौरान बिंजा पंचायत के सैकड़ों लोगों ने झामुमो की सदस्यता ग्रहण की। जिन्हें अतिथियों ने माला एवं पार्टी का पट्टा देकर स्वागत किया। इस दौरान जिला अध्यक्ष मुश्ताक आलम ने कहा कि जो कंपनियां यहां पर आकर यहां के गरीबों को बगैर मुआवजा दिए उन्हें विस्थापन करने की कोशिश कर रही हैं, यह कतई होने नहीं दिया जाएगा। हम कल ही इस संबंध में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर स्थिति से अवगत कराएंगे तथा इस क्षेत्र की जनता की समस्या को दूर करेंगे। आज की मीटिंग में जिन लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की उनमें मुख्य तौर पर महेंद्र हंसदा, सुरेश मरांडी, राज टुडू, अशोक मरांडी, महादेव टुडू, राधा मरांडी, शंकर मांझी, चरकू मांझी, रमेश टुडू, विनोद मांझी, श्रीराम टुडू, चकलेश्वर, अजय मरांडी, ललिता हंसदा, खुशबू सोरेन, साहब राम मांझी आदि लोग थे।

आरटीसी कॉलेज में प्रेमचंद की जयंती मनायी गयी

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। आरटीसी कॉलेज दड़दाग में प्रखर साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की जयंती मनाई गई। साहित्यकार की जयंती को कॉलेज परिवार के द्वारा प्रेम दिवस लव विद नेचर के रूप में मनाया गया। कॉलेज के विवेकानंद समागार में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रेमचन्द की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया गया। मौके पर उपस्थित मुख्य अतिथि पूर्व सांसद राम टहल चौधरी ने मुंशी प्रेमचंद की जीवनी पर प्रकाश डाला। मौके पर उपस्थित पूर्व उप प्रमुख जय गोविंद साहू उर्फ लालू साहू, पंसस ललिता मेहता, डॉ. पारस नाथ महतो एवं प्रो. इमरान अंसारी ने अपने विचार रखे। मुंशी प्रेमचंद की जयंती पर पौधा लगाकर पूरे पखवारा पौधरोपण करने का संकल्प किया गया। पौधा लगाकर सेल्फी प्रतियोगिता की भी शुरुआत की गई। इस अवसर पर बी.बी. नीरज, एकबाल अंसारी, रीता कुमारी, योगेन्द्र ठाकुर, रामकुमार महतो, कैलाश ठाकुर, शशि मिश्रा, आर.एल. पांडेय, रेणु चौधरी, मीनू कुमारी, अनुराधा कुमारी सहित कॉलेज के प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

रातू प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी को दी गयी विदाई

रातू (आजाद सिपाही)। प्रखंड कर्मियों की ओर से सभागार में सोमवार की शाम बिदाई समारोह का आयोजन किया गया। प्रखंड कर्मियों द्वारा आयोजित एक सादे समारोह में लोगों ने सहकारिता पदाधिकारी देवेंद्र पांडेय को भावभीनी विदाई दी। वक्ताओं ने श्री पांडेय के कार्यकाल की खूब तारीफ की। वक्ताओं ने कहा कि एक स्वच्छ, ईमानदार पदाधिकारी हमलोगों के बीच से जा रहे हैं। इनकी कमी इनके जाने के बाद हमलोगों को खलेगी। वहीं श्री पांडेय ने कहा कि यहां के लोगों का ढेर सारा स्नेह, प्यार व आशीर्वाद मिला है। अपने इस कार्यकाल को मैं कभी भुला नहीं पाऊंगा। इसके उपरांत दोनों सहकर्मियों ने उन्हें बुके, फूल व उपाहार देकर उन्हें विदाई दी। कार्यक्रम में राजेश श्रीवास्तव, अर्चना देवी, बीएसओ मनोज कुमार, शमीम मंसूरी, अनिल उपाध्याय, राधेश्याम पांडेय, तैयब अंसारी, राजीव कुमार, बेलाल अंसारी के अलावा अन्य लोग उपस्थित थे।

नामकुम प्रखंड कार्यालय में विदाई समारोह आयोजित

नामकुम (आजाद सिपाही)। प्रखंड कार्यालय नामकुम में सोमवार को सेवानिवृत्ति सह विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें प्रखंड नामकुम से सेवानिवृत्त हुये पंचायत सचिव मादी उरांव, स्थानांतरित प्रधान लिपिक शिलवंती शांति एक्का एवं प्रधान सहायक सह प्रखंड नाजिर कुमार रितेश को पुष्प गुच्छ एवं माला पहना कर विदाई दी गयी। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी ने सभी लोगों को संबोधित करते हुये कहा कि जिस दिन हम लोग सेवा में आते है, उसी दिन हमारा सेवानिवृत्ति का तिथि तय हो जाता है। हमारे जीवन का यह अहम हिस्सा है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारियों, कर्मियों ने सेवानिवृत्त एवं स्थानांतरित कर्मियों को अपनी शुभकामनाएं एवं स्वस्थ जीवन की कामना करते हुये उनके उज्जवल भविष्य की बधाई दी।

अनगड़ा में स्कूली बच्ची के साथ गैर जरूरी हरकत होने की आशंका, पुलिस मामले की छानबीन में जुटी

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के एक गैर सरकारी स्कूल में पढ़ने वाली पांच वर्षीय एक मासूम बच्ची के साथ गैर जरूरी हरकत होने की आशंका के मद्देनजर सोमवार को अनगड़ा पुलिस दिनभर हलकान रही तथा स्कूल जाकर छानबीन करती रही। घटना के संबंध में बताया गया कि बच्ची के अचानक बीमार पड़ जाने तथा खाने-पीने में रूची नहीं रखने को देखते हुए अभिभावक बच्ची के साथ किसी तरह की अनहोनी की आशंका के कारण उसे मेडिकल चेकअप के लिए सीएचसी गोंदलीपोखर लाए थे। जहां महिला चिकित्सक ने उसके प्राइवेट पार्ट में रेडनेस होने की बात कह कर उसे सदर अस्पताल रांची रेफर किया था। किन्तु बच्ची के घर वाले उसे सदर अस्पताल नहीं ले जाकर घर ले गए। परंतु घर ले जाने के बाद बच्ची की स्थिति बिगड़ने लगी और मामला अनगड़ा पुलिस तक पहुंचा। पुलिस सूत्रों के अनुसार मंगलवार को बच्ची की मेडिकल जांच करायी जाएगी। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई करने की बात पुलिस द्वारा कही जा रही है।

प्रेस कांफ्रेंस : गढ़वा की सभी जर्जर सड़कें बनेंगी बेहतर, आवागमन होगा सुलभ

80 करोड़ की लागत से जिले में बनेंगी 25 सड़कें : मंत्री मिथिलेश

सड़कों का विशेष मरम्मति कार्य के लिए झारखंड सरकार ने स्वीकृति प्रदान कर दी है

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। जिले में 10 वर्ष पूर्व निर्मित जर्जर हो चुकी सड़कें भी अब पूरी तरह से बेहतर बन जाएंगी। लगभग 80 करोड़ रुपए की लागत से 25 सड़कों का विशेष मरम्मति कार्य कराया जाएगा। झारखंड सरकार ने इसकी स्वीकृति प्रदान कर दी है। सात पैकेज में विभक्त कर इन सड़कों का मरम्मति कार्य कराया जाएगा।

जानकारी देते हुए गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने बताया कि विशेष मरम्मति योजना के तहत 10 वर्ष से अधिक समय पूर्व निर्मित जर्जर हो चुकी सड़कों का विशेष मरम्मति कार्य कराया जाएगा। इसके तहत रंका प्रखंड के बुढ़ापरास से बांदु चुतरू तक 7.9 किमी सड़क का नौ करोड़, 69 लाख, 76 हजार, 800 रुपए की लागत से विशेष मरम्मति कार्य कराया जाएगा। जबकि चिनियां प्रखंड में कठौतिया से हेताड़कला तक एक करोड़, 52 लाख, 36 हजार, 200 रुपए की लागत से 1.77 किमी, मेराल प्रखंड के देवगाना मोड़ से देवगाना तक एक करोड़, 52 लाख, 73 हजार, 400 रुपए की लागत से 1.3 किमी, मेराल से मकुना तक 36 लाख, 94 हजार,

500 रुपए की लागत से आधा किमी, टी 03 से कुंभी तक दो करोड़, 45 लाख, सात हजार, 300 रुपए की लागत से 2.92 किमी, एल 047 से केवार टोला तक दो करोड़, पांच लाख, 97 हजार, 900 रुपए की लागत से 2.4 किमी, चट्टान टोला से साव टोला तक एक करोड़, 13 लाख, 33 हजार, 600 रुपए की लागत से 1.2 किमी, टी 02 से कमरमा तक तीन करोड़, 52 लाख, 20 हजार, 100 रुपए की लागत से 3.59 किमी, गढ़वा प्रखंड के गढ़वा-चिनियां पीडब्लयूडी रोड कल्याणपुर से पेसका आरईओ रोड होते हुए जाटा पुल तक एक करोड़, 87 लाख, नौ हजार, 800 रुपए की लागत से 1.77 किमी, मेराल प्रखंड के टी 03 से चोरपनियां टोला तक 39 लाख, 22 हजार, 200 रुपए की लागत से 0.55 किमी, अंरगी से दलेली तक दो करोड़, 46 लाख, 32 हजार, 900 रुपए की लागत से 2.63 किमी, गढ़वा-मझिआंव पीडब्लयूडी पथ से खोलरा होते हुए मुरलीबांध तक एक करोड़, 43 लाख, 73 हजार रुपए की लागत से

जिले के लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी

मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि जिले की सभी जर्जर हो चुकी सड़कों को पुनर्जीवित कर बेहतर बनाया जाएगा। जिले के हर कोने में लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। जिले भर में जर्जर हो चुके सड़कों का लंबे समय से मरम्मत कार्य नहीं किया गया है। क्रमवार सभी जर्जर सड़कों का विशेष मरमती कार्य कराया जाएगा। मंत्री ने कहा कि वे एक बार में गढ़वा के लिए जितनी योजनाएं ला रहे हैं, उतना तो पूर्व के लोगों ने अपने पूरे कार्यकाल में भी नहीं कराया है। गढ़वा में हो रहे विकास कार्यों की इसी गति के कारण विपक्षियों की नींद हराम हो गई है।

1.32 किमी, पीडब्लयूडी रोड छपरवार खूर्द से छपरवार कला नहर तक दो करोड़, 93 लाख, 84 हजार, 500 रुपए की लागत से 3.82 किमी, डंडा प्रखंड में पीएमजीएसवाई रोड गोबरदाहा से चक छपरदागा तक दो करोड़, 27 लाख, एक हजार 700 रुपए की लागत से 2.किमी, गढ़वा प्रखंड के एल 048 से गरनाहा तक 3 करोड़, 65 लाख, 94 हजार रुपए की लागत से 4.3 किमी, नवादा आरईओ रोड दमदुआ मोड़ से बिंद टोला होते हुए समाहरणालय गेट तक 2 करोड़, 17 लाख, 83 हजार चार सौ रुपए की लागत से 2.7 किमी, मेराल प्रखंड के मेराल पश्चिमी एनएच 75 मेराल बस स्टैंड से मेराल रेलवे स्टेशन वाया अकड़ी टोला तक दो करोड़, 69 लाख, 30 हजार, 800 रु की लागत से 3.4 किमी, एनएच 75 बाना महुआ से बना मध्य विद्यालय तक एक करोड़, 26 लाख, 64 हजार रुपए की लागत से 1.8 किमी, मेराल रेलवे लाइन से मकुना पीएमजीएसवाई रोड तक एक करोड़, 54 लाख, 66 हजार, 400 रुपए की लागत से 1.7 किमी, रंका प्रखंड के गोदरमाना इमली हाटदोहर से जनेवा तक 6 करोड़, 46 लाख, 200 रुपए की लागत से 6.6 किमी, चिनिया प्रखंड के रंका चिनियां मुख्य पथ हेतार कला पंचायत भवन से हथबझवा तक 2 करोड़, 74 लाख, 67 हजार, 300 रुपए की लागत से 2.6किमी, रंका प्रखंड के विश्रामपुर यूट्यूब चौक आवासीय विद्यालय ढेंगुरा (कुदरूम) तक 2 करोड़, 55 लाख, 57 हजार रुपए की लागत से 2.8 किमी, रंका थाना मोड़ से टिमन बाजार रमकंडा पथ तक 10 करोड़, 45 लाख, 74 हजार, 900 रुपए की लागत से 15.6 किमी, भंडरिया प्रखंड के भंडरिया सिकरिया मेन रोड से जोन्हीखांड होते हुए सिजो मोड़ रमकंडा मुख्य पथ तक 9 करोड़, 21 लाख, 13 हजार,100 रुपए की लागत से 10.05 किमी तथा रंका प्रखंड के रंका चिनियां पीडब्ल्यूडी पथ रबदा से रबदा राजकीय मध्य विद्यालय होते हुए कंचनपुर शिव मंदिर तक एक करोड़, 75 लाख 20 हजार,100 रुपए की लागत से 2 किलोमीटर सड़क का विशेष मरम्मत कार्य कराया जाएगा।

मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर डीसी ने की समीक्षा बैठक

निर्वाचन अधिकारी और कर्मी पूरी जिम्मेदारी से करें काम : उपायुक्त

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी शशि रंजन ने सोमवार को डीआरडीए सभागार में मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर सभी इआरओ, एइआरओ के साथ समीक्षा बैठक की। जिसमें डीसी ने मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत चल रहे कार्य जैसे घर-घर सत्यापन, पन्ना सत्यापन, फॉर्म जुटाने और निपटाने, बूथ सत्यापन, बूथ युक्तिकरण, एएमएफ, आदि कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने बारी-बारी से सभी इआरओ और एइआरओ से इवीएम मशीन, पोलिंग बूथ, पोलिंग लोकेशन, घर-घर सत्यापन आदि की जानकारी ली। साथ ही सभी पदाधिकारियों को बीएलओ रजिस्टर पढ़ने व समझने की सलाह दी। डीसी ने सभी इआरओ, एइआरओ व सबंधित कर्मियों को हिदायत देते हुए कहा कि निर्वाचन संबंधित कार्य में सबंधित पदाधिकारी जिम्मेवारी के साथ काम करें अन्यथा कोताही बरतने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते डीसी शशि रंजन।

डीसी ने घर-घर सर्वे में अपेक्षित प्रगति नहीं पाये जाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि अगले सप्ताह तक फॉर्म प्राप्त करने में अधिक से अधिक प्रगति की उपलब्धि दिखनी चाहिए। अन्यथा संबंधित एइआरओ के साथ ही बीएलओ सुपरवाइजर, बीएलओ की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले के वरीय पदाधिकारी घर-घर सर्वे कार्य का निरीक्षण प्रतिवेदन समय-समय पर मुझे सौंपते रहेंगे। कोई बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर फील्ड में नहीं पाये जाते पर निर्वाचन कार्य की जिम्मेदारियों में लापरवाही को देखते हुए विधि समस्त कार्रवाई की अनुशंसा की जाएगी। घर-घर सर्वे कार्य के दौरान किसी भी योग्य मतदाता का नाम मतदाता सूची में दर्ज होने से नहीं छूटने पाये, इसके लिए प्रत्येक घरों तक अनिवार्य रूप से पहुंचने का निर्देश सभी इआरओ एवं एईआरओ को दिया। साथ ही मृत/स्थानांतरित मतदाताओं की पहचान कर विहित प्रपत्र में आवेदन जमा लेने का निर्देश दिया। डीसी ने प्रत्येक बूथों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता जैसे पेजयल, शौचालय, रैम्प, कमरों में वेंटिलेशन व रोशन आदि का निरीक्षण करने और मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 के अंतर्गत प्राप्त आंकड़ों का निराकरण 17 अक्टूबर से 30 नवंबर तक पोर्टल के माध्यम से शुद्ध सूची बनाने का निर्देश दिया। गौरतलब हो कि जिले में मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2024 कार्यक्रम 21 जुलाई से 21 अगस्त तक चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत मतदाता सूची में नाम जोड़ना, हटाना, नाम,पता आदि त्रुटियों को शुद्ध करने, मृत, स्थानांतरित, फोटो अपडेट करने आदि से संबंधित कार्य किये जा रहे हैं। नाम जोड़ने के लिए बीएलओ के माध्यम से फॉर्म 6 भरना होगा। नाम हटाने के लिए फॉर्म 7, एनआरआई मतदाता के लिए फॉर्म 6अ से नाम जोड़ा जा सकता है। किसी तरह के संशोधन के लिए फॉर्म 8 से आवेदन कर सकते हैं। वोटर हेल्पलाइन एप के माध्यम से मतदाता स्वयं भी ऑनलाइन आवेदन दे सकते हैं। यह ऐप आप गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करें या ऑनलाइन आवेदन चुनाव आयोग के वेबसाइट **वोटर्स.इसीआइ.जीओवी.इन** पर भी जमा कर सकते हैं। साथ ही किसी भी तरह की निर्वाचन संबंधी जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 1950 पर कॉल कर सकते हैं। बैठक में डीडीसी रवि आनंद, उप

सैनिकों की बदौलत देश सुरक्षित : बीडीओ

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। पूर्व सैनिक सेवा परिषद् के तत्वावधान में उवि प्लस टू बालिका के समीप कार्यालय परिसर में सोमवार को कारगिल विजय दिवस मनाया गया। जिसकी अगुवाई कैप्टन दुखन सिंह चंद्रवंशी और पूर्व सैनिक सुधीर कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत बीडीओ रतन कुमार सिंह, संरक्षक कर्नल संजय सिंह आदि ने भारत माता व शहीद जवानों की तस्वीरों पर पुष्प अर्पित कर किया। अतिथियों के सम्मान में श्री मां बाल विकास विद्यालय के बच्चों ने स्वागत गीत गाया। इसके बाद एनसीसी कैडेटों, रा कन्या मवि, श्री मां बाल विकास विद्यालय, बून पब्लिक स्कूल के बच्चों द्वारा कई कार्यक्रम पेश किए गये। इस दौरान वीर नारियों की सम्मानित किया गया। वहीं, अपने संबोधन में बीडीओ रतन कुमार ने कहा कि सैनिकों की कड़ी मेहनत से हम सभी सुरक्षित हैं। उन्होंने पूर्व सैनिकों द्वारा की जा रही कार्यो की सराहना की। साथ ही सैनिकों को आश्वस्त किया कि आप सभी की सेवा के लिए मैं हमेशा उपलब्ध रहूंगा। कर्नल संजय सिंह ने विस्तृत रूप से कारगिल युद्ध के बारे में जानकारी दी। कहा कि पूर्व सैनिक मिलकर हुसैनाबाद के युवाओं को भारतीय सेना में जाने के लिए मार्गदर्शन कर रहे हैं। इस मौके पर लेफ्टिनेंट प्रेमतोष प्रसाद, पेंशन अधिकारी कामख्या नारायण सिंह, पूर्व नगर अध्यक्ष रामेश्वर राम उर्फ छठन पासवान, निवर्तमान नपं उपाध्यक्ष, ग्यासुद्दीन सिद्दीकी रामप्रवेश सिंह, अजय गुप्ता, सुरेंद्र कुमार सिंह, शैलेश कुमार, जितेंद्र सिंह कुशवाहा, जयकुश सिंह, शशिकांत कुमार, पूर्व सैनिक सत्येंद्र शर्मा, सुरेश ठाकुर, सुभाष कुमार, काजल सिंह, रिया राज, विक्रम विशाल आदि मौजूद थे।

रसोई गैस सिलेंडर हादसे में झुलसे पीड़ितों से मिले शिवपूजन मेहता

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरगंज/पलामू। हरिहरगंज-हुसैनाबाद के पूर्व विधायक कुशवाहा शिवपूजन मेहता ने रसोई गैस सिलेंडर हादसे में झुलसे पीड़ितों से रांची के देवकमल हॉस्पिटल में जाकर मिले। बतातें चलें कि हरिहरगंज अररुआ खुर्द जामा मस्जिद में रसोई गैस सिलेंडर फटने से करीब एक दर्जन लोग झुलस गए हैं। इस हादसे में मोहनलाल, चंदन विश्वकर्मा, रूही प्रवीण की स्थिति नाजुक बताई गई थी। उन्हें पटना के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि रामस्वरूप विश्वकर्मा, शौकत आलम, अनवर हुसैन, उम्मेह हबीबा और उम्मे हबीबा का रांची के देवकमल हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। कुशवाहा शिवपूजन मेहता वहीं, रांची पहुंच कर पांचों पीड़ितों से मिले और उनका हाल जाना जाना। साथ ही उनके परिजनो से भी मिलकर

समस्या को सुने और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। इसके बाद अस्पताल प्रबंधक को फोन कर सभी पीड़ितों को बेहतर ढंग से इलाज करने का आग्रह किया।

इलाज के दौरान एक घायल की पटना में मौत

गैस सिलेंडर हादसे में घायल मोहनलाल की पटना के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान सोमवार अहले सुबह मौत हो गई। इससे क्षेत्र में शोक है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। मृतक से संबंधी झामुमो जिला उपाध्यक्ष अतहर हुसैन ने बताया कि मृतक मोहनलाल औरंगाबाद जिले के नबीनगर थाना अंतर्गत बड़ेम गांव निवासी मुनीलाल के पुत्र थे।

जायंट्स ग्रुप ऑफ गढ़वा ने जीएन इंटरनेशनल स्कूल में किया पौधरोपण

गढ़वा (आजाद सिपाही)। जायन्ट्स ग्रुप ऑफ गढ़वा के द्वारा मदन प्रसाद केशरी की अध्यक्षता में जीएन इंटरनेशनल स्कूल में पौधरोपण किया गया। प्रोजेक्ट चैयरमैन जायंट्स वेलफेयर फाउंडेशन फेडरेशन 8 के पूर्व अध्यक्ष विनोद कमलापुरी, जायंट्स वेलफेयर फाउंडेशन फेडरेशन 8 के निवर्तमान अध्यक्ष अलखनाथ पांडेय, स्पेशल कमेटी के पूर्व सदस्य विजय केशरी, फेडरेशन 8 के पूर्व अध्यक्ष मदन प्रसाद केशरी, फेडरेशन 8 के उपाध्यक्ष नंदकुमार गुप्ता ने संयुक्त रूप से कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते कहीं बाढ़ तो कहीं अल्प वृष्टि के कारण सूखा का सामना करना पड़ रहा है। गढ़वा रेनसेडो जोन में आता है। यहां बड़े पैमाने पर पौधरोपण की जरूरत है। अतः वृक्ष लगाना हर मनुष्य का कर्तव्य है। वृक्ष से धरती हरी-भरी होने से पर्यावरण शुद्ध और मनुष्य का स्वास्थ्य ठीक रहता है। उन्होंने ने सभी लोगों से अपील की है कि सभी व्यक्ति एक-एक पेड़ अवश्य लगाएं ताकि पर्यावरण में सुधार हो। मौके पर ग्रुप के सचिव चंद्रभूषण सिन्हा, मीडिया प्रभारी मोजिबुद्दीन खान, दीपक तिवारी, मनदीप सोनी, डॉ बीरेंद्र कुमार, सृजन आनन्द आदि उपस्थित थे।

सीएम के विरुद्ध अमर्यादित टिप्पणी करनेवाला यू ट्यूबर गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा पुलिस ने मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष एवं अन्य मंत्री के विरुद्ध अमर्यादित आपत्तिजनक एवं विद्वेषपूर्ण भाषा का प्रयोग कर उसे प्रसारित करने के आरोपी भौकाल टीवी चैनल के संचालक टीपू सुल्तान उर्फ समर को गिरफ्तार किया है। उक्त जानकारी सोमवार को जिले के पुलिस अधीक्षक अंजनी कुमार झा ने गढ़वा थाना परिसर में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी। पुलिस अधीक्षक श्री झा ने बताया कि भौकाल टीवी नामक यू-ट्यूब/फेसबुक चैनल के द्वारा मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष तथा अन्य मंत्री के विरुद्ध अमर्यादित भाषा का प्रयोग करते हुए एक वीडियो अपलोड कर उसे प्रसारित किया गया था।

इस संदर्भ में आवेदक रतन कुमार सिंह के आवेदन पर रंका थाना कांड सं. 112/2023, दिनांक 30.07.2023 धारा 153ए/505 (2)/ 500/509/ 504/506/34 भादवि. 67 आईटी एक्ट एवं एससी/एसटी एक्ट अंकित किया गया। उन्होंने बताया कि विशेष कार्रवाई दल का गठन कर शीघ्र भौकाल टीवी के संचालक सहित उपरोक्त अपराध में शामिल अन्य अभियुक्तों को चिन्हित कर गिरफ्तारी का निर्देश दिया गया। तत्काल गठित टीम द्वारा टीपू सुल्तान उर्फ समर को गढ़वा थाना क्षेत्र के दरमी ग्राम से गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक श्री झा ने बताया कि मामले में चिन्हित कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। छापामारी दल में पुलिस उपाधीक्षक संतोष कुमार, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी कृष्णा कुमार साहू, रंका थाना प्रभारी शंकर प्रसाद कुशवाहा, पुअनि. सूर्यप्रकाश दूबे, प्रवीण कुमार आदि समेत सशस्त्र बल शामिल थे।

किसी भी हाल में पशु तस्करी नहीं होने देंगे, 27 पशु को कराया गया मुक्त : विपुल दुबे

गढ़वा (आजाद सिपाही)। योगी सेना की तत्परता से तस्करी कर ले जा रहे 27 पशुओं को मुक्त कराया गया व तस्करों को जेल भेजा गया। योगी सेना प्रदेश अध्यक्ष विपुल धर दुबे ने बताया कि हमें गुप्त सूचना मिली कि करीब 27 गायों को रंका से गढ़वा की ओर तस्करी कर लाया जा रहा है। इसकी सूचना हमने रंका थाना प्रभारी को दी। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन दल बल के साथ पहुंचा और सभी पशुओं को तस्करों से मुक्त कराकर थाने लाया गया। जिसे आज स्थानीय पशु पालकों के बीच वितरण कर दिया गया व सभी तस्करों को जेल भेज दिया गया। वहीं श्री दुबे ने कहा कि तस्कर सुधर जायें अन्यथा उनके बढ़ते मनोबल को योगी सेना कुचलने के लिए तैयार है। किसी भी हाल में पशु तस्करी नहीं होने देंगे। मौके पर धीरज तिवारी, विजय दुबे, अमित पांडेय, अनिल मधेशिया, ननकू झा, आलोक कुमार, चंदन कुमार, हर्षित कुमार, घनश्याम ठाकुर, जितेंद्र यादव, राजन गुप्ता, विवेक सोनी उपस्थित थे।

हिंदू मुस्लिम एकता की मिसाल पेश करते हैं डाली बाजार के मनोज विश्वकर्मा

मुहर्रम से जुल्म के खिलाफ आवाज उठाने की मिलती है प्रेरणा : अमित

तीजा के रस्म अदायगी के साथ 12 दिनों से चल रहे मुहर्रम का हुआ समापन

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। जिले के छतरपुर अनुमंडल अंतर्गत डाली बाजार पंचायत के आजाद नगर मिलान और कौशल नगर चौक परिसर में मुहर्रम पर आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल और उनके पुत्र सह छतरपुर पूर्वी से जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल को उप मुखिया अफजाल अंसारी, मुखिया प्रतिनिधि जुबेर अंसारी, पूनम अपार्टमेंट के मैनेजर शमीम अंसारी, खजांची गुलाम गौस, पंचायत समिति सदस्य शहाबुद्दीन अंसारी, यासीन अंसारी, शमीम अख्तर व साकिम अंसारी आदि ने पगड़ीपोशी कर स्वागत किया।

पगड़ीपोशी कार्यक्रम में शामिल पर्यावरणविद कौशल किशोर, उनके बेटे व अन्य।

हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 शहीदों की शहादत में छतरपुर डाली बाजार, चेगौना, माडवा, मुंगेरी, अलीपुर व नावा समेत दर्जनों जुलूस में जिला पार्षद अमित शामिल हुए। कहा कि हुसैन साहब का कत्ल करने के बाद भी यजीद का अंत होना उनकी शहादत के मर्म को दर्शाता है। हजरत इमाम हुसैन साहब एवं उनके 72 शहीदों की शहादत जुल्म के खिलाफ आवाज उठाने की प्रेरणा देता है। उनकी याद में आज संकल्प लेने का दिन है। कहा कि बुराई कितनी भी मजबूती से पैर पसारे लेकिन हमें कभी भी अच्छाई का दामन नहीं छोड़ना चाहिए। वहीं, पर्यावरणविद कौशल ने कहा कि डाली बाजार के लोग वर्षों से हिंदू-मुस्लिम एकता की एक अलग मिसाल पेश करते हैं। उसी का जीता जगता सबूत है कि डाली बाजार के मनोज विश्वकर्मा पिछले डेढ़ दशक से ताजिया बनाते आ रहे हैं। इस वर्ष भी मनोज विश्वकर्मा डाली बाजार के तीन कारीगर नसरुद्दीन अंसारी, इनामुल हक एवं राजा बाबू के सहयोग से आजाद नगर का आकर्षक ताजिया बनाया था। मौके पर सुचित कुमार जायसवाल, सत्येंद्र प्रसाद, रामजी प्रसाद, लाल बाबू प्रसाद, बसीर अंसारी, शकील अंसारी, अनवर अंसारी, मुस्ताक अंसारी, खुर्शीद अंसारी, करीम अंसारी, जुम्मन अंसारी, बदानी अंसारी, राकेश रंजन, विनोद यादव, श्यामदेव पासवान, शिवनाथ राम, अवधेश राम, बाबूराम, असगर अंसारी, नगाड़ा अंसारी, ताज मोहम्मद, राजेश्वर मिस्त्री आदि शामिल थे।

उत्क्रमित प्लस टू उवि में कैच द रैन अभियान कार्यक्रम के तहत सेमिनार आयोजित

लोगों को जल संचयन के लिए शपथ दिलाते हुए 9 अगस्त से शुरू होने वाले मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम के बारे में की गयी चर्चा

आजाद सिपाही संवाददाता

विशुनपुरा। नेहरू युवा केंद्र गढ़वा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में सोमवार को उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय पिपरी कला में कैच द रैन अभियान कार्यक्रम के तहत सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि प्रधानाध्यापक शशिप्रकाश रमन एवं स्वयंसेवक कुमारी पूजा सिंह ने

स्वामी विवेकानंद की तस्वीर पर माल्यार्पण कर की। इस दौरान सभी छात्र-छात्राओं को अभियान के तहत वर्षा जल संचयन को लेकर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गयी। मौके पर नेहरू युवा केंद्र के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक कुमारी पूजा सिंह ने कहा कि जल ही जीवन है, हमें जल को संचयन कर बचाना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियों को दुष्परिणाम ना पहुंचे। उन्होंने कहा कि हमारे भूमंडल के अंदर सीमित मात्रा में पीने योग्य शुद्ध जल बचा हुआ है। यदि समय रहते पानी नहीं बचाया गया तो आने वाले समय में घोर संकट उत्पन्न हो जायेगी। कार्यक्रम के दौरान लोगों को जल संचयन के लिए शपथ दिलाते हुए आगामी 9 अगस्त से शुरू होने वाले मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम के बारे में भी चर्चा की गयी। साथ ही स्कूल प्रांगण में पांच वृक्ष नीम, लाल चंदन, कदम, कनाई, नारियल का पौधा लगाया गया।

मौके पर विद्यालय के शिक्षक जीतेन्द्र सिंह, ऋषिकेश चौधरी, विनीता कुमारी, रामजी यादव, चंद्रदेव सिंह, तुलसीदास, संतोष दास, रविंद्र कुमार, नंदकिशोर सिंह, राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक दिव्या कुमारी सिंह एवं गर्ल्स युवा क्लब के अध्यक्ष रूबी कुमारी सहित कई लोग उपस्थित थे।

बाल विवाह समाज के लिए एक अभिशाप की तरह है, यह कानूनन अपराध भी : उत्तम सिंह

जागरूक बनें, बच्चों की मदद करें: बीडीओ

सभी के संयुक्त प्रयास से बाल अधिकार का संरक्षण संभव

आजाद सिपाही संवाददाता

बेरमो। प्रखंड कार्यालय सभागार में सहयोगिनी संस्था की ओर से सोमवार को प्रखंड स्टेक होल्डर्स की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता बीडीओ मधु कुमारी ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक प्रतिनिधि उत्तम कुमार सिंह, बीडीओ मधु कुमारी, बेरमो थाना के पुलिस अधिकारी सुभाष कुमार, जेएसएलपीएस की बीपीएम अंजना सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता श्याम कुंवर भारती, सहयोगिनी के कोऑर्डिनेटर फुलेंद्र रविदास आदि ने किया। इसके पूर्व अतिथियों को पौधा देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर सहयोगिनी से जुड़े कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स

प्रखंड स्टेक होल्डर्स की बैठ का उद्घाटन करती बीडीओ व अन्य।

फाउंडेशन के जिला समन्वयक फुलेंद्र रविदास ने सहयोगिनी की ओर से बेरमो प्रखंड क्षेत्र में बाल विवाह के खिलाफ चल रहे अभियान की विस्तृत जानकारी दी। बताया कि पूरे बोकारो जिले में इस अभियान के तहत 150 गांव को बाल विवाह मुक्त बनाने का संकल्प लिया गया है। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि उत्तम कुमार सिंह ने कहा कि बाल विवाह समाज के लिए एक अभिशाप की तरह है। यह कानूनन अपराध भी है। इसे रोकना हम सभी की जिम्मेवारी है। उन्होंने बताया कि बेटा हो या बेटी, दोनों को समान अधिकार, सम्मान व आगे बढ़ने का अवसर दें। जिससे समाज में असमानता खत्म होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही बीडीओ मधु कुमारी ने कहा कि बाल विवाह को रोकना एक नेक कार्य है। इस कार्य के लिए जिस तरह की मदद की आवश्यकता है, हर समय तैयार हैं। इस कार्य में जितने भी स्टेकहोल्डर्स हैं, सभी सहयोग करें। उन्होंने कहा कि बच्चों के संरक्षण व अधिकार के लिए बाल संरक्षण समिति के कार्यों की जानकारी जन-जन तक पहुंचे, इसके लिए सभी को जागरूक बनकर बच्चों की मदद करनी होगी। समाज में अगर बाल विवाह की सूचना मिले तो तत्काल इसकी जानकारी स्थानीय प्रशासन एवं संबंधित संस्था व चाइल्ड लाइन को दें। उस पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रम में चाइल्ड लाइन की सेवा 1098 की भी विस्तृत जानकारी दी गयी। इस दौरान अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को बाल विवाह को रोकने को लेकर शपथ दिलाई गयी। मौके पर सीएचसी बेरमो के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ कुमार मनीष, शिक्षा विभाग के प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी विशाल प्रकाश, धीरेंद्र कुमार रजक, सीमा महतो, प्रियंका कुमारी, पूनम कुमारी, विनीता कुमारी, सुजीता कुमारी, आनंद प्रसाद, किसन मुंडा, गजेंद्र प्रसाद वर्मा, अश्विनी कुमार पांडेय, अवधेश प्रसाद यादव, अनामिका गुप्ता, गौरव कुमार सिन्हा, रवि कुमार राय, सरोज अड्डी, प्रवीण कुमार, राजकिशोर शर्मा, शेखर शरदेंदु, विकास गोस्वामी, अंजू देवी, सुरजमनी देवी, मंजू देवी, पुष्पा देवी, अनिल हेम्ब्रम आदि मौजूद थे।

जैना मोड़ में टूल रूम निर्माण को लेकर केंद्रीय मंत्री से मिले सांसद चंद्रप्रकाश

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री नारायण राणे से बोकारो जिले के जैना मोड में टेक्नोलॉजी सेंटर (टूल रूम) का निर्माण यथाशीघ्र कराने को लेकर आवश्यक कार्रवाई करने की दिशा में निर्देश देने का आग्रह किया है। उन्होंने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री से मुलाकात भी की। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के सपनों को साकार करने के लिए देशभर में टूल रूम स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। इसी के तहत झारखंड राज्य के बोकारो जिले के जैना मोड में टूल रूम स्थापित किया जाना है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को इस बात से अवगत कराया कि टूल रूम के निर्माण के लिए 20 एकड़ 86 डिसमिल जमीन लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय को हस्तांतरित किया जा चुका है। बावजूद यह परियोजना काफी दिनों से लंबित है। इसका निर्माण जल्द से जल्द कराए जाने की जरूरत है, ताकि क्षेत्र के अलावा पूरे राज्य को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि टूल रूम के निर्माण से हजारों लोगों को रोजगार एवं अपना उद्यम स्थापित करने में काफी सहायता मिलेगी।

बुधुडीह आदर्श मध्य विद्यालय में समारोह कर सेवानिवृत्त शिक्षकों को दी गई विदाई

गिरिडीह (आजाद सिपाही)। गांडेय अंचल अंतर्गत बुधुडीह स्थित राजकीय कृत आदर्श मध्य विद्यालय में सोमवार को समारोह आयोजित कर सेवानिवृत हुए शिक्षक आलोक कुमार देव और राम कुमार देव को भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जिप अध्यक्षा मुनिया देवी के अलावा भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष यदुनन्दन पाठक, मुखिया नवीन कुमार वर्मा, समाजसेवी सह जिप अध्यक्षा प्रतिनिधि मनीष कुमार, 20 सूत्री प्रखंड अध्यक्ष ध्रुबदेव पंडित, बीइइओ कौलेश्वर दास, पंसस गुलाब मंडल, शिक्षक गुजा हाजरा, महेंद्र वर्मा, सिकंदर मंडल, प्रमोद राम, मो मुख्तार, सुधीर गुप्ता, मैनेजर सिंह, बास्की नाथ राय, राम प्रसाद मंडल, मो मुमताज अहमद आदि उपस्थित थे। इस दौरान अतिथियों का स्वागत फूलों की माला पहनाकर किया गया। अतिथियों ने आलोक कुमार देव और राम कुमार देव की कार्यशैली की तारीफ की एवं उनके कार्यों की सराहना करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। जिप अध्यक्षा मुनिया देवी ने कहा कि सरकारी नौकरी में सेवानिवृत्त होना स्वाभाविक है। पर अपने कार्यकाल को हमलोग कैसे व्यतीत करते है वह हम पर निर्भर करता है। कहीं न कहीं आज ये सम्मानित जनों की भीड़ बयां कर रही है कि दोनों शिक्षकों का कार्यशैली कुशल रहा है। जिप अध्यक्षा ने दोनों शिक्षकों के आगे के जीवन के लिए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर शिक्षक संघ के अध्यक्षों द्वारा सयुक्त रूप से अपनी समस्या को जिप अध्यक्ष से अवगत कराया गया, जिस पर उन्होंने त्वरित कार्यवाही का आश्वासन दिया। वहीं भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष यदुनंदन पाठक, मुखिया नवीन वर्मा, समाज सेवी मनीष कुमार, 20 सूत्री प्रखंड अध्यक्ष ध्रुबदेव पंडित, बीइइओ कौलेश्वर दास आदि ने भी दोनों शिक्षकों की कार्यकाल पर प्रकाश डालते हुए अपने विचारों को व्यक्त किया व स्वास्थ्य व सुखद जीवन की कामना की।

नियमित जलापूर्ति की मांग को लेकर कतरास निगम कार्यालय पर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

कतरास (आजाद सिपाही)। नियमित जलापूर्ति की मांग को लेकर कतरास गुहीबांध व आसपास के लोगों ने सोमवार को कतरास नगर निगम कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने कहा कि नियमित रूप से पानी नहीं तो नगर निगम को कोई पैसा भुगतान नहीं। ग्रामीण ने बताया की कतरास जलापूर्ति योजना से कतरास बाजार सहित कई अन्य जगहों पर पहले एक निश्चित समय पर पानी की आपूर्ति की जाती थी जिससे कतरास व आसपास के लोगों को कभी भी पानी की दिक्कत नहीं होती थी। लेकिन इधर कुछ माह से पानी की सप्लाई किन कारणों से प्रभावित हुई है पता नहीं चल रहा है। कभी-कभी तो सप्ताह में एक या दो दिन ही पानी की आपूर्ति होती है। अगर नगर निगम नियमित रूप जलापूर्ति नहीं करता है तो लोग निगम को किसी भी प्रकार का टैक्स नहीं देंगे। निगम को टैक्स चाहिए तो कतरास जलापूर्ति योजना को सुचारू रूप से चलाना होगा। इस मौके पर सुरेंद्र गोस्वामी, अजय कुमार गुप्ता, मो शमीम, मोहम्मद मिरान खान, सुरेंद्र चौधरी, मानवर अंसारी, मोहम्मद अनवर, मोहम्मद अफताब सिद्दिकी और मोहम्मद समिर आदि मौजूद थे।

लायंस क्लब ऑफ कतरास की पहल पर मिला 8 बैरियर

कतरास (आजाद सिपाही)। लायंस क्लब की पहल पर सलूजा गोल्ड टीएमटी कम्पनी की ओर से कतरास कॉलेज से लेकर शहीद भगत सिंह चौक तक अति दुर्घटना वाले क्षेत्र में लगाने के उद्देश्य से 8 बेरियर दिया गया, जिसका उद्घाटन कतरास थाना प्रभारी रणधीर सिंह और लायंस क्लब ऑफ कतरास के अध्यक्ष डॉ उमाशंकर सिंह ने संयुक्त रूप से किया। कतरास के लोगों ने इस सराहनीय कार्य के लिए लायंस क्लब और प्रशासन को धन्यवाद दिया। मालूम हो कि इस मार्ग पर अनेकों दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। जिसमें कई लोग गंभीर रूप से घायल और कई लोगों की मौत भी हो चुकी है। इस मार्ग से होकर करीब आधा दर्जन शैक्षिक संस्थानों को जाने का रास्ता है। मुख्य बाजार जाने का भी एक अहम मार्ग कतरास के लिए यही है। इस मौके पर रितेश कुमार दूबे, सुरेश रजक, शैलेश बर्मन, विभूति सिंह, कृष्ण कन्हैया राय, कुमार चंदन, अचिंतो बॉस, अंजनी देवी, विष्णु प्रसाद चौरसिया, डॉ स्वतंत्र कुमार आदि उपस्थित थे।

ब्लड प्रेशर असामान्य, पूर्व विधायक संजीव का दूसरी बार भी नहीं हो सका एमआरआइ

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह का सोमवार को दूसरी बार भी एमआरआई नहीं हो सका। कोर्ट के आदेश पर उन्हें दूसरी बार भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच गैरसरकारी अस्पताल में जांच के लिए ले जाया गया, जहां अल्ट्रासाउंड समेत अन्य टेस्ट हुए। पर ब्लड प्रेसर सामान्य नहीं होने के कारण एमआरआई टेस्ट नहीं हो सका। इसके बाद संजीव सिंह को वापस एसएनएमएमसीएच ले जाया गया। बतातें चलें कि वे बीते 11 जुलाई से इलाज के लिए यहां उक्त अस्पताल में भर्ती हैं। इससे पहले उनकी इच्छा मृत्यु की अर्जी को विगत गुरुवार को एमपी-एमएलए न्यायालय के विशेष न्यायाधीश अखिलेश कुमार ने खारिज करते हुए धनबाद के किसी अच्छे अस्पताल में भेजकर जांच कराने का निर्देश जेल प्रशासन को दिया था। इधर, संजीव सिंह की पत्नी सह भाजपा नेत्री रागिनी सिंह ने बताया कि अल्ट्रासाउंड समेत अन्य टेस्ट हुए हैं। पर सांस फूलने, चक्कर आने व बीपी असामान्य होने के कारण एमआरआई नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि गंभीर रूप से बीमार एक विचाराधीन बंदी के साथ राज्य सरकार बदले की भावना से काम कर रही है। उनके पति संजीव के स्वास्थ्य में लगातार गिरावट आने के बावजूद अच्छे इलाज के लिए खुद के खर्च पर धनबाद में ही किसी दूसरे प्राइवेट अस्पताल में इलाज कराने की अनुमति नहीं मिल रही है। यह सत्ता का प्रभाव नहीं तो और क्या है। उनके पति के साथ किसी प्रकार की अप्रिय घटना घटने पर इसकी पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार, जेल प्रशासन सहित एसएनएमएमसीएच प्रबंधन की होगी।

रांची की टीम ने किया कमली ग्राउंड का मुआयन

- कमली ग्राउंड में 2.5 करोड़ की लागत से बनने वाला है स्वर्गीय सुभाष महतो स्टेडियम
- बाउंड्री वॉल सहित गैलरी, चेंजिंग रूम एवं सोलर युक्त स्टेडियम का होगा निर्माण
- स्टेडियम का खेलकूद, पर्यटन-कला-संस्कृति-युवा विभाग से कराया जाएगा निर्माण

आजाद सिपाही संवाददाता

जरीडीह बाजार/बेरमो। बेरमो विधायक कुमार जय मंगल सिंह की अनुशंसा पर खेलकूद, पर्यटन, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग की ओर से जरीडीह पंचायत स्थित कमली ग्राउंड में लगभग 2.5 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक सुविधा युक्त स्वर्गीय सुभाष महतो स्टेडियम निर्माण की कवायद तेज हो गयी है। इसके अवलोकन के लिए सोमवार को विभाग के स्पेशल डिवीजन और इससे जुड़ी रांची की एक टीम ग्राउंड का मुआयना करने पहुंची थी। अवलोकन करने आए टीम में विभाग के असिस्टेंट इंजीनियर ब्रिज किशोर महतो, जूनियर इंजीनियर गणेश कुमार, सहायक अभियंता मनीराम मुंडा और अतुल कुमार शामिल थे। जरीडीह पूर्वी पंचायत के मुखिया पति सह समाजसेवी बबलू भगत, जरीडीह पश्चिमी पंचायत के मुखिया पति नरेश महतो ने बताया कि बेरमो विधायक की अनुशंसा पर यहां सुविधा युक्त स्टेडियम का निर्माण होना है। जिसमें बाउंड्री वाल सहित गैलरी, चेंजिंग रूम, खेलने की सारी सुविधाएं सहित पूरा स्टेडियम सोलर लाइट युक्त होगा। इस कार्य के लिए बबलू भगत और नरेश महतो ने बेरमो विधायक का आभार प्रकट किया। इस मौके पर कमली देवी मुख्य रूप से मौजूद थे।

डीएवी -6 से सेवानिवृत्त हुए खेल शिक्षक शैलेंद्र प्रताप

बोकारो (आजाद सिपाही)। डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर 6 में खेलशिक्षक शैलेंद्र प्रताप के सेवानिवृत होने पर समारोह आयोजित कर विदाई दी गयी। प्राचार्य बृजमोहन लाल दास ने शैलेंद्र प्रताप को अंगवस्त्रम व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। शैलेंद्र प्रसाद ने डीएवी पब्लिक विद्यालयों में 35 वर्षों तक अनवरत सेवा की। वे एक कुशल व अनुशासन प्रिय शिक्षक है। कर्मठता के लिए विद्यालय में उनकी अलग पहचान है। वहीं, शैलेंद्र ने अपने बीते अनुभव को बताया। जबकि बीएमएल दास ने कहा कि शिक्षक समाज के हर वर्ग तक अपनी पहचान बनाते हैं।

डीवीसी के सेवानिवृत्त कर्मियों को दी गयी विदाई

आजाद सिपाही संवाददाता

चिरकुंडा। डीवीसी के स्थानीय परियोजना के एरिया छह स्थित मिश्रित भवन में सोमवार को समारोह आयोजित कर तीन कर्मियों को विदाई दी गई। समारोह के कार्यपालक निदेशक असैनिक सह मैथन परियोजना प्रमुख अंजनी कुमार दूबे के अलावा मुख्य अभियंता क्रमसः जयंत बनर्जी, रामस्नेह शर्मा, पी बनर्जी उपमहाप्रबंधक प्रशासन अनूप पुरकायस्थ, पीआरओ संजय प्रियदर्शी आदि उपस्थित थे। अपने संबोधन में अंजनी दूबे ने कहा कि जिस तरह आज डीवीसी परिवार के मैथन परियोजना के एक पदाधिकारी और दो कर्मियों को विदाई दी गयी उसी तरह हम सभी को भी एक दिन इस परिवार से विदाई लेना होगा। तीनों पूर्व कर्मियों की लंबी आयु एवं स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। सेवानिवृत होने वालों में उपमुख्य अभियंता सुजीत कुमार, पर्सनल सेक्रेटरी विभास बिट, ऑफिस सुप्रिटेंडेंट (पीजी) शारदा नंद सिंह शामिल हैं। जिन्हें शॉल ओढ़ा कर, मिठाई, घड़ी, सर्टिफिकेट व पेंशन बुक देकर विदाई दी गयी।

घर की दीवारों और आसपास की जमीन में पड़ी दरार

मुआवजे के लिए जान जोखिम में डालकर अग्निप्रभावित क्षेत्र में रह रहा रैयत परिवार

20 मीटर की दूरी पर है आग, होते रहता है गैस रिसाव

आजाद सिपाही संवाददाता

लोयाबाद। कनकनी कोलियरी प्रबंधन की ओर से पासी पट्टी निवासी व रैयत संजय निषाद को शीघ्र नहीं हटाया गया तो कभी भी अप्रिय घटना हो सकती है। घनुडीह की घटना की पुनावृति होने से इंकार नहीं किया जा सकता है। रैयत संजय निषाद की यहां पांच डिसमिल जमीन है, जिसपर वह अपना घर बना कर रह रहा है। उसके घर की दीवारों और पिछे की जमीन में दरारें पड़ चुकी है। आवास से मात्र 20 मीटर की दूरी पर आग और गैस का रिसाव होता है। संजय बिना मुआवजा के अपनी जमीन छोड़ कर जाने को तैयार नहीं है। उनका कहना है कि बीसीसीएल प्रबंधन उसकी जमीन के एवज में मुआवजा और पुर्नवास की व्यवस्था करे। वह चला जाएगा। मुआवजा और पुर्नवास की व्यवस्था जब तक कोलियरी प्रबंधन द्वारा नहीं की जाती तब तक वह अपनी जमीन को छोड़कर कहीं नहीं जाएगा। बताया कि वह और परिवार के सदस्य निकल रही गैस और आग की भीषण गर्मी से परेशान हैं। गर्मी के कारण नींद नहीं आती है। बताया कि वह जमीन के एवज में मुआवजा की मांग को लेकर कनकनी कोलियरी कार्यालय और सिजूआ क्षेत्रीय कार्यालय का चक्कर काट कर थक चुका है। प्रबंधन मुआवजा और पुर्नवास की व्यवस्था करने के बजाय उसे वहां से किसी तरह से हटा देना चाहते हैं। कोलियरी प्रबंधक द्वारा धमकी भी दी जा रही है। कहा कि राम अवतार आउटसोर्सिंग कंपनी के रास्ता बनाने के लिए उस पर यहां से हट जाने के लिए विवश किया जा रहा है। उसका परिवार दहशत में है। उसके या उसके परिवार के साथ कोई हादसा होता है तो उसका जिम्मेदार प्रबंधन होगा। वहीं, कनकनी कोलियरी के पीओ अनिल कुमार सिंह ने कहा कि जगह असुरक्षीत है। संजय को मुखर्जी कॉलोनी में घर दिखाया गया है। पहले वो जगह छोड़कर जानमाल की रक्षा करे। अपना कागज जमा करे। उसको नियमतः सभी मुआवजा दिलाया जाएगा।

कार्यालय जिला परिषद्, चतरा।

(अतिअल्पकालिक ई0निविदा आमंत्रण सूचना)

ई–निविदा सूचना संख्या – 16/2023-24

1. **कार्य की विस्तृत विवरणी:**

क्र	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	अग्रधन की राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	चतरा	आई0टी0आई0 भवन किशुनपुर का मरम्मति कार्य।	2422100	5000	48500	06 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 07/08/2023
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – 10.08.2023 से 16.08.2023 के अपराह्न 5:00 बजे तक
4. जिला परिषद, चतरा में निविदा शुल्क, अग्रधन की राशि, Bank Credit Certificate, Affidavit (Original copy) एवं ऑनलाईन समर्पित कागजातों की एक प्रति जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय 17.08.2023 अपराह्न 03:00 बजे तक।
5. निविदा खोलने का स्थान :– जिला परिषद, चतरा।
6. निविदा खोलने की तिथि एवं समय –18.08.2023 अपराह्न 2:00 बजे।
7. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– जिला अभियंता, जिला परिषद, चतरा।
8. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0 – 9835777636 (सहायक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
9. परिमाण विपत्र का मूल्य परिमाण विपत्र में अंकित राशि के अनुसार आवेदन के साथ किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक ड्राफ्ट के रूप में "जिला अभियंता, जिला परिषद, चतरा" के पदनाम से देय होगा (जो लौटाया नहीं जायेगा)। तदनुसार परिमाण विपत्र निर्गत किया जायेगा। बैंक ड्राफ्ट निबंधित संवेदक के बैंक से निर्गत बैंक ड्राफ्ट ही मान्य होगा।
10. विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

जिला अभियंता,
जिला परिषद, चतरा।

PR 303656 (District) 23-24 (D)

झारखण्ड सरकार
गव्य विकास निदेशालय (पशुपालन प्रभाग), कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग

"सर्वकालिक आम सूचना"

झारखण्ड के ग्रामीण महत्वाकांक्षी नवयुवक, जो पूर्व से ही गौ पालन/भैंस पालन से जुड़े हुए हैं तथा जुड़कर आर्थिक स्वावलंबन प्राप्त करना चाहते हैं, यह सूचना आप के लिए है।

यदि आप खुद के जमीन पर अथवा आपसी सहमति के साथ किसी अन्य के जमीन पर पशुपालन कर रहे हैं या कर सकते हैं तो आप अपने इस कार्य को विस्तार प्रदान कर सुदृढ़ आर्थिक स्वावलंबन प्राप्त कर सकते हैं।

गव्य विकास निदेशालय (पशुपालन प्रभाग), झारखण्ड सरकार ऐसे सभी इच्छुक पशुपालकों से आवेदन प्राप्त कर उन्हें निदेशालय अन्तर्गत मुफ्त 5 – दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण एवं उनके आवश्यकतानुसार कम ब्याज दर पर KCC (पशुपालन) ऋण, AHIDF एवं Schemes के जरिए सहयोग व मार्गदर्शन प्रदान कर उन्हें प्रभाग में चल रहे मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजनाओं के अन्तर्गत दुधारू गो–वंशीय पशु आपूर्तिकर्त्ता के रूप में विकसित करने को इच्छुक है।

प्रशिक्षण उपरांत इच्छुक अभ्यर्थी सर्वकालिक 'इच्छा की अभिव्यक्ति' के तहत् निर्धारित न्युनतम अर्हता के लिए स्वीकारोक्ति/सहमति पत्र के साथ कभी भी अपना आवेदन संबंधित जिला गव्य विकास पदाधिकारी के माध्यम से अथवा सीधा गव्य विकास निदेशालय में जमा कर सकेंगे। इन प्रशिक्षित पशुपालकों के स्थाई संबलता के लिए उन्हें राज्य में चल रहे 'मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना' अन्तर्गत चयनित लाभुकों के बीच तय मापदण्ड के दुधारू गो–वंशीय पशु के आपूर्ति करने का निरंतर अवसर भी प्रदान किया जाएगा।

गव्य पशुपालक, जो गव्य निदेशालय अन्तर्गत वांछित प्रशिक्षण प्राप्त कर खुद को दुधारू गो–वंशीय पशु आपूर्तिकर्त्ता के रूप में विकसित करने के इच्छुक हैं, के चयनार्थ न्यूनतम अर्हता एवं जाँच बिन्दु (साक्ष्य/प्रमाणक) निम्नवत् है :–

गव्य विकास निदेशालय, झारखण्ड अन्तर्गत खुद को गो–वंशीय पशु आपूर्तिकर्त्ता के रूप में सूचीबद्ध कराने को इच्छुक पशु विक्रेता/व्यापारी/पशुपालक/अन्य के चयनार्थ उनकी न्यूनतम अर्हता, शर्तें एवं जाँच बिन्दु (साक्ष्य/प्रमाणक) निम्नवत् है :–

1. राज्य का साक्षर, वयस्क गव्य पशुपालक हो (मवेशियों के साथ geo-tag photographs)।
2. न्यूनतम 10 डिसिमल स्थल/भूखण्ड (खुद के नाम/वंशावली के साथ सहमति पत्र/भू–स्वामी के साथ नोटरी अनुबंध) उपलब्ध हो।
3. इच्छुक अभ्यर्थी सर्वकालिक 'इच्छा की अभिव्यक्ति' के तहत् निर्धारित न्युनतम अर्हता के लिए स्वीकारोक्ति/सहमति पत्र के आधार पर उनके साथ अगले तीन माह के पशु आपूर्ति के लिए औपबंधिक/अस्थाई इकरारनामा किया जाएगा।
4. लक्ष्य प्राप्त करने वाले पशु आपूर्तिकर्त्ताओं का संबंधित जिला गव्य विकास पदाधिकारी के द्वारा स्थल सत्यापन एवं अनुशंसा के पश्चात् उनके साथ एक वर्ष के लिए इकरारनामा हस्ताक्षरित किया जाएगा।

* प्रकाशित 'सर्वकालिक आम सूचना' को विभागीय website: https://www.animalhusbandry.jharkhand.gov.in एवं https://www.jharkhand.gov.in/agriculture पर भी देखा जा सकता है।

ह०/–
(चन्दन कुमार, भा०प्र०से०)
गव्य विकास निदेशालय, झारखण्ड, राँची।

PR 303580 (Animal Husbandry) 23-24 (D)

न्यूज रील्स

मणिपुरः पीड़ित सीबीआइ जांच के खिलाफ

इंफाल। मणिपुर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई की। कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि 3 मई को हिंसा शुरू होने के बाद अब तक कितनी एफआइआर दर्ज की गयी हैं। अदालत ने कहा कि यह इकलौती घटना नहीं है। दूसरी महिलाओं के साथ भी ऐसा हुआ। हमें महिलाओं के खिलाफ हिंसा जैसे गंभीर मसले के लिए एक मैकेनिज्म बनाना होगा। दो पीड़ित महिलाओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने इस मामले की सीबीआइ जांच का विरोध किया।

क्लास में 10वीं के छात्र की हत्या दोस्त ने मारा चाकू

कानपुर। कानपुर के न्यू आजाद नगर स्थित प्रयाग विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में सोमवार को 10वीं के स्टूडेंट की उसके साथी ने क्लास के अंदर ही चाकू से गोदकर हत्या कर दी। दोनों के बीच लड़की से बातचीत को लेकर झगड़ा हुआ था। मृतक नीलेंद्र तिवारी की उम्र 15 साल और आरोपी की उम्र 13 साल है।

जयपुर-मुंबई एक्सप्रेस में फायरिंग, 4 की मौत

मुंबई। जयपुर-मुंबई एक्सप्रेस में सोमवार सुबह रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स के एक कांस्टेबल ने अपनी ऑटोमैटिक राइफल से साथी असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर को गोली मार दी। इसके बाद वह दूसरे डिब्बे में गया और 3 पैसेंजर्स को भी शूट कर दिया। फायरिंग पालघर रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन के कोच बी-5 में हुई।

इनवर्टेड लेंस रिवर्स के साथ रे-बैन ने पेश किया सनग्लासेज का नया कलेक्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। एक के बाद एक हर दशक में रे-बैन नये विस्तार के लिए निरंतर अग्रसर है, इसी उत्सुकता को जारी रखते हुए रे-बैन लेकर आये हैं आइवियर का नया रिवर्स कलेक्शन। इस कलेक्शन में चार युनिसेक्स सनग्लासेज शामिल हैं, जो इम्पोसिबल न्यू लैंस कम्प्लीटली रिवर्स्ड के साथ पेश किये गये हैं। रे-बेन का नया कलेक्शन 11090 रुपये की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध है। कैंपेन की फिल्म में जानी मानी सुपरमॉडल विट्टोरिया केरेट्टी एक हाई फेशन वीडियो में इस रिवर्स आइवियर को पहने नजर आ रही हैं। फिल्म आईवियर पर फोकस करते हुए रिवर्स की अवधारणा को जीवन में उतारती नजर आती है।

आधुनिक इंजीनियरिंग से बनाये गये इन लैंसेज में पारम्परिक कॉन्वैक्स से कॉन्केव लैंस तक शामिल हैं, जिनमें आधुनिक एस्टिगमेटिक, प्रिज्मेटिक और रिजॉल्विंग पावर्स है और प्रेसीजन के साथ किसी तरह का समझौता नहीं किया गया है। हाई-परफोर्मेन्स एंटीग्लेयर ट्रीटमेंट के साथ ये पैंटोस्कोपिक लैंस वेवलैन्थ पर रिफलेक्शन को 70 फीसदी तक कम कर सकते हैं, जिसके लिए आंखें सबसे ज्यादा संवेदनशील होती हैं। चार आइकोनिक सिलहूट स्प्रिंगबोर्ड की तरह काम करते हैं और अवंत ग्रेड की क्लासिक डिजाइनिंग देते हैं। फेडेरिको बुफा, आर एंड डी, प्रोडक्ट स्टाइल लाइसेंसिग, डायरेक्टर, एस्सिलर लक्जोटिका ने कहा कि हमारा रे-बैन रिवर्स कलेक्शन आईवियर उद्योग में नयी क्रांति लेकर आयेगा। इसके कॉन्केव एस्थेटिक को नयी प्रॉपराइटरी टेक्नोलॉजी से तैयार किया गया है, जिसमें लैंस का डिजाइन तैयार करने में बिग डेटा एनालिसिस का उपयोग किया जाता है। हम हमेशा से आई केयर और आईवियर के क्षेत्र में नये मानक लाने के लिए तत्पर रहे हैं। फ्रांसेस्को लिउट, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, एस्सिलर लक्जोटिका ने कहा कि सबसे पसंदीदा आईवियर ब्रांड के रूप में हम अपनी क्षमता का लाभ उठाते हुए इनोवेशन और टेक्नोलॉजी के साथ सबसे क्लासिक स्टाइल लेकर आते हैं। अगोनोमिक युनिवर्सल फ्रेम से विकसित रे-बैन रिवर्स एविएटर, वेफेरर, कारवां और ब्वॉयफ्रैंड चीकबोन पर अच्छी तरह फिट हो जाते हैं और हर तरह के चेहरे की शेप में निखार लेकर आते हैं। पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए बनाये गये कलेक्शन में वैकल्पिक सामग्री जैसे बायो-बेस्ड नायलॉन लैंसेज (41 फीसदी बायो-बेस्ड कार्बन कंटेंट से युक्त), बायो बेस्ड एसीटेट फ्रेम (67 फीसदी बायो-बेस्ड कार्बन कंटेंट) और 100 फीसदी रीसाइकल्ड पैकेजिंग, कार्ड एवं क्लोंजिंग क्लोथ का इस्तेमाल किया गया है।

सम नर्सिंग महाविद्यालय ने संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। शिक्षा और अनुसंधान (सोआ) द्वारा संचालित सम नर्सिंग कॉलेज द्वारा सिस्टेमेटिक लिटरेचर रिव्यू एंड बिब्लियोमेट्रिक एनालिसिस नामक 8 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में सोआ द्वारा संचालित इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस एंड कंप्यूटर स्टडीज (आइबीसीएस) के प्रोफेसर (डॉ) मनोरंजन दास ने एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया और साहित्य खोज, व्यवस्थित समीक्षा और ग्रंथसूची विश्लेषण प्रबंधन पर काम करने के तरीके पर चर्चा की। ग्रंथसूची विश्लेषण से संबंधित अधिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए विभिन्न स्कूल सत्र आयोजित किये गये। इस कार्यक्रम में 50 संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

रायगड़ा में पुलिया टूटने से पांच की मौत सीएम ने शोक सहायता की घोषणा की

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने रायगढ़ा जिले के कल्याण सिंहपुर में आज सुबह एक निर्माणाधीन पुलिया गिरने से चार बच्चों सहित पांच लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है और मृतकों के परिजन को मुख्यमंत्री राहत कोष से चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना भी व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने हादसे के लिए जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के भी आदेश दिये।

ओड़िशा सिविल सेवा परीक्षा के परिणाम घोषित, टॉप 10 में पांच लड़के शामिल

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। ओड़िशा सिविल सेवा परीक्षा के परिणाम घोषित। 2021-22 के लिए ओएएस परिणाम सामने आ गया। इस बार सुदेव कुमार पृष्टि टॉपर रहे हैं। इसी तरह सुचिस्मिता पाणिग्रही दूसरे और प्रणब रंजन साहू तीसरे स्थान पर हैं। चौथे स्थान पर वैशाखी लेंका और पांचवें स्थान पर स्वेतलिना महना रहीं। अग्निजा शिवादत छठे और संतोष कुमार पात्र सातवें स्थान पर रहे। मिमांसा साहू आठवें, बिंदु बलय राउतराय नौवें और सोमोरंजन महापात्र दसवें स्थान पर रहे। हालांकि, इस बार शीर्ष दस में 5 छात्र हैं। 164 लड़कियों सहित कुल 432 छात्र उत्तीर्ण हुए हैं।

ओबीसी को आरक्षण क्यों नहीं: राजेश गुप्ता

7 अधिसूचित जिले में एससी, एसटी और इडब्ल्यूएस को मिलता है आरक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। दिल्ली के एनडी तिवारी कॉन्फ्रेंस हॉल में सोशल रिवॉल्यूशनरी अलायंस के तत्वाधान में राष्ट्रीय सामाजिक न्याय सम्मेलन में 10 महत्वपूर्ण एजेंडे पर न्यायमूर्ति वी इश्वर्या पूर्व मुख्य न्यायाधीश उच्च न्यायालय आंध्र प्रदेश व पूर्व अध्यक्ष राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग एवं न्यायमूर्ति वीरेंद्र सिंह यादव पूर्व न्यायाधीश उच्च न्यायालय इलाहाबाद के नेतृत्व में देशभर के ओबीसी संगठनों का महा जुटान हुआ। उक्त सम्मेलन में झारखंड की ओर से राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने प्रतिनिधित्व किया अपने प्रतिनिधि भाषण में झारखंड प्रदेश में ओबीसी के साथ हो रहे अन्याय की चर्चा किया और बताया कि 7 अधिसूचित जिले में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ईडब्ल्यूएस को आरक्षण मिल रहे हैं परंतु ओबीसी को आरक्षण नहीं दी जा रही है। सोशल रिवॉल्यूशनरी अलायंस द्वारा आयोजित सामाजिक न्याय सम्मेलन के 10 सूत्री एजेंडे पर दो सत्रों में चर्चा की गयी।

भाजपा की ओर से राज्यसभा सांसद राजमणि पटेल, बिहार के भाजपा एमएलए ललन पासवान कांग्रेस के कांग्रेस ओबीसी सेल के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन अजय यादव, राष्ट्रीय प्रवक्ता सुभाषिनी यादव, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी एवं सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में प्रो हंसराज सुमन, डॉ सूरज मंडल, डॉ रतनलाल, डॉ अनिल जय हिंद, रोहिणी साहू, धर्मेंद्र कुशवाहा, जेपी कश्यप, डॉ प्रकाश कुमार, लोकेंद्र गुर्जर, मनोज यादव यूपी सहित कई लोगों ने अपना वक्तव्य दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रो अवधेश शाह ने किया।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार, ***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**